हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ ...

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 20 जुलाई 2026, वर्ष- 09, अंक- 146, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पुंछ में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड से 16 लोगों की मौत, किश्तवाड़ में फटा बादल

फंसे लोगों को निकालने युद्धस्तर पर कार्य जारी, सीएम ने दिल्ली दौरा बीच में छोड़ा

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार तड़के मूसलाधार बारिश ने तबाही मचाई। भारी बारिश के कारण फ्लैश फ्लड और भूस्खलन में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित सुरनकोट तहसील में सभी मौतें दर्ज की गई हैं। राहत एवं बचाव दल मौके पर तैनात हैं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने, प्रभावित क्षेत्रों को खाली कराने और राहत पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ में बादल फटा है। इसके चलते व्यापक पैमाने पर तबाही मची। घर-मकान को नुकसान पहुंचा है। राजौरी में भी भारी से बहुत भारी बारिश के चलते हालात खराब हैं। प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी है। अभी तक 16 लोगों के मरने की सूचना मिली है। इसके अलावा कई अन्य अभी भी लापता हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा जताया गया है। नूनाबंदी गांव में मकान गिरने से एक महिला की मौत हो गई। उनके पति और तीन बच्चों को घायल अवस्था में बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है। लोअर मुर्रा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण एक अन्य शख्स मकान में दब गया। वहीं, मकान समेत परिवार के 6 सदस्य लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया गया है। इसके अलावा मरहोट में एक नाबालिग लड़की नाले में बह गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक किश्तवाड़ के दाछन के सुरनू (कियार) में बादल फटा है। इससे इलाके में हालात काफी बिगड़ गए। खेत में खड़ी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की स्थिति पर अमित शाह ने एलजी और मुख्यमंत्री से की बात, हरसंभव सहायता का दिया आश्वासन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति को लेकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गृह मंत्रालय के अनुसार, अमित शाह ने दोनों नेताओं से प्रभावित क्षेत्रों की मौजूदा स्थिति, राहत एवं बचाव अभियान तथा प्रशासन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की सुरक्षा और राहत कार्य केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा आवश्यकतानुसार हर प्रकार की सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में रविवार तड़के हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई स्थानों पर अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में जन-धन का नुकसान हुआ है। अब तक आठ लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है। प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन दल और अन्य एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं।

सरकार ने विपक्ष से की विधेयकों पर सार्थक चर्चा और सुचारू संचालन में सहयोग की अपील

सर्वदलीय बैठक

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

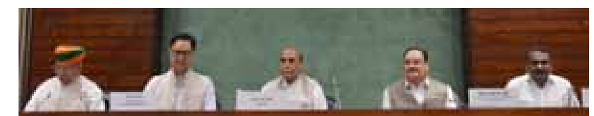

संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी राजनीतिक दलों से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग की अपील की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सरकार ने विपक्ष से महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा और सकारात्मक सहयोग का आग्रह किया। बैठक के दौरान विपक्षी दलों ने अलग गुट बनाने वाले सदस्यों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई। विरोध स्वरूप विपक्ष के कुछ नेताओं ने कुछ समय के लिए सांकेतिक बहिर्गमन भी किया। हालांकि बाद में वे बैठक में वापस लौट आए और चर्चा में शामिल हुए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से बुलाई गई इस बैठक में केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल और डॉ. एल. मुरुगन सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में 40 राजनीतिक दलों के कुल 58 नेताओं ने हिस्सा लिया। संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रारंभिक टिप्पणी से हुई। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक का संचालन किया। बैठक के समापन पर रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को उनकी उपस्थिति, सुझाव और सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। रिजिजू ने सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार संसद के नियमों के तहत अनुमत सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह आगामी सत्र के दौरान विधायी कार्यों में रचनात्मक भूमिका निभाए। संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने मानसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर अपने विचार रखे। कई दलों ने सरकार के समक्ष अपनी प्राथमिकताएं और चिंताएं साझा कीं। सरकार ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनने की बात कही। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सभी दलों से संसद को सुचारु रूप से चलाने और विधेयकों पर सार्थक चर्चा में भाग लेने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि मानसून सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक सदन में पेश करने जा रही है और विपक्ष से आग्रह किया गया है कि वह इन पर सकारात्मक चर्चा कर उन्हें पारित कराने में सहयोग करे। रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र में सभी दलों को अपनी बात रखने का अधिकार है। केवल हंगामा करने और चर्चा से दूर रहने से किसी भी दल को राजनीतिक लाभ नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि सदन व्यवस्थित तरीके से चलेगा तो छोटे दलों सहित सभी राजनीतिक दलों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक में अलग-अलग विचार सामने आना लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया है। सरकार ने सभी दलों के सुझावों को सुना है और उनका उचित संज्ञान लिया जाएगा। गौरतलब है कि संसद का मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होगा और सरकारी कामकाज की आवश्यकता के अनुसार यह गुरुवार, 13 अगस्त तक चल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

री-नीट रिजल्ट पर अब नया विवाद, ओएमआर और मार्कशीट में 600 अंकों तक अंतर

नई दिल्ली। री-नीट 2026 के परिणाम घोषित होने के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कई अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि उनकी ओएमआर शीट और जारी स्कोरकार्ड के अंकों में भारी अंतर है। छात्रों का दावा है कि फाइनल आंसर-की के आधार पर उनके अंक अधिक बन रहे थे, लेकिन जारी मार्कशीट में 15 से लेकर 600 तक अंक कम दर्ज किए गए। इस कारण कई ऐसे छात्र, जो अपने आकलन के अनुसार क्वालिफाई कर रहे थे, परिणाम में अयोग्य घोषित हो गए। छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फाइनल आंसर-की जारी करने के महज तीन से चार घंटे के भीतर परिणाम घोषित कर दिया, जिससे तकनीकी त्रुटियों की आशंका बढ़ गई। एनटीए ने 16 जुलाई की देर रात परिणाम जारी किए थे। इस वर्ष लगभग 20 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 11.21 लाख मेडिकल, डेंटल, आयुष और अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र घोषित किए गए। वर्ष 2020 और 2021 के बाद पहली बार कोई भी छात्र 720 में से पूर्ण 720 अंक हासिल नहीं कर सका। इस बीच हरियाणा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अभ्यर्थी मुकुल काजल ने मीडिया के समक्ष आरोप लगाया, कि 17 जुलाई को डाउनलोड किए गए उनके आधिकारिक स्कोरकार्ड में 605 अंक और ऑल इंडिया रैंक 9551 दर्ज थी, लेकिन कुछ घंटे बाद दोबारा डाउनलोड करने पर अंक घटकर केवल 60 रह गए और रैंक 18,76,324 हो गई।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान ओपन 2026 में जीत के लिए पीवी सिंधु को दी बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जापान ओपन 2026 में जीत हासिल करने के लिए भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ''भारतीय बैडमिंटन के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि! जापान ओपन 2026 में जीत हासिल करने के लिए पीवी सिंधु को बधाई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका दृढ़ संकल्प और बेहतरीन कौशल देखने को मिला। यह उपलब्धि इसलिए और भी खास है क्योंकि वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह देश भर के अनगिनत युवा खिलाड़ियों को खेलने और शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया।

राष्ट्रपित मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण के लिए माल्दोवा रवाना

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु रविवार को अपने सात दिवसीय तीन देशों के राजकीय दौरे के पहले चरण के लिए मोल्दोवा रवाना हो गईं। वह 19 और 20 जुलाई को मोल्दोवा की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की मोल्दोवा की पहली यात्रा होगी। माल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु अपनी समकक्ष राष्ट्रपति मैया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी तथा मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु से भी मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु 19 से 25 जुलाई तक मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के किसी राष्ट्रपति की मोल्दोवा और उत्तर मैसेडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है, जबकि रोमानिया की राष्ट्रपति स्तर की यात्रा तीन दशक बाद हो रही है। इस दौरे से तीनों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी। मोल्दोवा यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु और राष्ट्रपति मैया सैंडू के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होगी। दोनों देशों के बीच कृषि, स्वास्थ्य सेवा, औषधि उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इन क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच परस्पर लाभकारी साझेदारी की व्यापक संभावनाएं हैं। मोल्दोवा यात्रा के बाद राष्ट्रपति मुर्मु 21 और 22 जुलाई को उत्तर मैसेडोनिया जाएंगी। यह भी किसी भारतीय राष्ट्रपति की इस देश की पहली राजकीय यात्रा होगी। वहां वह राष्ट्रपति गोर्डाना सिलजानोव्स्का-दावकोवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ह्रिस्टिजन मिकोस्की और संसद के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगी तथा उत्तर मैसेडोनिया की संसद को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति भारत-उत्तर मैसेडोनिया व्यापार मंच को भी संबोधित करेंगी। दोनों देशों के बीच कृषि, औषधि उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी तथा आईटी आधारित सेवाओं में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा होगी।

सीबीआई की 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड में छह जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित मेसर्स गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामले में की गई। सीबीआई के अनुसार कंपनी पर केनरा बैंक से फंड आधारित और गैर-फंड आधारित विभिन्न वित्तीय सुविधाएं हासिल करने के दौरान 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने स्टॉक का मूल्य बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देनदारियों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया और वित्तीय विवरणों में हेराफेरी कर अधिक ऋण सुविधा प्राप्त की। इसके अलावा ऋण राशि का दुरुपयोग और दूसरी जगह इस्तेमाल करने के साथ खातों को एवरग्रीनिंग (नए ऋण से पुराने ऋण को नियमित दिखाना) के जरिए बैंक को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई ने यह तलाशी विशेष सीबीआई न्यायाधीश, भुवनेश्वर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर शनिवार को की।

'वंदेमातरम' को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक आज राज्यसभा में होगा पेश

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृहमंत्री सोमवार को राज्यसभा में राष्ट्रगीत 'वंदेमातरम' को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक पेश करेंगे। इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान तथा राष्ट्रगान में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा। राज्यसभा की कल की कार्यसूची में इसकी जानकारी दी गई है। विधेयक 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 को संशोधित करेगा। यह विधेयक राष्ट्रगीत वंदेमातरम को भी राष्ट्रगान की ही तरह सम्मान देने के उद्देश्य से लाया जायेगा। अपमान करने वाले को तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसमें गायन से जुड़ी अनिवार्यता के भी प्रावधान हैं। दूसरी ओर लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल उच्चतम न्यायालय में जजों की संख्या बढ़ाए जाने से जुड़े विधेयक को पेश करेंगे। इसका उद्देश्य देश की शीर्ष अदालत में जजों की संख्या को 33 से 37 करना है। संसद का मानसून सत्र कल से आरंभ होने जा रहा है। सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मीडिया के समक्ष सभी दलों से कार्यवाही को सुचारू चलाने की अपील करते हुए अपना वक्तव्य देंगे। मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में 'फादर अमीर' के नाम से जाने जाने वाले कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी को श्रद्धाजली दी जाएगी। लोकसभा की कार्यसूची के अनुसार छह पूर्व सदस्यों सहित उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

पीएम ने बायोलॉजी और केमिस्ट्री ओलंपियाड के भारतीय मेडल विजेताओं को दी बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लिथुआनिया के विल्नियस में आयोजित 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड और 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में पदक जीतने वाले भारतीय विद्यार्थियों को बधाई दी और उनकी उपलब्धि को देश के लिए गौरव का क्षण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि विल्नियस में आयोजित 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में भारतीय टीम के सभी चार सदस्यों ने पदक हासिल किए हैं, जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। उन्होंने भव्य गुनवाल, सौमिल माइती, निशित कलानी और अनमोल कुमार को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय विद्यार्थियों ने मॉलिक्यूलर बायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री, एनिमल फिजियोलॉजी, एनिमल मॉर्फोलॉजी और सिस्टमैटिक्स सहित प्लांट कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन विद्यार्थियों की सफलता देश के अन्य युवाओं को भी विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। वहीं, इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारतीय टीम की सफलता पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति वैश्विक मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। उन्होंने 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाले देबदत्ता प्रियदर्शी, हर्षित सिंघल, कबीर चिल्लर और संदीप कुची को बधाई दी।

ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध 'पिच ब्लैक' सोमवार से, भारत के वायु योद्धा शामिल होंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स बेस डार्विन में सोमवार से द्विवार्षिक बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास 'पिच ब्लैक' शुरू करेगी, जो 7 अगस्त तक चलेगा। इस अभ्यास का नाम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के विशाल निर्जन क्षेत्रों में रात्रि उड़ान विशेष अभियान के कारण रखा गया है। इसमें भारत, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूके और मेजबान ऑस्ट्रेलिया समेत 19 से अधिक सहयोगी देश शामिल होंगे। भारत की टुकड़ी मल्टीरोल लड़ाकू राफेल विमान का संचालन करेगी, जिसे सी-17 ग्लोबमास्टर-III और आईएल-78 वायु-से-वायु ईंधन भरने वाले विमानों का समर्थन प्राप्त होगा। भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विशेषज्ञ सहित उच्च कुशल वायु योद्धा शामिल होंगे। यह अभ्यास भाग लेने वाली सेनाओं को अंतरसंचालनीयता बढ़ाने, बल एकीकरण को मजबूत करने और वैश्विक परिदृश्यों में सहयोगात्मक संचालन की दिशा में परिचालन सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने करेगा। यह अभ्यास 'पिच ब्लैक' लंबी दूरी पर अभियान संबंधी हवाई अभियानों को परखने, बहुराष्ट्रीय अंतर-संचालनीयता को बढ़ाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पेशेवर साझेदारियों को मजबूत करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा। यह अभ्यास विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी, समन्वय और जटिल हवाई युद्ध परिदृश्यों में युद्धाभ्यास का प्रशिक्षण देना है। इस अभ्यास का नाम 'पिच ब्लैक' (पूर्ण अंधेरा) इसलिए रखा गया है, क्योंकि इसका मुख्य फोकस रात के समय उड़ान भरने और अंधेरे में आक्रामक व रक्षात्मक अभियानों के अभ्यास पर होता है। यह अभ्यास भाग लेने वाली वायु सेनाओं को एक वास्तविक और चुनौतीपूर्ण बहुराष्ट्रीय वातावरण में संचालन करने में सक्षम बनाएगा, जिससे परिचालन समन्वय और आपसी समझ को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय वायु सेना ने इससे पहले 2018, 2022 और 2024 में इस अभ्यास में भाग लिया है, जो रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

भारत की टुकड़ी मल्टीरोल लड़ाकू राफेल विमान के साथ हवा में ईंधन भरने का प्रदर्शन करेगी

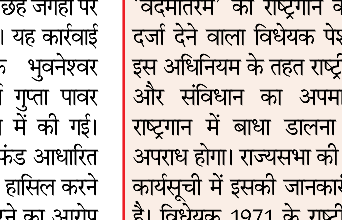

खाड़ी देशों के साथ तेल के बदले सैनिक समझौते की तैयारी

इस्लामाबाद। गंभीर आर्थिक तंगहाली और कंगाली के दौर से गुजर रहा पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अब एक अनोखी और रणनीतिक योजना पर काम कर रहा है। वैश्विक स्तर पर अपनी घटती साख और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के बीच पाकिस्तान ने खाड़ी देशों को सैन्य सेवाएं और रक्षा सहयोग देने का मन बनाया है। इस रणनीति के तहत पाकिस्तान और कुवैत के बीच एक बड़े रक्षा समझौते को लेकर शुरुआती बातचीत चल रही है, जिसके तहत कुवैत पर किसी भी बाहरी हमले की स्थिति में पाकिस्तान उसके समर्थन में खड़ा होगा। इसके एवज में पाकिस्तान को कुवैत से भारी मात्रा में तेल, गैस और बड़े आर्थिक निवेश की उम्मीद है। इस पूरी कूटनीतिक रणनीति को रक्षा विशेषज्ञों द्वारा 'बैरल फॉर बूट्स' यानी 'तेल के बदले सैनिक' मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। कुवैत इस समझौते के माध्यम से पाकिस्तान से उसी प्रकार का रक्षा सहयोग चाहता है, जैसा पिछले वर्ष सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ था। सूत्रों के अनुसार, कुवैत की इच्छा है कि उसे पाकिस्तान से हजारों सैनिक, लड़ाकू विमान, ड्रोन, आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा सुविधाएं प्राप्त हों।

ओएनजीसी ने 14 हजार फीट की ऊंचाई पर तैयार किए दो जियोथर्मल कुएं

लेह। लद्दाख के पुगा वैली क्षेत्र में भारत की पहली जियोथर्मल ऊर्जा परियोजना ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) एनर्जी सेंटर ने समुद्र तल से करीब 14 हजार फीट की ऊंचाई पर एक-एक हजार मीटर गहरे दो जियोथर्मल कुओं का सफल निर्माण किया है। इस परियोजना के तहत धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक ताप का उपयोग कर बिजली पैदा की जाएगी। शुरुआती चरण में एक मेगावाट क्षमता का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसे भविष्य में व्यावसायिक स्तर पर विस्तारित करने की योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा अभियान और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए कहा कि पुगा वैली की यह उपलब्धि देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और लद्दाख को कार्बन न्यूट्रल क्षेत्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि जियोथर्मल ऊर्जा का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र के सतत विकास को भी मजबूती देगा। जियोथर्मल ऊर्जा धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक गर्मी से प्राप्त की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

पटना हाई स्कूल के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए पूर्व सीएम नीतीश कुमार

पटना। रविवार को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना के गर्दनीबाग स्थित शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (पटना हाई स्कूल) के स्थापना दिवस सह वार्षिक पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर विद्यालय की स्मारिका का विमोचन किया। उक्त अवसर पर नीतीश कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी एवं विद्यालय के गौरव शहीद राजेन्द्र प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने विद्यालय की गौरवशाली परंपरा और देश-समाज के निर्माण में पूर्ववर्ती छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक संस्थान केवल शिक्षा के केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा के भी प्रमुख स्रोत हैं। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह गांधीजी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पूर्ववर्ती छात्र, शिक्षाविद् एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की ऐतिहासिक विरासत, शिक्षा के क्षेत्र में उसके योगदान तथा पूर्ववर्ती छात्रों की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पूर्ववर्ती छात्र संघ द्वारा विद्यालय के विकास एवं गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के संकल्प को भी दोहराया गया।

अपराध के फर्जी आंकड़ों की खुली पोल, पुलिस मुख्यालय के आधिकारिक आंकड़ों ने बताई हकीकत : जदयू

पटना। प्रदेश प्रवक्ता चंदन कुमार सिंह एवं जदयू प्रदेश प्रवक्ता पूजा पैट्रिक ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि बिहार में अपराध को लेकर फर्जी एवं भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत कर जनता को गुमराह करने का विपक्ष का प्रयास पूरी तरह विफल हो गया है। चंदन कुमार सिंह ने कहा कि विपक्ष कुछ चुनिंदा घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है कि राज्य में अपराध लगातार बढ़ रहा है, जबकि आधिकारिक आंकड़े इसके बिल्कुल विपरीत तस्वीर पेश करते हैं। उन्होंने पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में पिछले कुछ वर्षों के दौरान हत्या के मामलों में लगातार कमी दर्ज की गई है। ऐसे में यह दावा करना कि बिहार में हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं, पूरी तरह तथ्यहीन और जनता को भ्रमित करने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के उपलब्ध आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि वर्ष 2023, 2024 और 2025 में हत्या के मामलों में निरंतर गिरावट आई है। पूजा पैट्रिक बताया कि वर्ष 2003, 2004 और 2005 में बिहार में प्रतिवर्ष हत्या के मामलों की संख्या 3,000 से अधिक हुआ करती थी। इसके मुकाबले वर्ष 2023 में 2,863 वर्ष 2024 में 2,786 तथा वर्ष 2025 में 2,554 हत्या के मामले दर्ज किए गए। वहीं वर्ष 2026 में मई तक 988 हत्या के मामले दर्ज हुए हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुमान के अनुसार वर्ष 2026 के अंत तक हत्या के मामलों की संख्या लगभग 2,370 रहने की संभावना है, जो पिछले वर्षों की तुलना में और कम होगी।

551 मॉडल स्कूलों की शुरूआत से साकार होगा उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य का संकल्प : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि राज्य के सभी 38 जिलों के प्रत्येक प्रखंड में मॉडल स्कूलों की शुरूआत शिक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शी, ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने 7 निश्चय-3 के चौथे संकल्प उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य के माध्यम से जो विजन प्रस्तुत किया है, उसे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार प्रभावी रूप से धरातल पर उतार रही है। श्री कुशवाहा ने कहा कि इन मॉडल स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, समृद्ध पुस्तकालय, अत्याधुनिक विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ तथा खेलकूद की उन्नत सुविधाएँ विकसित की गई हैं। साथ ही अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों तथा विषय विशेषज्ञों के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इससे मेडिकल, इंजीनियरिंग, ओलंपियाड तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक तैयारी के लिए छात्रों को मजबूत आधार मिलेगा।

लोकतंत्र में संवाद सबसे प्रभावी समाधान, कानून का सम्मान भी उतना ही आवश्यक : संतोष सुमन

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन के संदर्भ में कहा कि भारत एक सशक्त लोकतंत्र है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को संविधान के दायरे में अपनी बात रखने का अधिकार है। किसी भी मतभेद का सबसे प्रभावी समाधान संवाद के माध्यम से ही निकलता है। इसलिए संयम, धैर्य और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. सुमन ने कहा कि केंद्र सरकार ने सदैव संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास किया है। यदि किसी विषय पर मतभेद हैं, तो उनका समाधान बातचीत और संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से ही होना चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रत्येक आंदोलन कानून के दायरे में रहे और ऐसा कोई कदम न उठाया जाए जिससे जनजीवन, शांति व्यवस्था या राष्ट्रीय हित प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि देश आज विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में टकराव के बजाय संवाद का मार्ग अपनाना चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति विरोध में नहीं, बल्कि सहमति और समाधान खोजने की क्षमता में निहित है। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) का मानना है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हर संवेदनशील विषय का समाधान संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए।

फूल नही चिंगारी है ये भारत की नारी है - प्रेम कुमार

पटना।प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से समुदाय में सर्वश्रेष्ठ योगदान करने वाले स्वयंसेवको को सम्मानित किया गया । मौके पर उपस्थित फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है युवाओ का वल सभी समस्याओं का हल है । आज युवा हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान कर रहे है । हमारी बेटियां अंतरिक्ष से लेकर देश के सीमाओं पर मुस्तैदी से डटी है । खेल के मैदान हो या जंग की मैदान हर जगह अपनी प्रतिभा दिखा रही है लेकिन अफसोस इसका एक स्याह पहलू भी है कि दहेज हत्या , दुष्कर्म , महिला उत्पीड़न की घटनाओं में बढ़ोतरी चिंता का विषय है । सुवे में मानव तस्करी बढ़ गयी है इसको रोक थाम के लिए सबको आगे आने की जरूरत है । उन्होंने आगाह करते हुये कहा कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती नही बढ़ाये न ही किसी से मिलने जुलने सुनसान जगह पर जाये । किसी तरह के संदेह होने पर 112 पर कॉल करें । वही डॉ आभा ने स्वयंसेवको का हौसला अफजाई करते हुये कहा कि हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समुदाय को मदद करना ही चाहिए । सेवा से बड़ा कोई धर्म नही है । मौके पर वैष्णवी,श्रेया,सुप्रिया,मधु,वर्षा, रिदिमा मौजूद रही ।

मेडिकल के क्षेत्र में कॉपरेटिव व्यवस्था विकसित हो : प्रोफेसर रणवीर नंदन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष पूर्व विधान परिषद प्रोफेसर रणवीर नंदन ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में कॉपरेटिव की व्यवस्था विकसित होनी चाहिए ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था सुलभ हो सके। इसके अंतर्गत जो समाज के समर्थवान लोग हैं वह मेडिकल उपकरण व दवा की व्यवस्था करें और शहर से सप्ताह में एक दिन विशेषज्ञ चिकित्सक अपना समय गांव में दें। प्रोफेसर रणवीर नंदन रविवार को होटल मौर्य में एजुकेशन वाइब्स की ओर से आयोजित मेडिकल एजुकेशन इन एब्रॉड विषय पर सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। प्रोफेसर नंदन ने कहा कि पटना पूर्वी भारत का सबसे बड़ा शिक्षा का केंद्र है यहां के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में हाइली मोटिवेटिव होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में आबादी के अनुरूप चिकित्सकों की संख्या कम है इसी को देखते हुए एजुकेशन वाइब्स भारत के बच्चों को मेडिकल के क्षेत्र में सफल बनाने का काम कर रहा है। जिससे भारत में मरीज की संख्या पर डॉक्टर का अनुपात बढ़ेगा और भारत में डाक्टरों की कमी दूर होगी। प्रोफेसर नंदन ने कहा कि भारत में मरीजों का इलाज सस्ता होता है। उन्होंने कहा कि एजुकेशन वाइब्स के पास यह डाटा होना चाहिए कि उनके द्वारा भारत से कितने बच्चे विदेश पढ़ने के लिए गए और कितने को भारत में नौकरी मिली। उन्होंने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए इच्छुक छात्रों के बीच एजुकेशन वाइब्स बेहतर शिक्षा प्राप्त कर भारत में सेवा का अवसर बढ़ा रहा है। इस मौके पर जॉर्जिया से आए वॉइस रैक्टर एवं लाइफ साइंस के प्राध्यापक डॉ जुराब ने उपस्थित बच्चों को विदेश में पढ़कर कैसे आप अपना बेहतर भविष्य बना सकते हैं इस विषय पर प्रकाश डाला। इस मौके पर एजुकेशन वाइब्स के निदेशक सिद्धार्थ सिन्हा ने बताया कि उनका इस सेमिनार के माध्यम से प्रयास है कि कैसे भारत खासकर बिहार के बच्चे अपने आमदनी के अनुसार मेडिकल के क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य बना सकें। इसके लिए उनकी संस्था भारत में और भारत के बाहर मेडिकल की शिक्षा प्रदान करने का अवसर देती है। सिद्धार्थ ने भारत के विभिन्न राज्यों और भारत के बाहर लग रहे मेडिकल ट्यूशन फी और अन्य खर्चो के बारे में बताया। उन्होंने बताया की भारत में मेडिकल की सीटें जब भर जाती है तब कुछ मेधावी बच्चे का नामांकन नहीं हो पाता है एजुकेशन वाइब्स उन बच्चों को विदेशों में नामांकन कराकर उन्हें भारत में सेवा करने का अवसर प्रदान करती है। तांकि वे अपना बेहतर भविष्य बना सकते हैं। इस मौके पर जदयू नेता श्याम पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बिहार की लेखनी को राष्ट्रीय पहचान, अलका मिश्रा को मिला 'Iconic Author of Bihar Award 2026'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।शब्द जब समाज को दिशा देने लगें, तब साहित्य अपनी सबसे बड़ी भूमिका निभाता है। इसी विश्वास के साथ लेखन कर रहीं बिहार की लेखिका अलका मिश्रा (मिंकी) को उनके साहित्यिक योगदान के लिए 'Iconic Author of Bihar Award 2026' से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया।अलका मिश्रा अपने लेखन में सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदनाएं और जीवन के व्यावहारिक पक्षों को प्रमुखता देती हैं। उनके अनुसार साहित्य केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने का प्रभावी साधन भी है। सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए नई जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी उनका लेखन समाज और पाठकों के लिए उपयोगी साबित होगा। यह सम्मान बिहार की साहित्यिक प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

असहाय गौ माता का सहयोग करना सभी सनातनी का परम कर्तव्य : नन्दकिशोर

नई सोच एक्सप्रेस

» श्री गोपी कृष्ण गोआश्रम में तृतीय वर्षगांठ सह गोसेवक सम्मान समारोह सम्पन्न

पटना।नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने कहा कि बूढ़ी असहाय गौ माता का मदद करना उन्हें खाना देना हम सनातनी का परम कर्तव्य है। वे रविवार, को श्री गोपी कृष्ण गोआश्रम, पटना में तृतीय वर्षगांठ सह गोसेवक सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। तथा समाज में गोसेवा एवं गोसंरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लगभग 40 गोसेवकों को सम्मानित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इसके उपरांत नागालैंड के राज्यपाल, कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता , विजय किशोरपुरिया तथा विशिष्ट अतिथि रमेश गुप्ता ने गोशाला का भ्रमण किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इसके बाद शंखध्वनि एवं मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलन कर समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। गोसेवक गोपाल मोदी ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि गौ माता हमारी संस्कृति का प्रतीक है और उनको सम्मान और देना हमारे जीवन का अंग होना चाहिए। इसके पश्चात मुख्य अतिथि, उद्घाटनकर्ता एवं विशिष्ट अतिथि का गोसेवकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रमेश गुप्ता तथा उद्घाटनकर्ता विजय किशोरपुरिया ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।समारोह का मुख्य आकर्षण गोसेवकों का सम्मान रहा, जिसमें गोसेवा, गोसंरक्षण, जनजागरण, सामाजिक सहयोग, आर्थिक योगदान एवं श्रमदान के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजसेवी एम पी जैन , महावीर अग्रवाल, रमेश रतेरिया, अनिल रिटोलिया, संतोष प्रभाकर शिंदे सहित लगभग 40 गोसेवकों को राज्यपाल के कर-कमलों से सम्मानित किया गया। मंच संचालन कार्यक्रम के अंत में डॉ. गीता जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। पुनः राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के साथ औपचारिक समारोह का समापन हुआ। इसके उपरांत माननीय राज्यपाल गोसेवा प्रदर्शनी का उद्घाटन किये।आयोजकों ने सभी गोभक्तों, समाजसेवियों एवं नागरिकों से समय पर उपस्थित होकर इस गरिमामय समारोह को सफल बनाने पर सभी को धन्यवाद किया।

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार बोले— ग्रामीण बच्चों को मिलेगी शहरों जैसी शिक्षा

नई सोच एक्सप्रेस

बिहारशरीफ।नालंदा जिले के बेन प्रखंड अंतर्गत गुरुशरणपुर गांव में ग्रामीण विकास व सुचना एवं जनसम्पर्क मंत्री श्रवण कुमार ने सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल (आदर्श विद्यालय) का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, अभिभावक, विद्यालय परिवार एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव होती है। मॉडल स्कूल की स्थापना से क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों, बेहतर शैक्षणिक वातावरण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरों की तरह उत्कृष्ट शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रतिभा संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए। मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है विद्यालयों में आधारभूत संरचना के विकास, स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल शिक्षण, प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता तथा आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे और वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर राज्य एवं देश का नाम रोशन करे। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने तथा आधुनिक तकनीक का सकारात्मक उपयोग करने की अपील की। साथ ही अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया। मॉडल विद्यालय के उद्घाटन के बाद छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने विद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं, बेहतर कक्षाओं और शैक्षणिक माहौल को लेकर खुशी व्यक्त की। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इस मौके पर....

युवा जदयू बिहार के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीतीश पटेल के लगातार तीसरी बार मनोनीत पर पुनपुन में भव्य अभिनंदन समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन।युवा जनता दल (यूनाइटेड) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष के पद पर डॉ. नीतीश पटेल के लगातार तीसरी बार मनोनित होने पर कार्यकर्ताओं ने बैंक्वेट हॉल, पुनपुन में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान जदयू कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उन्हें अंग वस्त्र, बुके और फूल-मालाएं पहनाकर गर्मजोशी से सम्मानित किया।इस अवसर पर मंच पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि डॉ. पटेल का तीसरी बार प्रदेश अध्यक्ष बनना युवाओं के प्रति उनके समर्पण और पार्टी के प्रति निष्ठा का प्रमाण है। उनके नेतृत्व में बिहार में युवा जदयू संगठन को और मजबूती मिलेगी।इस भव्य सम्मान समारोह में उपस्थित गणमान्य कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ उनका स्वागत किया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।नीतीश पटेल का युवा कार्यकर्ताओं के बीच का संबोधन में कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय संगठन को और अधिक सशक्त, युवा-उन्मुख और गतिशील बनाएगा।इस अवसर पर जद यू पार्टी के सर्वमान्य नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री नीतीश कुमार , जदयू राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजय कुमार झा,जदयू के प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा तथा पार्टी के वरिष्ठ व मार्गदर्शक नेतागण श्री निशांत कुमार , श्याम रजक , अरुण मांझी , नीरज शर्मा और रविन्द्र सिंह के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और सादर सम्मान प्रकट किए ।आप सभी का यह असीम स्नेह और अपार समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। युवा जनता दल (यू) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझ पर लगातार तीसरी बार जो विश्वास जताया गया है, वह केवल मेरा सम्मान नहीं, बल्कि आप सभी के संघर्ष और समर्पण की जीत है।साथियों, हमारी पार्टी की विचारधारा हमेशा से 'न्याय के साथ विकास' और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की रही है। आज बिहार जिस तेज गति से आगे बढ़ रहा है, उसमें हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के दूरदर्शी विजन का बहुत बड़ा योगदान है। उनके कुशल नेतृत्व ने बिहार की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी है। अब समय आ गया है कि हम इस विकास की गाथा को घर-घर तक पहुंचाएं।मैं आप सभी से आह्वान करता हूँ कि हम एक नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ें। हमारी प्राथमिकता बिहार के युवाओं को रोजगार, शिक्षा और स्वावलंबन के नए अवसरों से जोड़ना है। आप सभी पार्टी की रीढ़ हैं और आपकी मेहनत ही हमारी ताकत है। आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि आगामी चुनावों में पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे और बिहार के नवनिर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाएंगे।आप सभी का प्यार और विश्वास ही मेरा हौसला है। आइए, मिलकर एक सशक्त और विकसित बिहार का निर्माण करें।इस समारोह में विधायक श्याम रजक, एलएलसी नीरज शर्मा, पटना जिला ग्रामीण अध्यक्ष अशोक सिंह,जदयू नेता अरुण सिंह,प्रमुख प्रतिनिधि शैलेश पटेल,रणजीत पटेल, मंटू कुमार (पूर्व जदयू प्रखंड अध्यक्ष) ओम सिंह, मनीष कुमार, नवीन साहनी, निखिल कुमार, रंजन कुमार, पप्पू कुमार,शंकर कुमार सहित सैकड़ों कार्यकताओं उपस्थित रहें।

सीबीआई जांच की मांग को लेकर 22 जुलाई को दानापुर में होगा अनशन व प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। नगर स्थित गोला रोड में बंटी यादव हत्याकांड की सीबीआई जांच के सम्बन्ध में आगामी 22 जुलाई के प्रस्तावित एक दिवसीय अनशन की तैयारी को लेकर रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि पप्पू यादव को संयोजक की जिम्मेदारी को सर्वसम्मति से तय गया l बैठक की अध्यक्षता PT पीटी गजेन्द्र कुमार ने करते हुए कहा कि जातिभेद एवं धर्म को भूलकर सर्वसामान्य को आगे आने की आवश्यकता है, जिससे सरकारी लोकतांत्रिक प्रणाली पर सामाजिक दबाब बनाया जा सकेगा। अन्यथा सरकारी तानाशाही को आगे नहीं रोका जा सकेगा। इस बैठक में प्रमुख रूप से जितेन्द्र राम, सनोज कुमार राय, अधिवक्ता, नर्मदेश्वर प्रसाद, संजय कुमार, संदीप महतो, विकास कुमार, धीरज कुमार आदि उपस्थित थे।

रुकनपुरा मेट्रो स्टेशन पर काम में तेजी,अंडरग्राउंड साइट पर ग्रिड 15-16 हो रहा मजबूत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना मेट्रो के मलाही पकड़ी स्टेशन तक शुरू होने के बाद अब आगे के स्टेशन के कामों में तेजी लाई जा रही है। रुकनपुरा के अंडरग्राउंड साइट पर ग्रिड 15 और 16 के बीच गाइड वॉल को मजबूत करने का काम तेजी से चल रहा है। वहीं, पास में स्थित विकास भवन स्टेशन पर गाइड वॉल की कंक्रीटिंग की जा रही है, ताकि स्टेशन की संरचना और एलाइनमेंट को मजबूत किया जा सके। दूसरी ओर, एलिवेटेड सेक्शन में प्री- इंजीनियर बिल्डिंग (ढएइ) रूफ के पर्लिन लगाने का काम जारी है। दूसरी ओर बेली रोड पर नवंबर से मेट्रो टनल की खुदाई होगी। इसके लिए अभी चिड़ियाघर के पास लॉन्चिंग शॉफ्ट बन रहा है, जिसका काम अगले तीन महीने में पूरा होगा। इसके बाद यहीं से जमीन के भीतर टनल बोरिंग मशीन को उतारा जाएगा। खुदाई का काम दो चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में चिड़ियाघर के पास से दो टीबीएम पश्चिम की तरफ बढ़ेंगी, जो राजा बाजार और रुकनपुरा तक टनल का निर्माण करेंगी। दूसरे चरण में चिड़ियाघर से ही दो अन्य टीबीएम पूरब की दिशा में चलेंगी, जो विकास भवन और विद्युत भवन तक टनल की खुदाई करेंगी। कॉरिडोर-1 के तहत मीठापुर से पाटलिपुत्र जंक्शन तक 10.54 किमी लंबी अंडरग्राउंड टनल बनेगी। अधिकारियों के मुताबिक, मीठापुर में मेट्रो का एलिवेटेड स्टेशन बनेगा। यहां से एक रैंप बनाकर लाइन को अंडरग्राउंड किया जाएगा, जो आगे चलकर रेलवे लाइन को पार करते हुए पटना जंक्शन पहुंचेगी। पटना जंक्शन से यह बेली रोड स्थित विद्युत भवन, विकास भवन, चिड़ियाघर, राजाबाजार और रुकनपुरा तक जाएगी। रुकनपुरा से आगे फिर एक रैंप बनाकर इसे पाटलिपुत्र एलिवेटेड स्टेशन से जोड़ दिया जाएगा। बेली रोड पर पांच अंडरग्राउंड स्टेशन बनेंगे। इनमें विद्युत भवन, विकास भवन, पटना जू, राजा बाजार और रुकनपुरा है। जमीन के अंदर लगभग 16 मीटर गहरा गड्ढा होगा। निर्माण के दौरान बेली रोड की एक ही लेन से दोनों ओर की निजी गाड़ियां गुजरेंगी। दोनों ओर की गाड़ियों को वाहनों को 15 मीटर का ही रास्ता मिलेगा। व्यावसायिक गाड़ियां डायवर्ट होंगी। बेली रोड पश्चिमी पटना और मध्य पटना को जोड़ने वाली सबसे प्रमुख सड़क है। पीक ऑवर्स के दौरान इस पर प्रति घंटे 12-13 हजार पैसेंजर कार यूनिट का भारी दबाव रहता है। इस ट्रैफिक के लिए सामान्य दिनों में छह लेन की सड़क भी छोटी पड़ जाती है। अब इसके आधे में ही गाड़ियां चलेंगी।

एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में जनसंपर्क करेगा वैश्य समाज : ललन शर्राफ

नई सोच एक्सप्रेस

» एनडीए प्रत्याशी को रिकॉर्ड बहुमत से वजयी बनाने के लिए पटना महानगर केसरवानी वैश्य सभा ने किया आमसभा

पटना।पटना महानगर के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में निवासरत केसरवानी समाज के समस्त सम्मानित मतदाताओं की उपस्थिति में रविवार को एक विशाल आमसभा का आयोजन किया गया। सभा का मुख्य उद्देश्य आगामी बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एन डी ए के प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा को रिकॉर्ड बहुमत से विजयी बनाने हेतु जन-जन तक संपर्क कर जनसमर्थन जुटाना था। आमसभा में मुख्य अतिथि बिहार विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन सर्राफ ने सभा को संबोधित करते कहा कि क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने वाले प्रत्याशी ही इस बार क्षेत्र की असली जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने के लिए वैश्य समाज के लोग आमजनता में जनसपर्क अभियान चलाएंगे। प्रदेश कार्यालय मंत्री भाजपा सह संरक्षक पटना महानगर केसरवानी वैश्य सभा विनय केसरी के नेतृत्व में एवं अध्यक्ष सूरज प्रकाश केसरी की अध्यक्षता में असभा में उपस्थित विधयक दीघा संजीव चौरसिया, विधायक कुम्हरार संजय गुप्ता विधायक कुम्हरार, अध्यक्ष बिहार वैश्य महासभा सह सदस्य बिहार धार्मिक न्यास पर्षद एडवोकेट डॉ आनंद कुमार, डॉ अमित केसरी ने भी सभा को संबोधन में एकजुट होकर एन डी ए प्रत्याशी नीरज सिन्हा जी को रिकॉर्ड बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। बांकीपुर विधानसभा के समस्त केसरवानी मतदाताओं ने भारतवर्ष के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी जी एवं एन डी ए सरकार में अपनी पूर्ण आस्था जताते हुए पिछले वर्षों में किए गए कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर भरोसा जताते हुए एकजुट होकर समर्थन देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पटना महानगर केसरवानी वैश्यसभा के समस्त पदाधिकारी एवं केसरवानी समाज के गणमान्य बंधुओं माताओं एवं बहनों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

बालू लदे पांच ओवरलोड ट्रैक्टरों किया गया जब्त, वसुला गया जुर्माना

दानापुर। खनन विभाग एवं शाहपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए दाउदपुर पेट्रोल पंप के पास छापेमारी कर बालू लदे पांच ओवरलोड ट्रैक्टरों को जब्त किया है। हालांकि कार्रवाई के दौरान चालक एवं अन्य धंधेबाज मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार बालू माफिया द्वारा गंगा घाटों से अवैध रूप से बालू का खनन कर उसकी ढुलाई की जा रही थी। इसकी सूचना मिलने के बाद खनन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पांच ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि बालू लदे पांच ट्रैक्टरों को जब्त किया गया। सभी ट्रैक्टर मालिकों पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया गया है।

जदयू का प्रदेश महासचिव नियुक्त होने पर बिनोद सिंह का अभिनंदन समारोह

दानापुर। बिनोद कुमार सिंह को जनता दल यूनाइटेड का प्रदेश महासचिव नियुक्त किए जाने पर दानापुर विधानसभा के आई० एस० कोलनी (बेली रोड) में रघुलाल सिंह के नेतृत्व में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। वहां मौजूद लोगों ने विनोद कुमार सिंह को माला पहनकर स्वागत किया। इस मौके पर सभी साथियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए अपनी बातों को रखा। इस अवसर पर दानापुर प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार, राजेश कुशवाहा, बुद्धदेव शुक्ला, बाबु साहब, मनिष कुमार सोनू कुमार, नीरज कुमार, रावे शंकर कुमार, आशीत कुमार, उमेश सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे एवं अपनी शुभकामना व्यक्त की।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 5 प्रतिशत बढ़कर 19,060 करोड़ रुपये हुआ

पटना। एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी है।तिमाही के दौरान बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 6.7 प्रतिशत बढ़कर 33,530 करोड़ रुपये रही, जबकि टैक्स के बाद शुद्ध लाभ 5 प्रतिशत बढ़कर 19,060 करोड़ रुपये हो गया। समायोजित आधार पर शुद्ध लाभ में लगभग 9.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 30 जून 2026 तक बैंक का कुल बैलेंस शीट आकार बढ़कर 43.98 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। कुल जमा 14.7 प्रतिशत बढ़कर 31.71 लाख करोड़ रुपये और कुल अग्रिम 15.4 प्रतिशत बढ़कर 30.61 लाख करोड़ रुपये हो गए। बैंक की एसेट क्वालिटी मजबूत बनी रही। 30 जून 2026 तक ग्रॉस एनपीए 1.17 प्रतिशत और नेट एनपीए 0.41 प्रतिशत रहा। वहीं, कैपिटल एडिक्वेसी रेश्यो 19.6 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो नियामकीय आवश्यकता से काफी अधिक है। 30 जून 2026 तक एचडीएफसी बैंक का नेटवर्क 4,175 शहरों और कस्बों में 9,694 शाखाओं तथा 20,958 एटीएम तक पहुंच गया है। बैंक के प्रमुख सहयोगी उपक्रमों एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी एर्गो, एचडीएफसी एएमसी और एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी तिमाही के दौरान लाभ में वृद्धि दर्ज की।

उद्योगपति सुखदेव जांगिड़ ने जोधपुर को समर्पित किया 25 बेड का अत्याधुनिक वार्ड

पटना। कैप्सटैक ग्रुप ऑफ लंदन के सीईओ एवं समाजसेवी सुखदेव जांगिड़ ने मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर में अत्याधुनिक जीवन रक्षक उपकरणों से युक्त 25 बेड के वार्ड का लोकार्पण किया। इससे पहले 12 जुलाई 2026 को बाड़मेर में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में उन्होंने शिक्षा के लिए एक करोड़ रुपये की राशि समर्पित की थी। इस अवसर पर सुखदेव जांगिड़ ने कहा कि स्वस्थ और शिक्षित समाज ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है तथा सक्षम लोगों का कर्तव्य है कि वे समाज निर्माण में अपना योगदान दें। भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने कहा कि सुखदेव जांगिड़ ने विदेश में सफलता हासिल करने के बाद भी अपनी जड़ों को नहीं भुलाया। उनका यह योगदान पूरे विश्वकर्मा समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि बिहार के विश्वकर्मा समाज को भी ऐसे समाजसेवियों के सहयोग की आवश्यकता है और महासंघ उनकी तरह समाजसेवियों को बिहार में सहयोग के लिए आमंत्रित करता है। महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव दिवाकर शर्मा ने कहा कि सुखदेव जांगिड़ की यह पहल समाज सेवा की भावना को मजबूत करती है और भारतीय विश्वकर्मा महासंघ शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक एकता के क्षेत्र में ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाता रहेगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश जांगिड़ ने कहा कि सुखदेव जांगिड़ का योगदान सभी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि कहीं भी हो, मातृभूमि की सेवा सर्वोपरि है और उनकी यह पहल युवाओं को समाज सेवा तथा राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करेगी।

अस्पताल में मोबाइल नहीं तो इलाज नहीं?

सांसद, विधायक, मंत्री, पत्रकार को जरूरत नहीं

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में कथित रूप से मोबाइल नंबर नहीं होने पर मरीजों को वापस भेजे जाने की शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी गरीब, बुजुर्ग, मजदूर या असहाय व्यक्ति को केवल इसलिए इलाज से वंचित किया जाता है कि उसके पास मोबाइल फोन नहीं है, तो यह मानवीय संवेदनाओं और स्वास्थ्य सेवा के उद्देश्य के विपरीत है। उन्होंने कहा कि देश में कुछ संस्थान ऐसे हैं जहाँ किसी भी व्यक्ति को मूलभूत सेवा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। थाना, डाकघर और अस्पताल ऐसी सार्वजनिक संस्थाएं हैं, जहाँ नागरिकों की आवश्यकता सर्वोपरि होनी चाहिए। अस्पताल का पहला दायित्व मरीज का उपचार है, न कि तकनीकी औपचारिकताओं के कारण उसे वापस भेजना। डॉ. पटेल ने बताया कि इस संबंध में पटना के सिविल सर्जन डॉ. योगेंद्र प्रसाद मंडल ने स्पष्ट किया है कि केवल मोबाइल नंबर नहीं होने के आधार पर किसी भी मरीज को लौटाया नहीं जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल नंबर डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड तैयार करने और भविष्य में मरीज को उसका रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया जाता है, इलाज रोकने के लिए नहीं। डॉ. पटेल ने कहा कि यदि व्यवहार में कहीं ऐसा हो रहा है कि मोबाइल नंबर न होने के कारण मरीजों को वापस भेजा जा रहा है, तो इसकी जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार कर्मियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि स्वास्थ्य विभाग सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को स्पष्ट निर्देश जारी करे कि कोई भी मरीज केवल मोबाइल नंबर के अभाव में उपचार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था सुविधा का माध्यम हो सकती है, लेकिन मानवता का विकल्प नहीं। सरकारी अस्पतालों का दरवाजा हर मरीज के लिए खुला होना चाहिए, चाहे उसके पास स्मार्टफोन हो, साधारण मोबाइल हो या कोई मोबाइल न हो। गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक उपचार मिलना ही एक संवेदनशील और जवाबदेह शासन की पहचान है।

राजपूत करनी सेना ने किया संगठन विस्तार व सम्मान समारोह

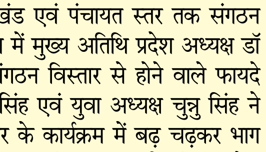

पटना। श्री राष्ट्रीय राजपूत करनी सेना का संगठन विस्तार व सम्मान सारोह का आयोजन राजधानी के कुरथौल में किया गया। इस कार्यक्रम में संगठन का विस्तार करने के लिए जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक संगठन को ले जाने का निर्णय हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष डॉ विक्रम सिंह ने उपस्थित लोगों को संगठन विस्तार से होने वाले फायदे को बताया। प्रधान महासचिव उपेन्द्र सिंह एवं युवा अध्यक्ष चुन्नु सिंह ने आश्वस्थ किया कि वे संगठन विस्तार के कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश युवा के प्रधान महासचिव आनंदजीत सिंह, प्रदेश कार्यालय प्रभारी अरुण सिंह, राजकुमार सिंह, अरुण सिंह बक्सर, रजनीश सिंह भागलपुर,अनिरूद्ध सिंह, राजन सिग्रीवाल, संजय सिंह, राधाकृष्ण सिंह, महिला प्रदेश अध्यक्ष रेणु सिंह,जर्नादन सिंह, पवन सिंह,सत्यजीत सिंह,गुडडू सिंह एवं दिलीप सिंह पटना जिला अध्यक्ष मौजूद थे।

रोटरी क्लब ऑफ पटना में टीम जोश 2026–27 का पदस्थापन सम्पन्न,84 वर्ष 84 सेवा परियोजनाओं का संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना के 84वें पदस्थापन समारोह का भव्य आयोजन रविवार को सम्पन्न हुआ। समारोह में रोटेरियन डॉ. रवि कुमार सिन्हा ने वर्ष 2026–27 के लिए क्लब के अध्यक्ष तथा रोटेरियन डॉ. दयानिधि कुमार ने सचिव के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी "टीम जोश 2026–27" का विधिवत पदस्थापन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. हेमंत कुमार, विशिष्ट अतिथि रुबन हॉस्पिटल्स के संस्थापक डॉ. सत्यजीत कुमार सिंह, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग, आरआई प्रेसिडेंट्स रिप्रेजेंटेटिव रोटेरियन ओलायिंका हकीम बाबातोला, असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन डॉ. वी. पी. सिंह, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नरों, वरिष्ठ रोटेरियनों तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में वर्ष 2026–27 की नई कार्यकारिणी में रोटेरियन डॉ. रवि कुमार सिन्हा (अध्यक्ष), रोटेरियन डॉ. दयानिधि कुमार (सचिव), रोटेरियन सरिता प्रसाद (कोषाध्यक्ष) रोटेरियन रश्मि कुमारी (इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट), रोटेरियन अरिजीत मित्रा (प्रेसिडेंट-इलेक्ट), रोटेरियन डॉ. अनामिका नंदन (उपाध्यक्ष), रोटेरियन सैकत सेन गुप्ता (संयुक्त सचिव), निदेशक पीपी रोटेरियन रमेश चन्द्र, पीपी रोटेरियन अनुज राज, रोटेरियन अनुप कुमार पालित, रोटेरियन हिमांशु रंजन, रोटेरियन कविता नाथ एवं रोटेरियन शैलेन्द्र कुमार तथा सार्जेंट-एट-आर्म्स रोटेरियन डॉ. आर. के. पोद्दार एवं रोटेरियन डॉ. शिप्रा भारती ने पदभार ग्रहण किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. हेमंत कुमार ने रोटरी क्लब ऑफ पटना की 84 वर्षों की गौरवशाली सेवा यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी ने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने नई टीम से समाज के वंचित वर्गों के लिए और अधिक प्रभावी कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्यजीत कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी संस्था की सबसे बड़ी ताकत उसकी टीम होती है। उन्होंने टीमवर्क, नैतिक नेतृत्व और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर बल देते हुए कहा कि सेवा की भावना ही समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में रोटेरियन डॉ. रवि कुमार सिन्हा ने वर्ष 2026–27 की थीम "84 वर्ष–84 सेवा परियोजनाएं" की घोषणा करते हुए कहा कि क्लब इस वर्ष स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 84 जनकल्याणकारी परियोजनाओं का संचालन करेगा। क्लब के सचिव रोटेरियन डॉ. दयानिधि कुमार ने कहा कि "टीम जोश 2026–27" सेवा, पारदर्शिता, नवाचार और टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए समाज में स्थायी एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. रवि ने बताया कि क्लब अपनी प्रमुख परियोजनाओं सहेली सेंटर, एम्बुलेंस सेवा, ऑक्सीजन बैंक, डेंटल क्लिनिक, होम्योपैथी क्लिनिक, एक्यूप्रेशर क्लिनिक, छात्रवृत्ति योजना, हैप्पी स्कूल, विलेज वेल प्रोजेक्ट, वृक्षारोपण अभियान, अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम तथा व्हीलचेयर वितरण को और विस्तार देगा। इसके साथ ही सीपीआर प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जांच शिविर, इंटर-स्कूल क्विज प्रतियोगिता, छात्रवृत्ति वितरण एवं अन्य जनहित कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। समारोह का समापन रोटरी परंपरा के अनुसार धन्यवाद ज्ञापन, रोटरी टोस्ट, सामूहिक भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में रोटेरियनों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर गर्भ कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भगवान महावीर के प्रथम कल्याणक गर्भ कल्याणक महोत्सव का आयोजन आज श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ पटना के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मीठापुर, कमलदह सहित सभी दिगम्बर जैन मंदिर में संपन्न हुआ। यह जानकारी देते हुए अखिलभारतीय दिगम्बर जैन महासमिति के बिहार झारखंड के महामंत्री एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान महावीर के जीवन एवं उनके आदर्शों का स्मरण किया। मौके पर बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद मंत्री पराग जैन ने बताया कि मंदिरों में कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुआ। इसके पश्चात पूजन, भक्ति-आराधना, मंगलाचरण किया गया। मंदिरों में बताया गया कि गर्भ कल्याणक वह पावन अवसर है, जब तीर्थंकर भगवान महावीर की आत्मा माता त्रिशला के गर्भ में अवतरित हुई। यह घटना समस्त जीवों के कल्याण, अहिंसा, सत्य, करुणा एवं आत्मसंयम के दिव्य संदेश का प्रतीक है। जैन ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन आज भी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अहिंसा, अनेकांतवाद, अपरिग्रह, सत्य और आत्मानुशासन का जो मार्ग दिखाया, वह वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक है। समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों की स्थापना के लिए भगवान महावीर के सिद्धांतों का पालन आवश्यक है। अंत में विश्व शांति, मानव कल्याण एवं सर्वमंगल की प्रार्थना के साथ आरती संपन्न हुई। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, धर्मप्रेमी, महिला मंडल, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

वेद क्लाउड किचन का भव्य शुभारंभ; किफायती दामों पर मिलेगा घर जैसा शुद्ध भोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजधानी पटना के बेली रोड स्थित रुकुनपुरा के सौभाग्य शर्मा पथ पर रविवार को 'वेद क्लाउड किचन' का भव्य उद्घाटन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने शिरकत की और यहां परोसे गए स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। किचन की संचालिका निशा सिन्हा ने बताया कि वेद क्लाउड किचन का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को पटना में सबसे किफायती दामों पर घर जैसा स्वादिष्ट और शुद्ध भोजन उपलब्ध कराना है। यहां ग्राहकों को निम्नलिखित पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगेः कढ़ी-चावल, छोला-चावल, राजमा-चावल, शाही पनीर-चावल चना दाल-चावल संचालिका ने जानकारी दी कि बर्थडे पार्टी, छोटे आयोजनों और अन्य समारोहों के लिए भी यहां बल्क ऑर्डर स्वीकार किए जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किचन में साफ-सफाई और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि ग्राहकों को पूरी तरह से स्वच्छ और पौष्टिक भोजन मिल सके। ग्राहकों की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए, वेद क्लाउड किचन ने होम डिलीवरी की सेवा भी शुरू की है। तीन किलोमीटर की निर्धारित दूरी तक यह डिलीवरी सेवा पूरी तरह से निःशुल्क रहेगी। उद्घाटन समारोह में आए लोगों ने भोजन की गुणवत्ता और स्वाद की भूरि-भूरि प्रशंसा की। ग्राहकों का कहना था कि यहां का खाना वास्तव में घर जैसा स्वादिष्ट है और उचित कीमत पर एक बेहतरीन विकल्प पेश करता है। वेद क्लाउड किचन के शुभारंभ के साथ ही, रुकुनपुरा और आसपास के क्षेत्र के निवासियों को अब स्वादिष्ट, स्वच्छ और किफायती भोजन का एक सुलभ नया ठिकाना मिल गया है।

भाई-भाई के रिश्ते में राम-लक्ष्मण जैसा प्रेम दिखाता नुक्कड़ नाटक बना आकर्षण

नई सोच एक्सप्रेस

» सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच की प्रस्तुति ने पारिवारिक मूल्यों और भाईचारे का दिया सशक्त संदेश

फुलवारी शरीफ।फुलवारी शरीफ में सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक श्रृंखला के अंतर्गत महेश चौधरी द्वारा लिखित एवं मिथिलेश कुमार पांडे के निर्देशन में "भाई-भाई में राम-लक्ष्मण का प्रेम" नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक ने भाईचारे, पारिवारिक संस्कार और आपसी प्रेम का मार्मिक संदेश देकर दर्शकों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अमन राज के स्वरबद्ध गीत "वह दिन कहां गए जब हम राम जैसे भाई थे, अब तुम इतने बदल गए कि लक्ष्मण के बदले रावण बन गए..." से हुई। इस गीत ने नाटक की भावभूमि तैयार करते हुए दर्शकों को कहानी से जोड़ दिया। नाटक की कथा एक किसान के दो पुत्रों के इर्द-गिर्द घूमती है। पिता के निधन के बाद बड़ा भाई अपने छोटे भाई का पालन-पोषण पिता की तरह करता है। वह स्वयं हर कठिनाई सहकर भी छोटे भाई को किसी प्रकार की कमी महसूस नहीं होने देता। दोनों भाइयों के बीच राम-लक्ष्मण जैसा अटूट प्रेम बना रहता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब छोटे भाई के विवाह के कुछ समय बाद उसके व्यवहार में बदलाव आ जाता है। वह अपनी पत्नी के बहकावे में आकर बड़े भाई से दूरी बनाने लगता है। यह परिवर्तन बड़े भाई को गहरा आघात पहुंचाता है। अंततः बड़े भाई प्रेमपूर्वक अपने छोटे भाई से पहले जैसा स्नेह लौटाने की अपील करता है। बड़े भाई की भावनाओं को समझकर छोटे भाई को अपनी गलती का एहसास होता है और वह स्वीकार करता है कि वह गलत संगति और बहकावे में आकर अपने राम जैसे भाई से दूर हो रहा था। इसके बाद दोनों भाई गले मिलकर अपने रिश्ते को फिर से मजबूत करने का संकल्प लेते हैं। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने यह संदेश दिया कि परिवार में प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान ही रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत है तथा किसी के बहकावे में आकर रिश्तों को कमजोर नहीं होने देना चाहिए। नाटक में कामेश्वर प्रसाद, महेश चौधरी, मिथिलेश कुमार पांडे, सौरभ, अमन कुमार, रश्मि कुमारी, रिशु, शशांक कुमार, देव दर्शन, रंजन, आद्विक एवं मो. शोएब कुरैशी ने अपनी प्रभावशाली अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कलाकारों के जीवंत अभिनय और भावपूर्ण प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा तथा तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

आशीर्वाद ने गुणात्मक परंपरा अभियान के जरिए विश्वकर्मा महाराणा समुदाय को दिया सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पुरी रथ यात्रा से अपने लंबे जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए आशीर्वाद ने गुणात्मक परंपरा अभियान की शुरुआत की है। यह विशेष सांस्कृतिक पहल भगवान जगन्नाथ के पवित्र रथ का निर्माण करने वाले विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की कारीगरी और सदियों पुरानी परंपरा को सम्मान देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। अभियान शिल्पकला की विरासत और आशीर्वाद के क्वालिटी की गारंटी के वादे को एक साथ जोड़ता है। ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित इस अनुभव में भगवान जगन्नाथ के रथ निर्माण की प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया है। इसका मुख्य आकर्षण रथ के पहिये और पारंपरिक पत्थर की चक्की के बीच स्थापित प्रतीकात्मक संबंध है, जो गुणवत्ता, आस्था और परंपरा का संदेश देता है। इस विशेष अनुभव का उद्घाटन ओड़िया अभिनेत्री एलिना सामंतराय की मौजूदगी में हुआ। वहीं, आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन, स्टेपल्स बिजनेस यूनिट के चीफ एग्जीक्यूटिव अनुज रुस्तगी ने कहा कि 'गुणात्मक परंपरा' के माध्यम से विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की उत्कृष्ट कारीगरी और गुणवत्ता के प्रति उनके समर्पण को सम्मान दिया गया है। इस अनुभव में 360 डिग्री हेमिस्फेरिक प्रोजेक्शन डोम के जरिए श्रद्धालुओं को रथ निर्माण की यात्रा और उससे जुड़े कारीगरों की कहानी से भी परिचित कराया जाता है।

पुनपुन के मॉडल विद्यालय का हुआ उद्घाटन, विधायक श्याम रजक ने किया विभिन्न सुविधाओं का लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन।19 जुलाई 2026 को बिहार के सभी जिलों एवं प्रखंडों में स्थित मॉडल विद्यालयों का उद्घाटन बेगूसराय से आयोजित कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इसी क्रम में पुनपुन प्रखंड स्थित शहीद रामानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय में मॉडल विद्यालय का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक श्याम रजक ने किया। इस अवसर पर विधायक ने विद्यालय में स्थापित आईएसएम कक्ष, आईसीटी लैब, पुस्तकालय, संगीत कक्षा, भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं का निरीक्षण कर उनका उद्घाटन किया। उन्होंने आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इन सुविधाओं से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख शैलेश पटेल, उप प्रमुख सिंटू कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, लिपिक संजय कुमार, बीआरसी लेखा सहायक पंकज प्रकाश, पंचायत समिति सदस्य लाल साहेब, भूतपूर्व मुखिया अंजनी सिंह सहित विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय अनुराग मिश्रा के निर्देशन में तथा विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरुण कुमार पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह के दौरान विद्यालय परिवार एवं जनप्रतिनिधियों ने मॉडल विद्यालय की नई सुविधाओं को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

शिवालिक विश्वविद्यालय ने निर्माण 2047 अभियान शुरू किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से शिवालिक विश्वविद्यालय ने 'निर्माण 2047' (नेशनल इनिशिएटिव फॉर इनोवेशन, रेडीनेस, रिसर्च, मेंटरशिप एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज) अभियान का शुभारंभ किया। होटल लेमन ट्री प्रीमियर, पटना में आयोजित प्रधानाचार्य सम्मेलन में इस पहल की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का आयोजन एनआईआईटी फाउंडेशन और पाटलिपुत्र सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में बिहार के 150 से अधिक विद्यालयों के चेयरमैन, निदेशक और प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। शिवालिक विश्वविद्यालय के वाइस चेयरमैन अजय कुमार ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के दौरान चरणबद्ध तरीके से 50 से अधिक विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसके तहत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 12 घंटे का पूर्णतः निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित होगा। प्रशिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल सुरक्षा, नवाचार, डिज़ाइन थिंकिंग और समस्या समाधान जैसे विषय शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा मॉड्यूल का संचालन एनआईआईटी फाउंडेशन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं नवाचार मॉड्यूल का संचालन शिवालिक विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ करेंगे। प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को संयुक्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के भ्रमण का अवसर भी मिलेगा। कार्यक्रम में बताया गया कि यह पहल पूरी तरह निःशुल्क होगी और इसका उद्देश्य बिहार के विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, नवाचार, अनुसंधान, नेतृत्व क्षमता तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप कौशल विकसित कर उन्हें विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में सहभागी बनाना है। सम्मेलन में उपस्थित विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए भविष्य उन्मुख और परिवर्तनकारी कदम बताया।

संक्षिप्त समाचार

विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की सदियों पुरानी परंपरा को आशीर्वाद का सम्मान

भागलपुर। पुरी रथ यात्रा से अपने लंबे जुड़ाव को आगे बढ़ाते हुए भारत के नंबर 1 पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद ने 'गुणात्मक परंपरा' अभियान की शुरुआत की है। यह विशेष सांस्कृतिक पहल भगवान जगन्नाथ के पवित्र रथ का निर्माण करने वाले विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की कारीगरी और सदियों पुरानी परंपरा को सम्मान देती है। 'गुणात्मक परंपरा' शिल्पकला की विरासत और आशीर्वाद के 'क्वालिटी की गारंटी' के वादे को एक साथ जोड़ती है। ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित इस अनुभव में भगवान जगन्नाथ के रथ निर्माण की बारीकियों को प्रदर्शित किया गया है। इसका मुख्य आकर्षण रथ के पहिये और पारंपरिक पत्थर की चक्की के बीच स्थापित प्रतीकात्मक संबंध है, जो गुणवत्ता, आस्था और परंपरा का संदेश देता है। इस विशेष अनुभव का उद्घाटन ओड़िया अभिनेत्री एलिना सामंतराय की मौजूदगी में हुआ। उन्होंने विश्वकर्मा महाराणा समुदाय और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर इस पहल की सराहना की। वहीं, आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीजन, स्टेपल्स बिजनेस यूनिट के चीफ एग्जीक्यूटिव अनुज रुस्तगी ने कहा कि 'गुणात्मक परंपरा' के माध्यम से विश्वकर्मा महाराणा समुदाय की उत्कृष्ट कारीगरी और गुणवत्ता के प्रति उनके समर्पण को सम्मान देने का प्रयास किया गया है।

मानसून के आगमन को देखते हुए जल संसाधन विभाग अलर्ट मोड में

» हरनौत में बोरियां में बालू भरकर रिजर्व रखने का कार्य शुरू

हरनौत। मानसून के आगमन को देखते हुए जल संसाधन विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। दहार जैसी आपदा से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वहीं नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड में बोरियों (सैंड बैग्स) में बालू भरकर रिजर्व रखने का कार्य जोर-शोर से शुरू कर दिया गया है।नदी में पानी के बहाव को मोड़ने, मिट्टी के कटाव से बचाने सहित बाढ़ की आपात स्थिति और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए हजारों बालू भरी बोरियां (सैंड बैग्स) कमजोर या संवेदनशील तटबंध के आसपास रिजर्व किया जा रहा है। हरनौत-सकसोहरा टु लेन(नेशनल हाईवे 31ए) पर अलीनगर मोड़ के पास करिब एक दर्जन मजदूर के सहारे बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग(डब्लूआरडी) सहित अन्य चीज लिखें बोरियों में बालू भर कर एवं मशीन से सिलाई कर हजारों बोरियां जमा किया जा रहा है । बता दें कि वर्ष 2024 के अगस्त माह में अलीनगर मोड़ से पोआरी जाने वाले रोड स्थित पंचाने नदी के उफान से नदी का तटबंध अचानक टूट गया था।इससे दुबे मिसाल चक खांधा का सड़क टूट गया था। जिससे पोआरी सहित अन्य गांव का आवागमन बाधित हो गया था।ऐसा नदी के पश्चिमी तटबंध पर बने सड़क की मिट्टी खिसकने से हुआ था। इससे जान-माल की क्षति नहीं हुई थी।किसान की हल्की धान के फसल बह गए। हालांकि अलहे सुबह तक टूटे तटबंध की मरम्मत कर ली गयी थी। जिसके बाद अवागमन सुचारू रूप से व्यवस्थित कर दिया।ज्ञात हो कि हर साल मानसून में नदियों का जलस्तर बढ़ने से तटबंध पर दबाव बढ़ता है।जिसको लेकर इस बार विभाग पहले से ही सैंड बैग्स का स्टॉक करके "एहतियात पहले" वाली रणनीति अपना रहा है।ताकि नदी का दबाव बढ़ने पर तटबंध को कोई नुकसान न पहुंचे। वहीं बीडीओ डॉ पंकज कुमार ने कहा कि बरसात को देखते हुए सभी संवेदनशील एवं कमजोर बिंदुओं पर काटावरोधी सामग्री के रूप में बोरी रखी जा रही है। विशेष आपदा से रिलेटेड हरनौत अंचलाधिकारी रीता कुमारी हीं बताएगी।

डीएम ने ईवीएम वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

छपरा। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने संयुक्त रूप से सदर प्रखंड के निकट स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वेयरहाउस में रखी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव एवं मानक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने ईवीएम इन्वेंट्री रजिस्टर का अवलोकन किया तथा वेयरहाउस में भंडारित मशीनों के स्टॉक का मिलान किया। साथ ही परिसर में प्रवेश व्यवस्था, मशीनों के सुरक्षित रखरखाव और सुरक्षा मानकों के अनुपालन का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि वेयरहाउस में वर्तमान में रेडी-टू-यूज ईवीएम मशीनें सुरक्षित रखी गई हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मशीनों को निर्धारित मानकों के अनुरूप डबल लॉक सिस्टम में सीलबंद अवस्था में सुरक्षित रखा जाए। अधिकारियों ने परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, नियंत्रण कक्ष की निगरानी व्यवस्था, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती तथा चौबीसों घंटे निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक गतिविधि का नियमित अभिलेख रखने, लॉग बुक का समुचित संधारण करने तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल, ईवीएम नोडल सह उप नगर आयुक्त अरशद इमाम, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता उपेंद्र कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

हत्या मामले के चार वारंटियों को सुगौली पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली थाना पुलिस ने हत्या के एक पुराने मामले में फरार चल रहे चार वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सख्ती का संदेश गया है।थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय से जारी वारंट के आलोक में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या मामले के चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। सभी के विरुद्ध पूर्व से हत्या का मामला दर्ज था और न्यायालय के आदेश के अनुपालन में उन्हें गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार किए गए आरोपितों में प्रमोद साह पिता- रामचंद्र साह, राजेश साह पिता- रामचंद्र साह, विपिन साह पिता- ललन बाबू साह तथा शिव शंकर साह पिता- मोटे लाल साह, सभी निवासी कुरूम टोला, थाना सुगौली शामिल हैं।थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि लंबित मामलों के वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कायस्थों को एकजुट कर गांधी मैदान में होगा शक्ति प्रदर्शन : सीतेश रमण

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। जय चित्रांश के बैनर तले स्थानीय गांधी मैदान में आयोजित कायस्थ महापंचायत में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जय चित्रांश के सीतेश रमण ने कहा कि उनका उद्देश्य बिहार के सभी जिलों में जाकर कायस्थ समाज को एक मंच पर संगठित करना और समाज के बीच जागरूकता का अभियान चलाना है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना में कायस्थ समाज की जनसंख्या वास्तविकता से कम दर्शाई गई है, जिससे समाज में असंतोष है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज की शैक्षिक, सामाजिक और राजनीतिक विरासत की उपेक्षा की जा रही है।उन्होंने कहा कि विधानसभा में कायस्थों का प्रतिनिधित्व नहीं रहने से कितना क्षोभ होता है कि हम बाहर से विधानसभा के दर्शक मात्र हैं। अब चित्रांश धूप में सड़क पर संघर्ष करेंगे न कि एसी कमरे में आराम करेंगे। हम हर तरह की बगावत करने को अब तैयार हैं। सीतेश रमण ने कहा कि शिक्षा, प्रशासन और संस्कृति के क्षेत्र में कायस्थ समाज का गौरवशाली योगदान रहा है, लेकिन राजनीतिक भागीदारी पर्याप्त नहीं होने के कारण समाज अपेक्षित प्रतिनिधित्व से वंचित है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से ही समाज का समुचित विकास संभव होगा। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में पटना के गांधी मैदान में कायस्थ समाज का विशाल शक्ति प्रदर्शन आयोजित किया मजाएगा, जिसमें बिहार के सभी जिलों से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कायस्थ समाज के विभिन्न संगठनों से मतभेद भुलाकर जय चित्रांश के बैनर तले एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की एकता और ताकत का प्रदर्शन होने पर राजनीतिक दल भी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कायस्थ समाज को अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व देने के लिए गंभीर होंगे। महापंचायत में उपस्थित लोगों ने समाज की एकजुटता और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के संकल्प के साथ आगामी शक्ति प्रदर्शन को सफल बनाने का आह्वान किया। महापंचायत में सर्वेश राज,दयानंद, संजय वर्मा,रंजय वर्मा, अरविन्द कुमार,मुकुल कुमार,सौरभश्रीवास्तव, शांतनु श्रीवास्तव,आदित्य श्रीवास्तव, रौनक श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव,आदित्य श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार सिन्हा,सुनील कुमार ,अभिषेक कुमार, निखिल सिन्हा,राकेश कुमार,अभिषेक कुमार,सुभाष कुमार,राकेश श्रीवास्तव,अमितेष कुमार,सोनू श्रीवास्तव और संजीव कुमार उपस्थित थे।

एक सप्ताह में होगी नंद उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर की सफाई : अली हसन

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली। नगर पंचायत क्षेत्र स्थित नंद उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर एवं विद्यालय के लिए भूमि दान करने वाले दानदाताओं की प्रतिमाओं के आसपास फैली गंदगी को लेकर नगर पंचायत ने सफाई कराने का आश्वासन दिया है। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अली हसन ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि नगर पंचायत द्वारा एक सप्ताह के भीतर विद्यालय परिसर तथा प्रतिमाओं के आसपास की पूरी साफ-सफाई कराई जाएगी।उन्होंने कहा कि नंद उच्च माध्यमिक विद्यालय सुगौली की पहचान है और यहां से शिक्षा प्राप्त कर अनेक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ऐसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में प्रतिमाओं के आसपास कचरा और गंदगी का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत अपनी जिम्मेदारी निभाएगी, वहीं विद्यालय प्रशासन को भी नियमित रूप से परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए।अली हसन ने कहा कि जिन लोगों ने विद्यालय निर्माण के लिए अपनी भूमि दान की, उनकी प्रतिमाओं का सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए नगर पंचायत शीघ्र ही सफाई अभियान चलाएगी।उल्लेखनीय है कि हाल ही में विद्यालय पहुंचे स्थानीय विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने भी विद्यालय के प्राध्यापकों एवं प्रशासन को निर्देश दिया था कि विद्यालय परिसर की नियमित साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने विशेष रूप से प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे ऐतिहासिक और शैक्षणिक महत्व के संस्थान की गरिमा हर हाल में बनी रहनी चाहिए। विधायक के निर्देश के बाद नगर पंचायत द्वारा एक सप्ताह के भीतर सफाई कार्य कराने की घोषणा से स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों में उम्मीद जगी है।

इटखोरी में 60 लाख के जेवरात चोरी का खुलासा, उड़ीसा के गुलगुलिया गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी बाजार में 12 जुलाई को ज्वेलरी व्यवसायी दिलीप सोनी की बाइक की डिक्की से करीब 60 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के जेवरात चोरी होने के सनसनीखेज मामले का चतरा पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने उड़ीसा के जाखापुर थाना क्षेत्र के दशमनिया गांव निवासी दीपक प्रधान को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी कुख्यात गुलगुलिया गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है। मामले का खुलासा पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी पहले भी कई चोरी, छिनतई और बाइक की डिक्की से सामान उड़ाने जैसी घटनाओं में शामिल रहा है। उसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि उसने चतरा जिले के पत्थलगड़ा और जोरी थाना क्षेत्रों में भी ज्वेलरी कारोबारियों को निशाना बनाया था। **पहले की रेकी, फिर चोरी के सोने का झांसा**ःएसपी ने बताया कि आरोपी ने घटना को अंजाम देने से पहले कई दिनों तक दिलीप सोनी की दुकान और उनकी गतिविधियों की रेकी की थी। इसके बाद वह ग्राहक बनकर दुकान पहुंचा और आधा किलो चोरी का सोना सस्ते दाम में बेचने का प्रस्ताव देकर व्यवसायी का विश्वास जीतने की कोशिश की। इसी बहाने उसने व्यवसायी के आने-जाने का समय, जेवरात ले जाने का तरीका और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां जुटा लीं। पूरी योजना तैयार होने के बाद उसने बाइक की डिक्की से लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। **उड़ीसा से संचालित हो रहा था संगठित गिरोह**ःपुलिस जांच में खुलासा हुआ कि इस गिरोह का संचालन उड़ीसा निवासी आकाश प्रधान कर रहा था। गिरोह में दशमनिया और आसपास के गांवों के दर्जनों युवक शामिल हैं। इन्हें विभिन्न राज्यों में चोरी और छिनतई की वारदातों को अंजाम देने के लिए भेजा जाता था। गिरोह के सदस्यों को अपराध करने के एवज में एक लाख रुपये प्रतिमाह तक भुगतान किया जाता था। **हैदराबाद में दी जाती थी विशेष ट्रेनिंग**ःएसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि गिरोह के सदस्यों को हैदराबाद में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बिना नुकसान पहुंचाए बाइक और कार की डिक्की खोलना, भीड़ में पहचान छिपाना, रेकी करना और वारदात के बाद तेजी से फरार होने की तकनीक सिखाई जाती थी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें अलग-अलग राज्यों में सक्रिय किया जाता था। **पुलिस टीम की बड़ी सफलता**ःइस चर्चित मामले के खुलासे में इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है। प्रेस वार्ता में चतरा मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार सिंह, एसडीपीओ सनी वर्धन,इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

सरस्वती विद्या निकेतन का उद्घाटन संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। राजकीय कृत उच्च माध्यमिक विद्यालय राजापाकर के परिसर में सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का हुआ उद्घाटन। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार के कुल 551 मॉडल स्कूलों का उद्घाटन किया । इसी कड़ी में राजकीय कृत उच्च माध्यमिक विद्यालय राजापाकर के परिसर में स्थित सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ-साथ प्रखंड क्षेत्र के कोने-कोने प्रतिनिधि गण, बुद्धिजीवी गण, सामाजिक कार्यकर्ता गण, अभिभावक छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर ने कहा कि बिहार सरकार के सात निश्चय फेज 3 के तहत हर ब्लॉक में आधुनिक सुविधाओं से लैस सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) विकसित किए किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय और तकनीकी संपन्न शिक्षा देना है। इसके तहत स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम डिजिटल-ई- लाइब्रेरी और उच्च तकनीकी वाली प्रयोगशाला उपलब्ध कराई गई है। इन विद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षक- शिक्षिकाओं द्वारा आधुनिक शिक्षण पद्धति से शिक्षा दी जाएगी। इस मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी विकास कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधी रंजन कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद मौर्य, विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय कुमार, मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष मंजे लाल राय, पंचायत समिति सदस्य तपसी प्रसाद सिंह, मुखिया प्रतिनिधि मुकेश पटेल, समाजसेवी अनिल कुमार, राम अवतार साह, शिक्षक केशव नारायण राय, विन्देश्वर सिंह, रवीन्द्र कुमार रवि, राजकुमार रवि आदि उपस्थित हुए।

कोठिया डैम में डूबे 3 बच्चों के परिजनों को विधायक अजीत कुमार के पहल पर एनटीपीसी ने दिया 25 - 25 हजार रुपये का सहयोग राशि, विधायक ने परिजनों को दिया चेक

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुज़फ़्फ़रपुर। कांटी नगर परिषद क्षेत्र के कांटी कोठिया स्थित डैम पर पिछले दिन तीन बच्चों की डूब कर मौत हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार काफी शोकाकुल व चिंतित थे और आगे इस तरह की कोई घटना घटित न हो इस पर मुकम्मल व्यवस्था करवाने की बात भी कहे थे। इसको लेकर कांटी कोठिया स्थित डैम स्थल का विधायक अजीत कुमार ने एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ निरीक्षण भी किया था एवं तत्काल सुरक्षा के मद्देनजर चौतरफा घेराबंदी करवाने की निर्देश भी मौके पर उपस्थित एनटीपीसी के अधिकारियों को दिया था। विधायक अजीत कुमार ने एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ तीन किशोर बच्चे दीनानाथ, आर्यव गुप्ता व आयुष कुमार के घर पहुँचे व उनके परिजनों को 25 - 25 हजार रुपये की सहयोग राशि की चेक सौंपा। श्री कुमार ने कहा कि एनटीपीसी के अधिकारियों ने उनके विशेष आग्रह पर एनटीपीसी के कर्मियों के सहयोग से 25 - 25 हजार रुपये की मानवीय संवेदनाओं को देखते हुए उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा कि इस दुःखदाई घटना के बाद से वे काफी दुःखी व मर्माहट थे अब आगे इस तरह की कोई भी अनहोनी न हो इसको लेकर सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था करवाई जा रही है एवं उनके विशेष पहल से डैम स्थल पर एनटीपीसी की ओर से चौतरफा घेराबंदी की कार्य करवाई जा रही हैं जो यह कार्य तेजी गति से हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से भी तीनों मृतकों बच्चों के आश्रितों को 4 - 4 लाख रुपये की चेक पूर्व में दे दी गई थी। इस मौके पर एनटीपीसी क जीएम उमेश कुमार, एजीएम ऐस यूटिलाइजेशन आनंद कुमार झा, डीजीएम एचआर संजीत कुमार, जदयू नगर अध्यक्ष सह पार्षद चंदन पांडेय, पार्षद प्रतिनिधि प्रतीक उर्फ सोमू गुप्ता, दीपक सिंह समेत रजनीश सिंह उर्फ फौजी, शिवेंद्र ठाकुर, नूनु सिंह, कामेश्वर सिंह, विरंजन ठाकुर, नीरज महतो, पप्पू महतो, पप्पू ठाकुर समेत स्थानीय सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री : प्रकाश प्रियदर्शी

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर और जंतर मंतर दिल्ली में चल रहे सोनम वांगचुक के प्रदर्शन के समर्थन में राजापाकर हाई स्कूल चौक से छात्रों द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष प्रकाश प्रियदर्शी ने कहा कि आज देश भर में सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहे पेपर लीक के खिलाफ आक्रोश है। जंतर मंतर पर महान वैज्ञानिक सोनम वांगचुक द्वारा चल रहे प्रदर्शन भूख हड़ताल का दमन करने के लिए सरकार लगी हुई है। जिस तरह से पिछले कई वर्षों से नीट पेपर लीक की खबर आ रही है। दर्जनों छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। इसलिए नैतिकता के आधार पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। यह मशाल जुलूस राजापाकर हाई स्कूल चौक से डाकघर चौक तक मशाल जुलूस पहुंचा। जहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। छात्रों ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मुर्दाबाद, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो, छात्र एकता जिंदाबाद, पेपर लीक पर रोक लगाओ के नारे लगाए। इस कार्यक्रम में सिक्कम कुमार, राजा हिप्पा, अभिषेक कुमार उर्फ छोटू पासवान, राहुल कुमार वीआईपी लाईब्रेरी, गोलू कुमार, राहुल पासवान, अनिकेत कुमार, नंदेश यादव, आदर्श रंजन, निशांत कुमार समेत दर्जनों लोग शामिल हुए।

» केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा के मांग को लेकर छात्रों का मशाल जुलूस

सुगौली में मॉडल स्कूल का भव्य उद्घाटन, आधुनिक शिक्षा की नई शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी/सुगौली। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी पहल के तहत रविवार को प्रदेश के 551 'सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालयों' का एक साथ शुभारंभ किया गया। इसी कड़ी में सुगौली प्रखंड स्थित नंद उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में मॉडल स्कूल का भव्य उद्घाटन हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डिजिटल माध्यम से किया, जबकि स्थानीय स्तर पर आयोजित समारोह का उद्घाटन सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने किया।इस अवसर पर विधायक ने कहा कि आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही क्षेत्र के समग्र विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी शहरों जैसी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि वे आधुनिक शिक्षा से जुड़कर अपने भविष्य को सशक्त बना सकें।कार्यक्रम के दौरान विधायक ने विद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि "विद्यालय शिक्षा का मंदिर है, इसे राजनीति का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा।" उन्होंने कहा कि जिस महापुरुष ने विद्यालय निर्माण के लिए सात एकड़ भूमि दान की, उनकी प्रतिमा के आसपास गंदगी होना दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही विद्यालय परिसर में पशुओं का जमावड़ा भी गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। विधायक ने निर्देश दिया कि प्रतिमा स्थल की एक सप्ताह के भीतर समुचित साफ-सफाई कराई जाए तथा विद्यालय परिसर में पशुओं के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालय का वातावरण स्वच्छ, अनुशासित और अध्ययन के अनुकूल होना चाहिए।समारोह में मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अली हसन, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार कुशवाहा, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा, विधायक प्रतिनिधि प्रभु दास, वार्ड पार्षद रवि पासवान, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ), विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने मॉडल स्कूल की स्थापना को सुगौली के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उम्मीद जताई कि यह विद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होगा।

उपशास्त्री में प्रवेश के लिए पहली मेधा सूची जारी, 20 से 26 जुलाई तक होगा नामांकन

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-28 के उपशास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए पहली मेधा सूची शनिवार को समर्थ पोर्टल पर जारी कर दी। कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने पदाधिकारियों की मौजूदगी में सूची जारी करते हुए निर्धारित समय सीमा में सहयोगात्मक तरीके से नामांकन प्रक्रिया पूरी कराने का निर्देश दिया। विशेष कार्य पदाधिकारी (शैक्षणिक) डॉ. रामसेवक झा ने बताया कि चयनित अभ्यर्थी 20 से 26 जुलाई तक आवंटित महाविद्यालय में नामांकन ले सकेंगे। वहीं शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों की मेधा सूची अगले सप्ताह जारी की जाएगी। डीएसडब्ल्यू प्रो. पुरेंद्र वारिक ने बताया कि अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल पर लॉग-इन कर एडमिशन ऑफर लेटर डाउनलोड करेंगे और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ऑनलाइन माध्यम से 165 रुपये नामांकन शुल्क जमा करेंगे। विश्वविद्यालय ने सभी महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि अलग से कोई नामांकन फॉर्म जारी न किया जाए तथा पूरी प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से ही संचालित की जाए। विश्वविद्यालय ने 27 जुलाई तक नामांकित विद्यार्थियों का विवरण समर्थ पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य किया है। साथ ही नए सत्र के लिए प्रेरण वर्ग (इंडक्शन प्रोग्राम) आयोजित किया जाएगा तथा सभी विद्यार्थियों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट के मामले में काउंटर केस

वैशाली।बरांटी थाना क्षेत्र के लरूई हुसैनाबाद निवासी इंदु कुमारी पति कृष्ण कुमार पासवान ने अपने पड़ोसी पर मारपीट करने, हथियार से लैस होकर घर पर आकर जान से मारने की धमकी देने को ले थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें कहा है कि मैं अपने घर पर आने-जाने के रास्ता हेतु दो धुर जमीन अपने बगल के नरेश पासवान से खरीदा था .जब कब्जा दिलाने की बात करती हूं तो नरेश पासवान, गणेश पासवान ,लालमोहन पासवान, सतन पासवान, पिंकी देवी, विभा देवी ,रीना देवी ,रेणु देवी सभी एक जुट होकर मुझे भूमि पर कब्जा नहीं देना चाहते हैं। इस समस्या के समाधान हेतु कई बार पंचायत के माध्यम से मामले को सुलझाने का प्रयास किया लेकिन वे लोग मुखिया सरपंच के भी बात मानने को तैयार नहीं है।जांच कर दोषी पर कार्रवाई की बात आवेदन में कही गई है। वही प्रतिवादी रीना देवी पति गणेश पासवान ग्राम लरूई हुसैनाबाद ने काउंटर केस किया है। थाने में दिए आवेदन में बताया कि मैं अपने दरवाजे पर बैठी थी तभी मेरे पटीदार कृष्ण कुमार पासवान,इंदु देवी, अविनाश कुमार ,अमित कुमार सभी ग्राम लरूई हुसैनाबाद एकमत होकर हमारे दरवाजे पर आया और गाली गलौज करने लगा. जब हम गाली देने से मना किय तो लाठी डंडा से मारपीट करने लगा।इसी क्रम में कृष्ण कुमार ने मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया। अविनाश कुमार ,अजीत कुमार दोनों ने मिलकर हमारे गर्दन से चेन छीन लिया तथा कहा कि सबका घर फूंक देंगे जान से मार देंगे।अगल-बगल के लोगों को आते देख सब मौके से फरार हो गए।आवेदन में जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।

स्कूल जा रही छात्रा का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म

» दुष्कर्म महिला को नौकरी दे, दुष्कर्म के दोषी सम्पति जप्त किया जाए

फतुहा। समस्तीपुर जिले में स्कूल पढ़ने जा रही एक नाबालिग छात्रा के कथित अपहरण और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने पूरे बिहार को झकझोर दिया है। इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि विद्यालय जाने वाली बेटियां भी सुरक्षित नहीं हैं, तो यह कानून-व्यवस्था और सामाजिक चेतना—दोनों के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा पर आघात है। पीड़िता जीवनभर मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संघर्ष झेलती है। अपराधियों को सजा मिलने के साथ-साथ पीड़िताओं के सम्मानजनक पुनर्वास की भी ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। डॉ. पटेल ने सरकार से मांग की कि ऐसी घटनाओं में दोषियों के विरुद्ध त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए, उनकी अवैध संपत्ति जब्त की जाए और कानून के अनुसार कठोरतम दंड दिया जाए। साथ ही, पीड़िताओं के लिए शिक्षा, सुरक्षा, मनोवैज्ञानिक परामर्श और आर्थिक पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि पीड़िता शिक्षित है तो उसे योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराया जाए, और यदि वह शिक्षित नहीं है तो उसके आत्मनिर्भर जीवन के लिए विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि बेटियों की सुरक्षा केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। जब तक अपराधियों में कानून का वास्तविक भय और समाज में महिलाओं के सम्मान की संस्कृति विकसित नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना कठिन होगा। उन्होंने सरकार और समाज दोनों से मिलकर महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया।। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सरकार से कहा है कि पीड़िता को शिक्षा के अनुसार सरकारी नौकरी दी जाए। अन्यथा 50 लाख रुपये मुआबजा दी जाए। तथा दोषी का सम्पति जप्त किया जाए।

कैच ने लॉन्च किया नया कैंपेन; इंडस्ट्री में पहली बार पेश की फ्लिप टॉप पैकेजिंग

पटना। प्रमुख एफएमसीजी समूह और मल्टी-बिज़नेस कॉरपोरेशन, धरमपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के पॉपुलर ब्रांड 'कैच साल्ट एंड स्पाइसेज' ने अपने मटर पनीर ब्लेंडेड मसाला के लिए उद्योग में पहली बार फ्लिप-टॉप बाहरी पैकेजिंग और प्रेस लॉक सुविधा पेश की है। कंपनी ने इस नई पैकेजिंग को एक नए टेलीविजन विज्ञापन (टीवीसी) के जरिए लॉन्च किया है। उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों, सुविधा और फ्रेशनेस को ध्यान में रखते हुए इस पैकेजिंग को डिजाइन किया गया है, ताकि मसालों की खुशबू बरकरार रहे, उन्हें आसानी से निकाला जा सके, पैक को वापस सुरक्षित तरीके से बंद किया जा सके और स्टोर करने में भी कोई दिक्कत न हो। इस कैंपेन का प्रसारण टेलीविजन, डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर किया जाएगा। डीएस ग्रुप के कैच साल्ट एंड स्पाइसेज, सीनियर जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) अर्नब घटक चौधरी ने कहा, "डीएस ग्रुप में हमारा फोकस हमेशा से ही कंज्यूमर की सुविधा और इनोवेशन पर रहा है। हम जानते हैं कि लोग ऐसी स्पाइस पैकेजिंग चाहते हैं जो यूज करने, रीसील करने और स्टोर करने में आसान हो। यह अनोखी पैकेजिंग हमारे इसी कमिटमेंट का नतीजा है। यह कैंपेन रोजमर्रा के कुकिंग एक्सपीरियंस को और आसान, स्मार्ट और मजेदार बनाने की हमारी कोशिश को दिखाता है क्योंकि खाना बनाना सिर्फ खाना नहीं होता।"

आईडीबीआई बैंक का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 5% बढ़कर 2,115 करोड़ रुपये

पटना। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (30 जून 2026 तक) के वित्तीय परिणाम जारी करते हुए 2,115 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,007 करोड़ रुपये की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,168 करोड़ रुपये रहा, जबकि नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) 10 प्रतिशत बढ़कर 3,486 करोड़ रुपये पहुंच गई। बैंक के अनुसार, कुल जमा (डिपॉजिट) सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 3.26 लाख करोड़ रुपये और नेट एडवांसेज 22 प्रतिशत बढ़कर 2.59 लाख करोड़ रुपये हो गए। वहीं ग्रॉस एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत तथा नेट एनपीए 0.16 प्रतिशत पर आ गया, जबकि प्रोविजन कवरेज रेश्यो 99.31 प्रतिशत रहा। इस दौरान आईडीबीआई बैंक को वित्त वर्ष 2025-26 में अटल पेंशन योजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए "एपीवाई एनुअल अवॉर्ड ऑफ अल्टीमेट अचीवर" से सम्मानित किया गया। बैंक ने डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देशव्यापी "आईडीबीआई ईनोवेट 2026" हैकाथॉन शुरू करने की भी घोषणा की है। साथ ही बैंक को "इंटरनल ऑडिट एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026" में एआई आधारित ऑडिट प्रणाली के उत्कृष्ट उपयोग के लिए सम्मान भी प्राप्त हुआ।

टाटा एआईजी और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की साझेदारी देश भर में बीमा की पहुंच बढ़ाएगी

पटना।भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ साझेदारी की घोषणा की है। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, टाटा एआईजी में बैंकएश्योरेंस के हेड, एझिलारसन रामलिंगम ने कहा: "टाटा एआईजी में, हम बीमा को सरल बनाने और इसे ग्राहकों के रोजाना के वित्तीय कामों का एक हिस्सा बनाकर उन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ हमारी यह साझेदारी इसी दिशा में एक और कदम है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के मजबूत ग्राहक आधार और टाटा एआईजी की बीमा विशेषज्ञता को एक साथ लाकर, हम हेल्थ, मोटर, हाउसिंग और एमएसएमई के क्षेत्रों में ग्राहकों की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने वाले सही और नए बीमा समाधान पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। साझेदारी पर बात करते हुए, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के रिटेल लायबिलिटिज, टीएएसबी और टीपीपी के हेड, हितेंद्र झा ने कहा: "हमारी असली ताकत उस गहरे भरोसे में है जो हमने अपने अलग-अलग ग्राहक वर्गों के साथ बनाया है।"

कंप्यूटर साइंस शिक्षिका प्रगति कुमारी बनीं स्टेट टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर, शिक्षकों ने किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

लालगंज (वैशाली)। भगवान शंकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लालगंज में कार्यरत कंप्यूटर साइंस शिक्षिका प्रगति कुमारी ने 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता हासिल कर स्टेट टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर पद प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय, शिक्षकों और पूरे वैशाली जिले में खुशी का माहौल है। प्रगति कुमारी की इस उल्लेखनीय सफलता पर बिहार कंप्यूटर साइंस टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन एवं स्थानीय शिक्षक संगठनों की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के वैशाली जिला अध्यक्ष महेश कुमार तथा शिक्षाविद एवं प्लस-टू शिक्षक जितेंद्र नाथ ने उन्हें अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और प्रशासनिक सेवा में उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महेश कुमार ने कहा कि विद्यालय में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए इतनी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल करना अत्यंत सराहनीय है। प्रगति कुमारी की उपलब्धि से राज्य के सभी कंप्यूटर साइंस शिक्षकों का मनोबल बढ़ा है और यह उनके लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। शिक्षाविद जितेंद्र नाथ ने कहा कि शिक्षण कार्य की व्यस्त दिनचर्या के बीच बीपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करना उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रगति कुमारी आने वाली पीढ़ी के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। साथ ही एक विशिष्ट शिक्षिका की पुत्री होने के नाते उन्होंने पूरे शिक्षक समाज का सम्मान भी बढ़ाया है। समारोह में उपस्थित शिक्षकों और शिक्षिका साथियों ने प्रगति कुमारी की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि वह प्रशासनिक सेवा में भी उत्कृष्ट कार्य कर समाज और राज्य का नाम रोशन करेंगी।

मुख्यमंत्री ने बेगूसराय से राज्य के 551 सरस्वती विद्या निकेतन का किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बिहार सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न प्रखंडों में स्थापित 551 सरस्वती विद्या निकेतन का उद्घाटन मुख्यमंत्री बिहार सम्राट चौधरी द्वारा बेगूसराय से एकीकृत रूप से किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जहानाबाद जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत सरस्वती विद्या निकेतन केशरबाग-खैरा में आयोजित किया गया, जिसमें जिलाधिकारी, छिरिङ वाई भूटिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नत शिक्षा, उज्ज्वल भविष्य की परिकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक छात्र-छात्रा को आधुनिक गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराएंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया, उप विकास आयुक्त आदित्य कुमार पीयूष, वरीय उप समाहर्ता सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी निपुन कुमारी, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी आकांक्षा गुप्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार, जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष सागर कुमार, जिला नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष धीरज कुमार, लरसा ग्राम पंचायत की मुखिया रेखा देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में जिले के सातों सरस्वती विद्या निकेतन के शिलापट्ट का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया ने कहा कि आदर्श विद्यालयों की स्थापना से ग्रामीण एवं प्रखंड स्तर के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने का सशक्त अवसर मिलेगा। आदर्श विद्यालय में उपलब्ध आधुनिक व्यवस्था से बच्चों को सर्वांगीण विकास होगा तथा साथ ही उन्हें आगे भविष्य में भी सहायता प्राप्त होगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विद्यालयों का संचालन उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारी, शिक्षकगण, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

मधुबनी विधायक माधव आनंद ने जनसंवाद से जनता का भरोसा जीता, नए व्यापारिक प्रतिष्ठान का किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» भुवना कॉलोनी में 'सेवक आपके द्वार' के माध्यम से आमजन से जुड़े विधायक माधव आनंद, विकास को लेकर मांगे सुझाव

मधुबनी/बिहार।मधुबनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक माधव आनंद ने रविवार को जनसंपर्क और सामाजिक गतिविधियों के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने मधुबनी नगर निगम के भुवना कॉलोनी, लहेरियागंज (वार्ड संख्या-3) स्थित अजीत झा के आवास पर आयोजित "सेवक आपके द्वार" जनसंवाद कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं विकास संबंधी अपेक्षाएं सुनीं। इसके बाद सुभाष चौक स्थित भारतीय जनता पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता श्रवण पूर्वे के नवस्थापित प्रतिष्ठान "द वेडिंग मॉल" के शुभारंभ समारोह में शामिल होकर शुभकामनाएं दी। जनसंवाद कार्यक्रम में विधायक माधव आनंद ने कहा कि जनता के सुझाव उनके लिए केवल विचार नहीं, बल्कि जनसेवा का दायित्व और विकास का संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास जनता की सहभागिता और विश्वास से ही संभव है तथा "सेवक आपके द्वार" अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक की आवाजशासन- प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा वे हमेशा लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओ के समाधान के लिए कार्य करते रहेगे। इसके बाद विधायक सुभाष चौक स्थित "द वेडिंग मॉल" के उद्घाटन समारोह में पहुंचे और श्रवण पूर्वे एवं उनके परिवार को नई शुरुआत के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि नया प्रतिष्ठान मधुबनी के व्यापारिक विकास को नई दिशा देने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग जिले की आर्थिक प्रगति की मजबूत कड़ी है और व्यापार की सुरक्षा, सम्मान, सुगमता तथा बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा। साथ ही उन्होने "द वेडिंग मॉल" की निरंतर प्रगति और सफलता की कामना की।

बीपीएससी शिक्षक संघ की बैठक में प्रखंड इकाई का गठनः हाई स्कूल दैली के शिक्षक श्रीकांत बिमल बने प्रखंड अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।नालंदा जिले के हरनौत बाजार के एक निजी स्कूल में रविवार को बीपीएससी अध्यापक संघ प्रखंड इकाई हरनौत की एक बैठक शिक्षक रविकांत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में बीपीएससी अध्यापक संघ की जिला अध्यक्ष सुरज विद्यार्थी,महासचिव प्रवीण कुमार, सचिव विकाश कुमार , उपाध्यक्ष शिवशंकर कुमार , जिला प्रवक्ता राज आर्यन की उपस्थिति में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। संगठन की मजबूती के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में बीपीएससी शिक्षकों की विभिन्न विभागीय एवं स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गयी। संगठन को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान पर जोर दिया गया।प्रखंड स्तर पर संगठन का विस्तार और भविष्य की रणनीतियों का निर्धारण करने पर चर्चा किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से हरनौत प्रखंड इकाई के लिए अध्यक्ष पद पर नेहुसा पंचायत के दैली गांव में स्थित हाई स्कूल के शिक्षक श्रीकांत बिमल को तीन साल के लिए मनोनीत किया गया। बैठक के अंत में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सूरज विद्यार्थी ने कहा कि संघ शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा और जल्द ही जिले सहित प्रखंड के सभी शिक्षकों को एकजुट कर समस्याओं के निराकरण के लिए ठोस कदम उठाएगी।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात, मधुबनी जिला के पंडौल में सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» विधायक माधव आनंद बोले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित बिहार की सबसे मजबूत नींव

मधुबनी/ बिहार।जिले के पंडौल प्रखंड स्थित कामेश्वर हाई स्कूल, पंडौल को विकसित कर स्थापित किए गए सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) के शुभारंभ एवं नए शैक्षणिक सत्र के उद्घाटन समारोह का आयोजन रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऑनलाइन माध्यम से विद्यालय का लोकार्पण किया।समारोह में मधुबनी विधानसभा के विधायक माधव आनंद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत-गान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने विधायक माधव आनंद का आत्मीय स्वागत किया।इस अवसर पर विधायक माधव आनंद ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक एवं ऐतिहासिक बदलाव लाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियो को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध होगी।उन्होने कहा कि बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास यह साबित करते हैं कि बिहार का भविष्य उज्ज्वल है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और चरित्र निर्माण की सबसे सशक्त नींव है। ऐसे विद्यालय नई पीढ़ी को बेहतर अवसर, नई सोच और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करेगे।माधव आनंद ने विद्यालय परिवार, शिक्षको एवं अभिभावको को शुभकामनाए देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार और समाज दोनों की समान जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह आदर्श विद्यालय पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा और विकसित, आत्मनिर्भर तथा समृद्ध बिहार के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगो की सशस्त्र सीमा बल ने बचाई जान, समय पर उपचार से मिली राहत

नई सोच एक्सप्रेस

» 18वीं वाहिनी के जवानो ने मौके पर दिया प्राथमिक उपचार, अचेत युवक को सीपीआर देकर अस्पताल पहुंचाया

मधुबनी/बिहार।18वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) राजनगर के जवानों ने रविवार को मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों की त्वरित सहायता कर उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। समय पर प्राथमिक उपचार एवं अस्पताल पहुंचाए जाने के कारण दोनो घायलों की स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 18वीं वाहिनी की नई लोकेशन परिहारपुर में कमांडेंट खोजा राम लमरोर के निर्देशन में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना दी कि वाहिनी के मुख्य द्वार से करीब 100 मीटर राजनगर की ओर वर्षा के कारण सड़क पर अत्यधिक फिसलन होने से एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है।दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक संतोष, पिता लखीचंद पासवान, निवासी ग्राम आमचारी आर्धामंठ, जिला मधुबनी तथा उनके साथ सवार उनकी सास फुलो देवी, निवासी ग्राम रखवारी, जिला मधुबनी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में दोनो के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सो में चोटें आईं, जबकि चालक संतोष घटनास्थल पर अचेत हो गया।सूचना मिलते ही उप कमांडेंट अजीत सिंह के नेतृत्व में एसएसबी के प्रशिक्षित जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अचेत चालक को घटनास्थल पर ही सीपीआर देकर उसकी हालत सामान्य करने का प्रयास किया गया। इसके बाद दोनों घायलों को वाहिनी के वाहन से मेडिक की निगरानी में तत्काल सदर अस्पताल, मधुबनी पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज शुरू कराया गया।उपचार के दौरान घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। चिकित्सको के अनुसार दोनों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर है।इस मानवीय पहल के लिए 18वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल के जवानों की स्थानीय लोगों एवं घायलों के परिजनों ने सराहना की है। एसएसबी ने एक बार फिर साबित किया कि वह सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ आपदा एवं आपात स्थिति में आमजन की सहायता और मानव जीवन की रक्षा के लिए भी सदैव तत्पर रहती है।

पितृपक्ष मेला 2026ः गया नगर निगम की हाईटेक और स्वच्छ मेले की तैयारी, 30 हजार अतिरिक्त सफाईकर्मी होंगे तैनात

नई सोच एक्सप्रेस

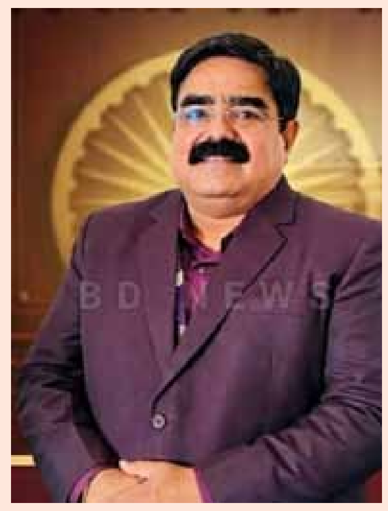

गया।26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला को इस वर्ष हाईटेक, स्वच्छ और सुविधाजनक बनाने के लिए गया नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर निगम बोर्ड की बैठक में मेयर डॉ. वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान की अध्यक्षता में तैयारियों की समीक्षा की गई। नगर आयुक्त डॉ. गगन (भाप्रसे) ने बताया कि इस बार श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की तर्ज पर शहर को चार जोन और 54 सेक्टर में विभाजित कर सफाई व्यवस्था की जाएगी तथा 30 हजार अतिरिक्त सफाईकर्मी शिफ्टवार तैनात रहेंगे। फल्गु नदी की सफाई ट्रैश क्लीनिंग बोट से होगी, जबकि सूर्यकुंड, अंदर गया, चांदचौरा समेत सभी प्रमुख तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में 49 हाईमास्ट, 34 मिनी हाईमास्ट, 3,500 स्ट्रीट लाइट और 7,500 तिरंगा रोप लाइट लगाई जाएंगी। पेयजल के लिए 299 हैंडपंप, 43 प्याऊ, 620 नल, 20 टैंकर और चार वाटर एटीएम की व्यवस्था होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 633 स्थायी शौचालयों की मरम्मत के साथ 240 अस्थायी शौचालय और 131 स्नानागार भी बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 70 स्वास्थ्य शिविर, 125 डॉक्टर, 178 पैरामेडिकल कर्मी, 12 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस और दो शव वाहन तैनात रहेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए एसडीआरएफ, अग्निशमन दल और स्टाम्पीड रोकथाम के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। शहर में 16 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए "पिंडदान गया" मोबाइल ऐप और वेबसाइट विकसित की जा रही है, जिसमें आवास, घाट, अस्पताल और अन्य आवश्यक सेवाओं की जानकारी उपलब्ध होगी। गांधी मैदान में टेंट सिटी भी बसाई जाएगी। मेयर डॉ. वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान ने कहा कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। विशेष रूप से फल्गु तट, विष्णुपद मंदिर, प्रेतशिला और रामशिला क्षेत्र में पिंडदान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य पितृपक्ष मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं वाला आयोजन बनाना है।

विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान से बालिका को अमेरिकी दंपत्ति को सौंपा गया

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा की मौजूदगी में सभी वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कर संपन्न हुई दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया जिला पदाधिकारी-सह-जिला दंडाधिकारी आनंद शर्मा की उपस्थिति में रविवार को विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, मधुबनी में आवासित एक बालिका को संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) के एक दंपत्ति को विधिवत दत्तक ग्रहण के लिए सौंपा गया। दत्तक ग्रहण की पूरी प्रक्रिया भारत सरकार के निर्धारित नियमों एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संपन्न कराई गई। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि दत्तक ग्रहण व्यवस्था निराश्रित एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के सुरक्षित पुनर्वास, समुचित देखभाल तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को पारिवारिक स्नेह, सुरक्षित वातावरण और बेहतर जीवन के अवसर मिलना चाहिए। दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया ऐसे बच्चो को प्रेमपूर्ण परिवार उपलब्ध कराकर उनके सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई नितेश कुमार पाठक, वरीय उप समाहर्ता ज्योति रानी, बाल संरक्षण पदाधिकारी अजय कुमार, विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान के समन्वयक भावेश कुमार झा सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पहली बारिश में धंसती सड़कें : विकास नहीं, व्यवस्था की विफलता

आरती कुमारी

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में एक्सप्रेसवे, आर्थिक गलियारे, हाई-स्पीड रेल, आधुनिक हवाई अड्डे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट शहरों जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का विस्तार हो रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान और विकास की गति का प्रतीक बताती हैं। लेकिन जब करोड़ों-अरबों रुपये की लागत से निर्मित सड़कें पहली ही बारिश में धंस जाती हैं, पुल उद्घाटन के कुछ समय बाद ही गिरने लगते हैं या सार्वजनिक भवनों की छतें ढह जाती हैं, तब यह केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं रह जाती, बल्कि पूरे शासन तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है।

हाल ही में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की सड़क का उद्घाटन के महज ढाई महीने बाद पहली ही बरसात में धंस जाना इसी गंभीर समस्या का ताजा उदाहरण है। जिस परियोजना को आधुनिक भारत के विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का प्रतीक बताया गया था, वही पहली प्राकृतिक परीक्षा में असफल साबित हुई। सड़क धंसने के कारण कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुए। सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह दुर्घटना एक बड़ा सवाल छोड़ गई क्या हमारी विकास परियोजनाएं वास्तव में गुणवत्ता के मानकों पर खरी उतर रही हैं या केवल उद्घाटन और प्रचार तक सीमित हैं?

यह प्रश्न केवल दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक निर्माण से जुड़ी ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं जिन्होंने जनता का विश्वास कमजोर किया है। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों का गिर जाना पूरे देश के लिए चिंता का विषय बना। एक ही दिन कई पुल-पुलियों का धराशायी होना किसी सामान्य तकनीकी त्रुटि का परिणाम नहीं माना जा सकता। यह निर्माण प्रणाली की गंभीर खामियों और गुणवत्ता नियंत्रण की विफलता की ओर संकेत करता है।

इसी प्रकार गुजरात के मोरबी पुल हादसे में 135 लोगों की दर्दनाक मौत हुई। कोलकाता में विवेकानंद फ्लाईओवर का गिरना, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का ढहना तथा मुंबई के घाटकोपर में विशाल होर्डिंग गिरने से हुई जनहानि भी सार्वजनिक निर्माण व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करती है। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि समस्या किसी एक राज्य, एक विभाग या एक परियोजना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता और निगरानी से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है।

अक्सर ऐसी घटनाओं के बाद भारी वर्षा, प्राकृतिक आपदा या अप्रत्याशित मौसम को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास किया जाता है। लेकिन यह तर्क तब कमजोर पड़ जाता है जब कोई सड़क पहली ही बारिश में धंस जाए, पुल उद्घाटन के कुछ समय बाद ही टूट जाए या भवन की छत सामान्य वर्षा में गिर जाए। आधुनिक इंजीनियरिंग विज्ञान का उद्देश्य ही प्राकृतिक परिस्थितियों का सामना करने योग्य संरचनाएं तैयार करना है। यदि कोई निर्माण पहली ही परीक्षा में असफल हो जाता है, तो दोष प्रकृति का नहीं बल्कि निर्माण प्रक्रिया, डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण या निगरानी का माना जाएगा।

सड़कें, पुल और सार्वजनिक भवन केवल कंक्रीट और लोहे के ढांचे नहीं होते। वे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा होते हैं। इन्हीं के माध्यम से उद्योगों तक कच्चा माल पहुंचता है, किसानों की उपज बाजारों तक जाती है, विद्यार्थी स्कूल-कॉलेज पहुंचते हैं, मरीज अस्पताल पहुंचते हैं और व्यापारिक गतिविधियां संचालित होती हैं। यदि यही आधारभूत संरचनाएं असुरक्षित हो जाएं, तो इसका प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं रहता बल्कि आर्थिक विकास, निवेश और जनता के विश्वास पर भी पड़ता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ऐसी घटनाओं के बाद कार्रवाई प्रायः औपचारिकता बनकर रह जाती है। दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने संबंधित अधिकारियों को निलंबित किया और निर्माण कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। पहली नजर में यह कार्रवाई सख्त दिखाई देती है, लेकिन अनुभव बताता है कि अधिकांश मामलों में यही कार्रवाई अंतिम परिणाम नहीं बनती। कई बार जांच लंबी चलती है, अधिकारी बहाल हो जाते हैं, ठेकेदार नए नाम से फिर सरकारी परियोजनाएं हासिल कर लेते हैं और मामला धीरे-धीरे सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है।

असल समस्या जवाबदेही के अभाव की है। किसी भी निर्माण परियोजना में डिजाइन तैयार करने वाले विशेषज्ञ, निर्माण करने वाली कंपनी, गुणवत्ता जांच करने वाली एजेंसी, भुगतान स्वीकृत करने वाले अधिकारी और अंतिम निरीक्षण करने वाले इंजीनियर सभी की भूमिकाएं स्पष्ट होती हैं। इसके बावजूद जब कोई दुर्घटना होती है तो व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप दंड का भय समाप्त हो जाता है और भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता है।

देश में सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं के संबंध में लंबे समय से यह आरोप लगते रहे हैं कि ठेका प्रक्रिया से लेकर भुगतान तक अनेक स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। यदि परियोजना की लागत का एक बड़ा हिस्सा कमीशन और अवैध लेन-देन में खर्च हो जाए तो निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। ऐसे में घटिया सामग्री का उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी और समय से पहले परियोजना पूरी करने का दबाव मिलकर ऐसी संरचनाएं तैयार करते हैं जो लंबे समय तक टिक नहीं पातीं।

यह भी एक गंभीर विडंबना है कि भारत में दुर्घटना के बाद जांच तो होती है, लेकिन सुधार कम दिखाई देता है। जांच समितियां बनती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, लेकिन व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन नहीं आता। कई मामलों में जांच रिपोर्टें सार्वजनिक भी नहीं होतीं। यदि रिपोर्टें आती भी हैं तो उन पर अमल की स्थिति स्पष्ट नहीं होती। परिणाम यह होता है कि कुछ महीनों बाद फिर किसी अन्य राज्य में वैसी ही दुर्घटना सामने आ जाती है।

विकसित देशों में भी कभी-कभी पुल गिरते हैं या निर्माण संबंधी दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन वहां प्रत्येक हादसे के बाद पूरी प्रणाली की समीक्षा की जाती है। निर्माण मानकों में सुधार होता है, नियमों को और कठोर बनाया जाता है तथा दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाती है। भारत में भी इसी प्रकार की जवाबदेह व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है।

आज तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि निर्माण कार्यों की निगरानी पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकती है। ड्रोन सर्वेक्षण, डिजिटल मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित गुणवत्ता विश्लेषण, सेंसर तकनीक, जीआईएस मैपिंग और रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग जैसी प्रणालियां बड़े पैमाने पर उपलब्ध हैं। यदि इनका उपयोग अनिवार्य कर दिया जाए तो निर्माण के दौरान होने वाली अनेक तकनीकी त्रुटियों को समय रहते रोका जा सकता है।

सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं में स्वतंत्र थर्ड-पार्टी गुणवत्ता ऑडिट को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। जिस एजेंसी ने निर्माण कराया हो, वही उसकी गुणवत्ता का प्रमाणपत्र दे, यह व्यवस्था हितों के टकराव को जन्म देती है। गुणवत्ता जांच पूरी तरह स्वतंत्र संस्था द्वारा की जानी चाहिए और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि नागरिक भी उसे देख सकें।

इसके साथ ही निर्माण सामग्री की डिजिटल ट्रैकिंग की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। किस परियोजना में किस गुणवत्ता का सीमेंट, स्टील और अन्य सामग्री उपयोग हुई, उसका पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होना चाहिए। इससे किसी भी स्तर पर गड़बड़ी होने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।

परियोजना पूरी होने के बाद केवल उद्घाटन करना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। प्रत्येक बड़े निर्माण की कम-से-कम पांच वर्ष तक नियमित तकनीकी निगरानी की व्यवस्था होनी चाहिए। यदि इस अवधि में निर्माण संबंधी गंभीर दोष सामने आते हैं तो उसकी पूरी जिम्मेदारी निर्माण कंपनी और संबंधित अधिकारियों की तय होनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण सुधार व्यक्तिगत जवाबदेही का है। यदि किसी अधिकारी, इंजीनियर या ठेकेदार की लापरवाही से सार्वजनिक धन की बर्बादी होती है या जनहानि होती है, तो केवल निलंबन पर्याप्त नहीं है। ऐसे मामलों में आर्थिक दंड, सेवा से बर्खास्तगी, ब्लैकलिस्टिंग और आवश्यक होने पर आपराधिक मुकदमे जैसी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। जब तक भ्रष्टाचार की वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी, तब तक भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाना कठिन होगा।

जनप्रतिनिधियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। संसद और विधानसभाओं में केवल नई परियोजनाओं की घोषणा ही नहीं, बल्कि पहले से पूरी हो चुकी परियोजनाओं की गुणवत्ता और प्रदर्शन पर भी चर्चा होनी चाहिए। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों और गुणवत्ता ऑडिट रिपोर्टों पर गंभीर विमर्श आवश्यक है।

साथ ही नागरिक समाज और मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक बार मीडिया की खोजी रिपोर्टों के कारण निर्माण संबंधी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। यदि नागरिकों को परियोजनाओं से संबंधित जानकारी पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराई जाए तो सामाजिक निगरानी भी मजबूत होगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी।

भारत अगले कुछ वर्षों में विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना अनिवार्य है। लेकिन विश्वस्तरीय अवसंरचना केवल लागत, लंबाई या उद्घाटन समारोह से नहीं बनती। उसकी पहचान उसकी मजबूती, टिकाऊपन, सुरक्षा और पारदर्शिता से होती है।

विकास का वास्तविक अर्थ यह नहीं कि हर वर्ष नई परियोजनाओं की घोषणा हो, बल्कि यह है कि जो परियोजनाएं बनें, वे दशकों तक सुरक्षित और भरोसेमंद रहें। यदि पहली ही बारिश में सड़कें धंस जाएं, पुल टूट जाएं और सार्वजनिक भवन असुरक्षित साबित हों, तो विकास के दावों की चमक स्वतः फीकी पड़ जाती है।

इसलिए अब आवश्यकता केवल नई सड़कें और पुल बनाने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करने की है जिसमें गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता हो, जवाबदेही स्पष्ट हो, भ्रष्टाचार के लिए शून्य सहनशीलता हो और प्रत्येक सार्वजनिक परियोजना जनता के विश्वास पर खरी उतरे। क्योंकि विकास की मजबूत इमारत केवल कंक्रीट और स्टील से नहीं, बल्कि ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की मजबूत नींव पर ही खड़ी होती है। तभी भारत का विकास स्थायी, सुरक्षित और वास्तव में विश्वस्तरीय बन सकेगा।

भारत की नई अंतरिक्ष उड़ान : विक्रम-1 ने खोला आत्मनिर्भर अंतरिक्ष युग का स्वर्णिम द्वार

निजी नवाचार, राष्ट्रीय संकल्प और वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत का ऐतिहासिक कदम

आचार्य अशोक चौधरी "प्रियदर्शी"
कटिहार, बिहार

जब कोई राष्ट्र इतिहास रचता है तो वह केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि प्राप्त नहीं करता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए नए आत्मविश्वास, नए अवसर और नई संभावनाओं का द्वार भी खोलता है। भारत के लिए विक्रम-1 की सफल कक्षीय उड़ान ऐसा ही एक ऐतिहासिक क्षण है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं, बल्कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता, युवा प्रतिभा, आत्मनिर्भरता और निजी उद्यम की शक्ति का सशक्त उद्घोष है। इस मिशन की सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जहाँ निजी क्षेत्र ने सफलतापूर्वक कक्षीय प्रक्षेपण क्षमता का प्रदर्शन किया है। लगभग 450 किलोमीटर की ऊँचाई पर पेलोड स्थापित करने की यह उपलब्धि भारतीय अंतरिक्ष यात्रा में एक नए अध्याय का सूत्रपात करती है। आज से कुछ दशक पहले अंतरिक्ष विज्ञान केवल महाशक्तियों और सरकारी संस्थाओं तक सीमित माना जाता था। विशाल संसाधन, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और दीर्घकालिक निवेश के कारण यह क्षेत्र सामान्य उद्योगों की पहुँच से बाहर समझा जाता था। भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के माध्यम से सीमित संसाधनों में विश्व को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य और अनेक सफल प्रक्षेपणों का उदाहरण दिया। अब उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए निजी क्षेत्र ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय प्रतिभा केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से भी विश्वस्तरीय उपलब्धियाँ अर्जित कर सकती है। इस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने की नीति ने वास्तविक परिणाम देने शुरू कर दिए हैं। वर्ष 2020 के बाद अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए नीतिगत सुधारों ने नए उद्यमों, वैज्ञानिकों और अभियंताओं के लिए अवसरों के द्वार खोले। आज विक्रम-1 की सफलता उसी दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है। यह उपलब्धि बताती है कि जब सरकार नीति और आधारभूत संरचना उपलब्ध कराती है तथा युवा नवोन्मेषक साहस और परिश्रम के साथ आगे बढ़ते हैं, तब असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। विक्रम-1 की सफलता केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्व का वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाज़ार तीव्र गति से विस्तार कर रहा है। छोटे उपग्रहों, संचार, मौसम, कृषि, रक्षा, नौवहन और इंटरनेट सेवाओं की बढ़ती माँग के कारण कम लागत वाले प्रक्षेपण वाहनों की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है। भारत यदि इस क्षेत्र में विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी सेवाएँ प्रदान करता है तो विदेशी मुद्रा अर्जन, उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों का विकास और लाखों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का भी प्रमुख आधार बन चुका है। यह सफलता भारत के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। आज का युवा केवल नौकरी पाने का स्वप्न नहीं देख रहा, बल्कि नई तकनीक विकसित कर विश्व को दिशा देने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, अर्धचालक प्रौद्योगिकी, रक्षा निर्माण और गहन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत के नवप्रवर्तक लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। विक्रम-1 ने यह संदेश दिया है कि यदि प्रतिभा को अवसर मिले तो भारतीय युवा किसी भी वैश्विक चुनौती का सामना कर सकते हैं। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। आज अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक अनुसंधान का क्षेत्र नहीं रहा, बल्कि संचार, सीमाओं की निगरानी, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, नौवहन, कृषि, समुद्री सुरक्षा और राष्ट्रीय रक्षा का आधार बन चुका है। स्वदेशी प्रक्षेपण क्षमता जितनी व्यापक होगी, भारत की सामरिक क्षमता भी उतनी ही सुदृढ़ होगी। निजी क्षेत्र की भागीदारी से इस दिशा में गति और नवाचार दोनों बढ़ेंगे। भारत की अंतरिक्ष यात्रा का सबसे बड़ा गुण सदैव उसकी विश्वसनीयता और कम लागत रही है। अनेक देशों ने अपने उपग्रह भारत से प्रक्षेपित कराए हैं क्योंकि भारत ने गुणवत्ता और लागत के बीच उत्कृष्ट संतुलन स्थापित किया है। यदि निजी भारतीय कंपनियाँ भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाती हैं, तो निकट भविष्य में भारत वैश्विक अंतरिक्ष प्रक्षेपण बाज़ार में और अधिक प्रभावशाली स्थान प्राप्त कर सकता है। विक्रम-1 की सफलता हमें यह भी स्मरण कराती है कि महान उपलब्धियाँ अचानक प्राप्त नहीं होतीं। इनके पीछे वर्षों का अनुसंधान, हजारों वैज्ञानिकों और अभियंताओं का परिश्रम, अनेक परीक्षण, असफलताओं से सीखने का साहस और निरंतर सुधार की संस्कृति होती है। इसलिए इस उपलब्धि का सम्मान केवल अंतिम प्रक्षेपण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी अनाम हाथों के प्रति भी है जिन्होंने इस स्वप्न को साकार करने में योगदान दिया। भारत आज "ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था" की ओर बढ़ रहा है। यदि अंतरिक्ष विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम संगणना और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश और अनुसंधान इसी गति से आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी का अग्रणी निर्माता और निर्यातक भी बनेगा। विक्रम-1 इस परिवर्तन का एक सशक्त प्रतीक है। यह उपलब्धि हमें एक और संदेश देती है—सरकार और निजी क्षेत्र प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि विकास यात्रा के सहयात्री हैं। जब सार्वजनिक संस्थाओं का दशकों का अनुभव और निजी क्षेत्र की नवाचारी ऊर्जा एक साथ कार्य करती है, तब राष्ट्र की सामूहिक शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। यही मॉडल भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है। निस्संदेह, इस सफलता के बाद चुनौतियाँ भी कम नहीं होंगी। नियमित वाणिज्यिक प्रक्षेपण, अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों का विश्वास, तकनीकी उत्कृष्टता, सुरक्षा मानकों का पालन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निरंतर श्रेष्ठ बने रहना अगला लक्ष्य होगा। किंतु पहली ऐतिहासिक सफलता यह विश्वास अवश्य दिलाती है कि भारत इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।

विकसित भारत के सपनों पर मंडराता संकट

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारतीय परिवेश में एक बड़ा ही मशहूर शब्द है "पलायन"। इसे बोलना जितना सरल होता है, समझना उतना ही कठिन और रोकना शायद प्रकृति के नियमों को चुनौती देने जैसा। संसार का प्रत्येक जीव बेहतर जीवन, अधिक सुरक्षा और अधिक अवसर की तलाश में स्थान बदलता है। यही परिवर्तन जब मनुष्य के जीवन में आता है तो वह पलायन कहलाता है। लेकिन पलायन केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने का नाम नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति का परिणाम है जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान परिवेश से निराश होकर नए विकल्प तलाशने के लिए विवश हो जाता है। पलायन के भीतर दो भाव एक साथ कार्य करते हैं "मजबूरी और अपेक्षा"। मजबूरी व्यक्ति को वर्तमान से दूर करती है और अपेक्षा उसे भविष्य की ओर ले जाती है। यही कारण है कि कई बार इंसान अपने गांव, शहर, समाज और यहां तक कि अपनी जड़ों से भी दूर चला जाता है। इतिहास गवाह है कि पलायन सभ्यताओं के निर्माण का भी कारण बना है और उनके पतन का भी। अंतर केवल इतना है कि कहीं पलायन अवसर बन गया और कहीं अभिशाप। भारत में लंबे समय तक पलायन को केवल मजदूरों और रोजगार की समस्या से जोड़कर देखा गया। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पूर्वोत्तर के अनेक राज्यों से लाखों लोग रोजगार की तलाश में महानगरों की ओर जाते रहे हैं। यह आर्थिक पलायन था। इसके पीछे गरीबी, बेरोजगारी और विकास का असंतुलन प्रमुख कारण थे। लेकिन इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में पलायन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब केवल मजदूर नहीं, बल्कि डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षक और तकनीकी विशेषज्ञ भी बेहतर अवसरों की तलाश में संस्थान बदल रहे हैं। यह केवल नौकरी बदलना नहीं है, बल्कि प्रतिभा का पलायन है। आज चिंता इस बात की नहीं है कि लोग स्थान बदल रहे हैं, चिंता इस बात की है कि देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं भी अपने ही संस्थानों में स्वयं को असहज महसूस कर रही हैं। यदि राष्ट्र की सर्वाधिक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थाएं भी इस समस्या से अछूती नहीं रही, तो यह केवल प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है। अक्सर यह माना जाता है कि पलायन का अर्थ एक शहर या देश छोड़ देना है। वास्तव में यह केवल उसका बाहरी रूप है। वास्तविक पलायन तब शुरू होता है जब व्यक्ति अपने वर्तमान वातावरण से मानसिक रूप से जुड़ाव खो देता है। जब उसे लगता है कि उसकी प्रतिभा का सम्मान नहीं हो रहा, उसकी मेहनत का उचित मूल्यांकन नहीं हो रहा, उसकी योग्यता के अनुरूप अवसर नहीं मिल रहे, तब उसके भीतर असंतोष जन्म लेता है। यही असंतोष धीरे-धीरे उसे नए विकल्पों की ओर ले जाता है। कोई भी व्यक्ति जन्म से पलायनकारी नहीं होता है। वह परिस्थितियों के कारण ऐसा बनता है। यदि किसी संस्था में पारदर्शिता, सम्मान, विकास के अवसर और निष्पक्ष मूल्यांकन हो तो अधिकांश लोग उसी संस्था के साथ जुड़े रहना चाहते हैं। लेकिन जब व्यवस्था प्रतिभा से अधिक प्रक्रियाओं को महत्व देने लगे, जब योग्य व्यक्ति स्वयं को उपेक्षित महसूस करने लगे, तब पलायन लगभग स्वाभाविक हो जाता है। भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप संस्कृति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। ऐसे समय में यह अपेक्षा थी कि देश की प्रतिभाएं अधिक से अधिक राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ेगी। लेकिन वास्तविकता कुछ अलग संकेत दे रही है। आज का युवा केवल नौकरी नहीं चाहता है। वह ऐसा कार्यस्थल चाहता है जहां उसकी रचनात्मकता का सम्मान हो, निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी हो, वरिष्ठों से संवाद हो, शोध के लिए स्वतंत्र वातावरण मिले और उसके योगदान को पहचान मिले। वेतन महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है सम्मान, अवसर और आत्मसंतोष। यही कारण है कि आज प्रतिभाशाली युवा सरकारी संस्थानों की तुलना में निजी अनुसंधान संस्थानों, वैश्विक तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप्स की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत में नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में दिखाई देती है। अंतर केवल इतना है कि विकसित देशों ने अपनी संस्थागत व्यवस्थाओं को समय के साथ बदला, जबकि भारत में अनेक संस्थान अभी भी पारंपरिक प्रशासनिक ढांचे में काम कर रहे हैं। जब भी भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों की चर्चा होती है तो सबसे पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन "इसरो" का नाम लिया जाता है। सीमित संसाधनों में असाधारण उपलब्धियां प्राप्त करना इस संस्था की पहचान रही है। आर्यभट्ट उपग्रह से लेकर चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य मिशन और अंतरिक्ष प्रक्षेपण तकनीक तक इसरो ने विश्व को अनेक बार चौंकाया है। कम लागत में जटिल अंतरिक्ष मिशन पूरे करना इस संस्था की वैश्विक पहचान बन चुका है। आज अनेक देश अपने उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए भारत पर भरोसा करते हैं। इन सफलताओं के पीछे केवल तकनीक नही है, बल्कि हजारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और कर्मचारियों की दशकों की मेहनत छिपी है। इसलिए इसरो केवल एक संस्था नहीं है, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। इतनी सफल संस्था के संदर्भ में यदि प्रतिभाओं के पलायन की चर्चा होने लगे तो यह स्वाभाविक रूप से चिंता का विषय बन जाता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरा संस्थान संकट में है, क्योंकि आज भी हजारों वैज्ञानिक पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। लेकिन यदि लगातार अनुभवी वैज्ञानिक या युवा शोधकर्ता बेहतर अवसरों के लिए संस्थान छोड़ने का निर्णय लेते हैं, तो इसे केवल व्यक्तिगत निर्णय कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। किसी भी वैज्ञानिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसकी इमारतें या उपकरण नहीं होती है, बल्कि वहां कार्य करने वाले लोग होते हैं। यदि वही लोग स्वयं को असंतुष्ट महसूस करने लगे, तो दीर्घकाल में इसका प्रभाव अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत संस्कृति पर पड़ना स्वाभाविक है। यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि यदि आज प्रतिभा पलायन की चर्चा हो रही है तो पहले क्यों नहीं होती थी? इसके कई कारण हैं। पहला कारण यह है कि पहले सरकारी वैज्ञानिक संस्थान ही शोध और तकनीकी विकास के सबसे बड़े केंद्र थे। निजी क्षेत्र में अवसर सीमित थे। विदेश जाना भी आज जितना आसान नहीं था। इसलिए प्रतिभाशाली लोग संस्थान के भीतर ही अपने करियर का निर्माण करते थे। दूसरा कारण यह था कि उस समय सामाजिक प्रतिष्ठा सरकारी वैज्ञानिक बनने से जुड़ी थी। सीमित वेतन के बावजूद लोग अपने कार्य को राष्ट्रसेवा मानते थे। तीसरा कारण यह है कि प्रतिस्पर्धा अपेक्षाकृत कम थी। आज दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। वैश्विक कंपनियां भारतीय प्रतिभाओं को सीधे अवसर दे रही हैं। स्टार्टअप्स आकर्षक वेतन, बेहतर अनुसंधान वातावरण और तेज़ निर्णय प्रक्रिया उपलब्ध करा रहे हैं। आज के युवा के सामने विकल्प अधिक हैं। इसलिए वह समझौता करने के बजाय अवसर चुनता है। नई पीढ़ी महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह महत्वाकांक्षा केवल आर्थिक नहीं है। वह अपने कार्य का प्रभाव देखना चाहती है। वह निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी चाहती है। वह पारदर्शिता चाहती है। यदि उसे लगता है कि योग्यता से अधिक वरिष्ठता या औपचारिकता को महत्व दिया जा रहा है, तो उसका उत्साह कम होने लगता है। युवा वैज्ञानिक यह भी चाहते हैं कि उनके शोध को शीघ्र स्वीकृति मिले, नवीन विचारों को प्रोत्साहन मिले और संस्थागत संरचना नवाचार के अनुकूल हो। यदि उन्हें बार-बार प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़े तो उनकी ऊर्जा का बड़ा हिस्सा शोध के बजाय प्रक्रियाओं में खर्च होने लगता है। यही वह बिंदु है जहां प्रतिभा और व्यवस्था के बीच दूरी पैदा होती है। प्रतिभा का स्वभाव स्वतंत्र होता है। उसे निर्देशों की आवश्यकता होती है, लेकिन अनावश्यक नियंत्रण की नहीं। इतिहास बताता है कि महान खोजें हमेशा स्वतंत्र चिंतन के वातावरण में हुई हैं। यदि किसी वैज्ञानिक को यह महसूस हो कि उसके विचारों का मूल्यांकन निष्पक्ष नहीं हो रहा या उसकी प्रगति केवल औपचारिक प्रक्रियाओं पर निर्भर है, तो धीरे-धीरे उसका मनोबल प्रभावित होता है। ऐसे में वह वहां जाना पसंद करता है जहां उसके कार्य को अधिक महत्व मिले। इसका अर्थ यह नहीं कि अनुशासन आवश्यक नहीं है। बल्कि वैज्ञानिक संस्थानों में अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। किंतु अनुशासन और अनावश्यक नौकरशाही के बीच एक स्पष्ट अंतर होता है। जहां यह अंतर समाप्त हो जाता है, वहीं से असंतोष जन्म लेने लगता है।

मेष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके लिए शुभ समाचार लाएगी। आज प्रबंधन और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज बड़ा इनाम या सराहना मिल सकती है ,आज व्यापारियों के लिए मुनाफे का योग बन रहा है। आज घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए आज आप कुछ खास प्रयास करेंगे। शुभ अंक- 2

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके जीवन में नयी खुशियांआयेंगी। आज जो युवा घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। विद्यार्थी आज कुछ विशेष ऐक्टीविटीज करेंगे आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिए प्रोत्साहनमिल सकता है पदोन्नति के असार है। शुभ अंक- 9

मिथुन राशि : आज आपका दिन शुभफलदायक रहेगा। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। आज निवेश से जुड़ी गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा ,उनके अनुभव और सलाह आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। आज संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। आज वाहन सुख मिलने के योग है। शुभ अंक- 6

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी क्योंकि सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से आज मजबूत होंगे। आज पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिए आज आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। शुभ अंक- 4

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। किसी नजदीकी मित्र से मुलाकात आज मन को खुशी देगी और खास विषयों पर विचार-विमर्श भी होगा। आज मोबाईल स्क्रीन टाइम काम करें अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। आज समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से स्थिति बेहतर होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे। शुभ अंक- 1

कन्या राशि : आज आपका दिन पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का परिणाम आज आपको मिल सकता है। आज आपको बिजनेस में बड़े बेटे का सहयोग मिलेगा। आज महिलाओं को मायके पक्ष से खुशखबरी मिलने वाली है। शुभ अंक- 5

तुला राशि : आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा जिससे कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं। शुभ अंक- 9

वृश्चिक राशि : आज आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी जिससे आपकी समस्त गतिविधियां भी व्यवस्थित होती जाएंगी। उधार दिए हुए पैसों की आज वापसी संभव है। किसी काम की शुरुआत नये सिरे से कर सकते हैं। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आज आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, आज उन्हें कार्यक्षेत्र में अवॉर्ड मिल सकता है। शुभ अंक- 3

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आज आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा,आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आज आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं आपको उस काम के लिए सर्टिफिकेट भी मिल सकता है। शुभ अंक- 6

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए शुभ अवसर प्रदान करने वाला रहेगा। अगर आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो उसमे निश्चित ही सफल होने के योग बन रहे हैं आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है। जो छात्र उच्च शिक्षा के लिए किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने के लिए परीक्षाएं दे रहे हैं। शुभ अंक- 7

कुंभ राशि : आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर होंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर मिलेगा। आज विदेश से नौकरी के लिए आपको बढ़िया पैकेज वाला ऑफर मिल सकता है। जो छात्र विज्ञान में रुचि रखते हैं। शुभ अंक- 4

मीन राशि :आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आज आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आज आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है। आज आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। शुभ अंक- 1

संक्षिप्त समाचार

5 अगस्त की ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए जल्द जमा करें इन्यूमरेशन फॉर्म

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने भरे हुए और हस्ताक्षरित इन्यूमरेशन फॉर्म जल्द से जल्द बीएलओ को उपलब्ध करा दें, ताकि एसआईडीएफटी सूची और डिजिटाइजेशन का कार्य समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल उन्हीं मतदाताओं का नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल होगा, जिन्होंने अपना फॉर्म जमा कर दिया होगा। उन्होंने बताया कि राज्य में बीएलओ द्वारा 97.81 प्रतिशत यानी 2.58 करोड़ से अधिक मतदाताओं तक घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचा दिए गए हैं। वहीं, अब तक 1.73 करोड़ से अधिक भरे हुए फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में फॉर्म जमा करने की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी है। इसे तेज करने के लिए 20 जुलाई को राज्य के सभी शहरी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप लगाया जाएगा, जहां मतदाता फॉर्म जमा कर सकेंगे और जिन लोगों को अब तक फॉर्म नहीं मिला है, वे उसे प्राप्त भी कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 22 जुलाई को सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और बीएलए-2 की तीसरी बैठक तथा चुनाव पाठशाला का आयोजन किया जाएगा, ताकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा सके।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन, नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का हुआ चयन

हजारीबाग। स्थानीय बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में समाज की एकजुटता, मजबूती, सामाजिक विकास और संगठन के व्यापक विस्तार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन बोकारो से पधारे सत्येंद्र पांडेय ने किया। बैठक में हजारीबाग समेत आस-पास के जिलों से सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध लोग और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय और मजबूत बनाना था। इस क्रम में सर्वसम्मति से विचार-विमर्श के बाद नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं समिति सदस्यों का चयन किया गया, जिसकी सूची निम्नानुसार घोषित की गई है :संरक्षक (5 सदस्य)मुनीलाल पांडेय, जनार्दन पांडेय, कौलेश्वर मिश्र, देवचरण पांडेय, प्रयाग पांडेय, सुनील कु. पांडेय,प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय,उपाध्यक्ष विजय पांडेय, महासचिव आचार्य सत्येंद्र शांडिल्य, प्रदेश प्रवक्ता नन्द किशोर पांडेय, कोषाध्यक्ष सत्येन्द्र पांडेय, प्रदीप पांडेय, संगठन मंत्री रोहित पांडेय ,कामेश्वर पांडेय ,मीडिया प्रभारी संदीप पांडेय,कार्यकारिणी सदस्य सुबोध पांडेय, सत्येंद्र पांडेय, कृष्णा पांडेय, गिरजा पांडेय, दिगम्बर पांडेय , संस्कृति विभाग गोपाल पांडेय लूंदर ,सलाहकार समिति प्रभारी अनिल पांडेय लुंदरू,अनिल पांडेय चतरा, प्रकाश पांडेय (बरई) का चयन सर्व सम्मति से किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी पांडेय ने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति उसके सदस्यों के आत्मसम्मान और एकजुटता पर निर्भर करती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "समाज के हर व्यक्ति को अपने आत्मसम्मान और गरिमा को सर्वोपरि समझना चाहिए। जब हम स्वयं अनुशासित और गौरवान्वित होंगे, तभी समाज का वास्तविक कल्याण और विकास संभव है। बैठक के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, युवाओं को संस्कारवान बनाने और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मदद करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सभी ने एक सुर में कहा कि समाज के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। बैठक के दौरान विजय पांडेय, गिरजा पांडेय, प्रभाकर पांडेय, प्रयाग पांडेय, रोहित, राजेंद्र, गिरजा, सुनील, पंकज, प्रदीप, जनार्दन और राजेंद्र पांडेय समेत अन्य सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय वार्डन का व्हाट्सएप अकाउंट किया हैक, मांगे रुपए

कटकमसांडी। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, की वार्डन खुशबू कुमारी का व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर साइबर अपराधियों ने उनके नाम पर लोगों से रुपए मांगने का प्रयास किया। हैकर्स ने उनकी संपर्क स में मौजूद लोगों को संदेश भेजा कि वह किसी जगह फंस गई हैं और मेरे मोबाइल से भुगतान नहीं हो पा रहा है। इस बात को को सही मानकर उनके कुछ लोगों ने बताए गए स्कैनर कोड पर राशि भी ट्रांसफर कर दी। वहीं कुछ लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए खुशबू कुमारी को फोन किया। तब पता चला कि उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो चुका है और मैसेज उन्होंने नहीं भेजा था। जानकारी मिलते ही खुशबू कुमारी ने तत्काल नजदीकी पुलिस थाना को सूचना दी। पुलिस की सहायता और आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया के बाद उनका व्हाट्सएप अकाउंट दोबारा सुरक्षित तरीके से रिस्टोर कर लिया गया। साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी व्यक्ति के नाम से पैसे मांगने वाला संदेश मिलने पर पहले उसे फोन कर सत्यापन कर के ही जवाब दे बिना पुष्टि किए कोड स्कैन कर या ऑनलाइन भुगतान न करें। व्हाट्सएप में टू-स्टेप वेरिफिकेशन (टू स्टेप वेरिफिकेशन) अवश्य चालू करें, मजबूत और अलग पासवर्ड रखें तथा किसी भी ओटीपी या सत्यापन कोड को किसी के साथ साझा न करें। थोड़ी-सी सतर्कता आपको साइबर ठगी का शिकार बनने से बचा सकती है, और किसी भी तरह का साइबर ठगी होने पर साइबर थाना से तुरंत संपर्क करें।

चतरा राज्य के पूर्व मंत्री श्री सत्यानन्द भोगता जी जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में हुए शामिल

चतरा। राज्य के पूर्व मंत्री श्री सत्यानन्द भोगता जी आज एक दिवसीय दौरे पर लातेहार पहुँचे। इस दौरान श्री भोगता जी जिला मुख्यालय स्थित नगर भवन में राष्ट्रीय जनता दल जिला लातेहार के द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए एवं संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में माननीय मंत्री श्री संजय प्रसाद यादव जी, माननीय विधायक श्री संजय सिंह यादव जी, माननीय विधायक श्री सुरेश पासवान जी, माननीय विधायक श्री नरेश सिंह जी, चतरा लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी आदरणीय श्री सुभाष यादव जी की संयुक्त रूप से बतौर मुख्य अतिथि गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल हमेशा सामाजिक न्याय, समानता और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहा है। संगठन की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को गांव गांव घर घर पहुँच कर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन जन तक पहुँचाने का कार्य करना चाहिए। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) श्रीमती रश्मि प्रकाश, लातेहार जिलाध्यक्ष रामप्रवेश यादव, चतरा जिलाध्यक्ष नवलकिशोर यादव, राजद प्रदेश महासचिव अरुण कुमार यादव समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ इंडिया ने किसान दिवस पर आयोजित किया भव्य कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। बैंक ऑफ इंडिया, चतरा द्वारा शनिवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) सह प्रशिक्षण भवन सभागार में किसान दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को बैंकिंग सेवाओं, कृषि वित्तपोषण एवं सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से जोड़ते हुए उनकी आर्थिक समृद्धि एवं आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधक श्री अमिताभ बनर्जी ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया किसानों के सर्वांगीण विकास एवं कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि ऋण, डिजिटल बैंकिंग एवं बैंक की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से कृषि उत्पादन के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। अंचल प्रबंधक श्री नरेंद्र कुमार ने कृषि वित्तपोषण एवं वित्तीय समावेशन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार बताते हुए बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वहीं लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री एहसान अहमद, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री मृत्युंजय बक्शी, कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक तथा जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं, आजीविका संवर्धन एवं वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसान माह के तहत स्वीकृत लगभग छह करोड़ रुपये के कृषि ऋण के स्वीकृति पत्र किसानों के बीच वितरित किए गए। ऋण प्राप्त करने वाले किसानों ने बैंक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनकी कृषि गतिविधियों को गति मिलेगी तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायता प्राप्त होगी। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को सुना, बैंकिंग सेवाओं से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा कृषि एवं बैंकिंग योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रबंधक श्री नरेंद्र कुमार, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री एहसान अहमद, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री मृत्युंजय बक्शी, कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न शाखा प्रबंधक, अधिकारी एवं जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

होमगार्ड जवानों के साथ अन्याय बंद करे सरकार : राफिया नाज़

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज़ ने झारखंड सरकार पर होमगार्ड जवानों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में ड्यूटी के दौरान पांच महीने से मानदेय नहीं मिलने पर एक महिला होमगार्ड जवान का रो पड़ना सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक महिला जवान की नहीं, बल्कि राज्य के हजारों होमगार्ड जवानों की पीड़ा को दर्शाती है। राफिया नाज़ ने कहा कि इससे पहले भी मानदेय नहीं मिलने से परेशान एक महिला होमगार्ड द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने की घटना सामने आ चुकी है, लेकिन सरकार ने अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद मानदेय बढ़ाने की घोषणा की गई थी, फिर भी कई जवानों का भुगतान महीनों से लंबित है। उन्होंने सरकार से लंबित मानदेय का जिला-वार विवरण सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान होमगार्ड जवानों को सेवा सुरक्षा, सम्मान और स्थायी रोजगार का भरोसा दिया गया था, लेकिन आज उन्हें अपने अधिकारों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलनों के दौरान जवानों के साथ कठोर व्यवहार किया गया और उनकी समस्याओं की अनदेखी की गई। राफिया नाज़ ने कहा कि राज्य में मंईयां सम्मान योजना, विधवा, दिव्यांग और वृद्धावस्था पेंशन से जुड़े लाभार्थी भी समय पर भुगतान नहीं मिलने से परेशान हैं। उन्होंने सरकार से सभी होमगार्ड जवानों का लंबित मानदेय तत्काल जारी करने, संशोधित मानदेय का नियमित भुगतान सुनिश्चित करने तथा सेवा सुरक्षा पर स्पष्ट नीति लागू करने की मांग की।

माननीय सांसद के निर्देश पर बेसा में नया ट्रांसफार्मर स्थापित, ग्रामीणों में खुशी

नई सोच एक्सप्रेस

टंडवा। प्रखंड अंतर्गत सोपारम टोला बेसा में पंद्रह दिनों से पसरा अंधेरा आखिरकार समाप्त हुआ। चतरा लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्री काली चरण सिंह जी के निर्देश पर बेसा में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन टंडवा प्रखंड सांसद प्रतिनिधि ईश्वर दयाल पांडेय, जिला परिषद सदस्या देवंती देवी एवं सीसीएल विधायक प्रतिनिधि विनय सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। सोपारम टोला बेसा के ग्रामीण पंद्रह दिनों से अंधेरे में रहने को मजबूर थे, बिजली संकट से जूझ रहे थे। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही थी, जिनकी रात में पढ़ाई पूरी तरह ठप पड़ गई थी। सोपारम टोला बेसा निवासी संजीव सिंह ने जब यह समस्या प्रखंड सांसद प्रतिनिधि ईश्वर दयाल पांडेय के समक्ष रखी, उन्होंने तत्काल इसके समाधान के लिए माननीय सांसद श्री काली चरण सिंह जी, माननीय विधायक श्री उज्ज्वल दास जी एवं बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को स्थिति से अवगत कराया। चतरा माननीय सांसद ने त्वरित समाधान के लिए बिजली विभाग को समुचित निर्देश दिया। जिसके बाद नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। ग्रामीणों ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए चतरा माननीय सांसद श्री काली चरण सिंह जी, माननीय विधायक श्री कुमार उज्ज्वल दास जी एवं बिजली विभाग के प्रति आभार जताया। मौके पर विशेष रूप में एनटीपीसी सांसद प्रतिनिधि सुनील चौरसिया, संजीव दास, निलेश पाठक, मनोज भुइयां, छोटू भुइयां, रंगू भुइयां, बेदी गंझू समेत कई लोग मौजूद थे।

वापसी रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी से श्रीमंदिर की ओर लौटे महाप्रभु, जयघोष से गूंजा चौपारण

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण (हजारीबाग)। श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के समापन अवसर पर रविवार को भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलराम एवं बहन देवी सुभद्रा वापसी रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी से श्रीमंदिर की ओर प्रस्थान किए। इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। भक्तों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ रथ की डोरी खींचकर स्वयं को धन्य महसूस किया। पूरा क्षेत्र "जय जगन्नाथ" के उद्घोष और भक्ति गीतों से गूंज उठा।वापसी रथयात्रा के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जोहन टुड्डू एवं अंचल अधिकारी संजय यादव ने भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।दोनों अधिकारियों ने रथ के समक्ष मत्था टेककर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया।रथयात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी भक्ति में सराबोर होकर रथ के दर्शन और डोरी खींचने के लिए उत्साहित नजर आए। आयोजन समिति एवं प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखी गईं, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महाप्रभु की वापसी रथयात्रा ने चौपारण में भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक एकता का अनुपम संदेश दिया।

एन.वाई.एस. इंटरनेशनल एकेडमी में विज्ञान प्रयोग एवं समन्वय गतिविधियों का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण (हजारीबाग)। एन.वाई.एस. इंटरनेशनल एकेडमी, बसरिया में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता एवं व्यावहारिक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।विद्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार नर्सरी से कक्षा 2 तक के बच्चों के लिए समन्वय गतिविधियों का आयोजन किया गया, जबकि कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान के लाइव प्रयोग आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को प्रयोगात्मक एवं अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया, जिससे उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासा, तार्किक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिल सके।कार्यक्रम में कक्षा 8 के किशन, सुमन, विवेक, ऋषभ, सोनम,रिया एवं स्नेहा,कक्षा 7 केआयुष,अनुराग ,अभिषेक,रूद्र,सुनीता,प्राची, गुनगुन एवं निशा, कक्षा 6 के लक्ष्य,आयुष,सत्यम, अल्तमस,साक्षी, रितिका, संध्या एवं अनुष्का,कक्षा 4 के अलका,रेवा,विशाल,शिवम,मयंक ऋषि एवं अनुराग तथा कक्षा 3 के अभिनंदन,शुभम,पियूष, श्रवण एवं युवराज ने विभिन्न विज्ञान प्रयोगों और गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल शैक्षणिक सफलता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए रचनात्मकता आत्मविश्वास,अनुशासन, सहयोग और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों का विकास भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से

» विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रत्येक सह-पाठ्यक्रम गतिविधि में पूरे उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गतिविधि कुछ नया सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने का सुनहरा अवसर होती है, इसलिए विद्यार्थी टीम भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें और विद्यालय का नाम गौरवान्वित करें।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के संस्थापक सुरेश शर्मा, प्रधानाचार्या, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

झारखंड आंदोलनकारी उमानाथ कोल की मौत पर आजसू का हमला, स्वास्थ्य मंत्री को ठहराया जिम्मेदार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने वरिष्ठ झारखंड आंदोलनकारी एवं प्राचीन कोल आदिवासी कल्याण समिति के केंद्रीय अध्यक्ष उमानाथ कोल की सड़क दुर्घटना के बाद इलाज के अभाव में हुई मौत पर राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री अपने गृह जिले जामताड़ा में भी स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने में विफल रहे हैं। प्रवीण प्रभाकर ने आरोप लगाया कि सड़क दुर्घटना में घायल उमानाथ कोल को फतेहपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां न डॉक्टर उपलब्ध थे और न ही एंबुलेंस। बाद में उन्हें जामताड़ा रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि यह राज्य की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि दो दिन पहले जामताड़ा सदर अस्पताल में इलाज में कथित लापरवाही के कारण एक प्रसूता की भी मौत हुई थी। इस मामले को उजागर करने पर स्वास्थ्य मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कराए, ऐसा आरोप उन्होंने लगाया। आजसू नेता ने कहा कि जामताड़ा सहित पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक है और आम जनता परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री केवल बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि धरातल पर स्वास्थ्य व्यवस्था में कोई सुधार नहीं दिख रहा।

(**नोटः** यह समाचार आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर द्वारा जारी बयान पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्री या स्वास्थ्य विभाग का पक्ष उपलब्ध होने पर उसे भी प्रकाशित किया जाना चाहिए।)

पेपर लीक से 7.5 करोड़ छात्रों का भविष्य प्रभावित, केंद्र सरकार जिम्मेदार : प्रदीप यादव

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने देश की परीक्षा प्रणाली और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पेपर लीक की घटनाओं ने करोड़ों युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है। रविवार को रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 से अब तक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के 152 पेपर लीक हुए, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्र-छात्राएं प्रभावित हुए हैं। प्रदीप यादव ने कहा कि पेपर लीक से परेशान होकर दो दर्जन से अधिक छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने का दावा किया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस गंभीर समस्या पर संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले छात्रों का भविष्य भ्रष्ट व्यवस्था की भेंट चढ़ रहा है, जबकि दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने राहुल गांधी की "छात्रों की गूंज" पहल का समर्थन करते हुए कहा कि यह अभियान छात्रों की आवाज को बुलंद करने और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण का प्रयास है। इस अवसर पर अभियान के संयोजक कुमार राजा ने बताया कि "छात्रों की गूंज" अभियान 28 शहरों में 40 दिनों तक चलाया जा रहा है। अभियान के तहत छात्र संवाद, मैराथन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रेसवार्ता और मशाल जुलूस जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष अभिलाष साहू, महासचिव सह मीडिया संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव तथा कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा भी मौजूद थे।

रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ का 56वां पदस्थापना समारोह सम्पन्न, राजा बागची बने अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ का 56वां पदस्थापना समारोह रविवार को तौरीयन वर्ल्ड स्कूल में आयोजित किया गया। समारोह में रोटेरियन राजा बागची ने वर्ष 2026–27 के लिए क्लब के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रोटेरियन शिवेन्द्र मोहन सचिव, रथिन भद्र कार्यकारी सचिव तथा योगेन्द्र साहू कोषाध्यक्ष बने। इस अवसर पर नवगठित कार्यकारिणी ने भी शपथ ली। मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग की निदेशक किरण कुमारी पासी (आईएएस) ने क्लब की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, दिव्यांगजन कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और कौशल विकास के क्षेत्र में सरकार के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट गवर्नर डॉ. विनय डी. धंधानिया और अशोक साह सहित विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारी मौजूद रहे। समारोह के दौरान तौरीयन वर्ल्ड स्कूल परिसर में 50 पौधों का रोपण किया गया तथा इंटरैक्ट क्लब का शुभारंभ किया गया। क्लब ने वर्ष 2025–26 में पर्यावरण, स्वास्थ्य, रक्तदान, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए 21 रोटेरियन्स को "सर्विस अबव सेल्फ अवार्ड" से सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों, जिनमें पल्लवी कुमारी (नई सोच एक्सप्रेस, पटना) भी शामिल हैं, को रोटरी की सेवा गतिविधियों के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। क्लब ने विशाल शाह (118 बार) और अतुल गेरा (120 बार) के स्वैच्छिक रक्तदान योगदान को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

कोयला लदा हाइवा पलटा, बड़ा हादसा टला; चालक को झपकी आने से बिगड़ा संतुलन

गिद्धौर (चतरा)।गिद्धौर थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव स्थित फुटबॉल मैदान के समीप रविवार तड़के करीब चार बजे कोयला लदा एक हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। समय रहते बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि उस वक्त सड़क पर कोई राहगीर या अन्य वाहन मौजूद नहीं था।\ मिली जानकारी के अनुसार, हाइवा आम्रपाली कोयला परियोजना से कोयला लोड कर कटकमसांडी डिपो की ओर जा रहा था। गांगपुर गांव के पास चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन पर से उसका नियंत्रण खो गया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर आवागमन बाधित रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों द्वारा सूचित किए जाने पर गिद्धौर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बायो वृद्ध पचनी देवी का निधन, परिजनों सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड के झरपों गाँव की प्रतिष्ठित समाज सेवी स्वर्गीय चौधरी साव की धर्मपत्नी पचनी देवी का लगभग 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। वे अपने पीछे दो पुत्रों अर्जुन सोनी और धनंजय सोनी सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। स्थानीय झरपों पंचायत के मुखिया सह कांग्रेस जिला सचिव शिबू प्रसाद सोनी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मृतिका रिश्ते में हमारी चाची लगती थीं। वे बेहद सरल और कुशल व्यवहार की धनी थीं। हमारे लिए वे माता तुल्य थीं, और उनका चले जाना पूरे परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी हमें हमेशा खलेगी।" दिवंगत पचनी देवी के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार पूरे रीति-रिवाज के साथ झरपों के हेठ बाद शमशान घाट में किया गया। इस दौरान समाज के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे। उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करने वालों में झरपों निवासी सह नावाडीह थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी,शीतेष, परमानंद, बंटी, अनु, अजय,आशीष कुमार सोनी, अंकित कुमार सोनी, आंचल कुमार सोनी,सहित पूरे सोनी परिवार और ग्रामीणों ने शोक संवेदना प्रकट की है तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

फरार वारंटी अभियुक्त सिया शरण भूइयाँ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

टाटीझरिया । थाना पुलिस की संयुक्त तत्परता से लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी का नाम सिया शरण भूइयाँ है, जो टाटी झरिया थाना क्षेत्र के ग्राम अमनरी का रहने वाला है और उसके ससुर का नाम फूलों राम है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सिया शरण भूइयाँ इचाक थाना कांड संख्या 58/2015 (जीआर नंबर 1419/2015) में काफी समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ अदालत से वारंट जारी था। आरोपी के विरुद्ध भादवि (IPC) की धारा 341 (ग़लत तरीक़े से रोकना), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुँचाना), 427 (संपत्ति को नुकसान पहुँचाना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से अपमानित करना) और 34 (समान मंशा) के तहत मामला दर्ज था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने छापेमारी कर आरोपी को उसके पैतृक गांव अमनरी से धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से अदालत के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में (जेल) भेज दिया गया है।

दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ' के राष्ट्रीय संगठन मंत्री का हुआ भव्य स्वागत

हजारीबाग।दहेज प्रथा के खिलाफ अलख जगाने वाली संस्था 'दहेज मुक्त झारखंड सेवा संघ' की एक महत्वपूर्ण बैठक आज (19 जुलाई 2026) मुंबई में आयोजित की गई। इस मौके पर संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश प्रसाद वर्मा का मुंबई आगमन पर पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संगठन की मजबूती और आगामी सामाजिक अभियानों को लेकर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित पदाधिकारियों में मोतीलाल पंडित राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी छोटन पंडित गिरीडीह जिला सचिव, राजू बा. पंडित चलकुसा प्रखंड अध्यक्ष,महेंद्र शर्मा सचिव, दामोदर दास ,मित्रा दास , सहित संघ के कई अन्य सक्रिय सदस्य और प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। सभी ने समाज से दहेज जैसी कुप्रथा को मिटाने और युवाओं को जागरूक करने का संकल्प दोहराया।

लगातार बारिश से कच्चा मकान धराशायी, परिवार बेघर

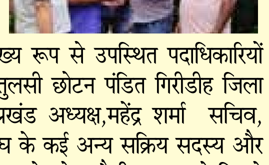

चतरा।सदर प्रखंड क्षेत्र के देवरिया पंचायत अंतर्गत सेसांग गांव निवासी मुकेश गंझू (पिता– बिरू गंझू) का कच्चा मकान बारिश के कारण धराशायी हो गया। घटना में मकान का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह ढह गया, जिससे परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया।बताया जाता है कि लगातार हो रही वर्षा के कारण मिट्टी की दीवारें कमजोर हो गई थीं। इसी बीच मकान अचानक भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय परिवार के सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि घर में रखा घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया।पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से क्षति का आकलन कर आपदा राहत के तहत उचित मुआवजा और आवासीय सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से शीघ्र सर्वे कर राहत प्रदान करने की अपील की है।

वज्रपात का कहर खेत में खाना खा रहे एक ही परिवार के तीन सदस्य हुए घायल

नई सोच एक्सप्रेस

टटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड के झरपों गांव में वज्रपात (आकाशीय बिजली) गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया। खेत में धान रोपनी का काम खत्म कर एक साथ बैठकर खाना खा रहे एक ही परिवार के तीन सदस्य वज्रपात की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए। घायलों में झरपों निवासी काशी महतो के पोता, उनकी पत्नी और बहू शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को आनन-फानन में बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, काशी महतो का परिवार अपने खेत में धान की रोपनी करने गया था। दोपहर में रोपनी का काम खत्म करने के बाद सभी सदस्य एक जगह बैठकर खाना खा रहे थे। इसी बीच अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ वज्रपात हो गया। बिजली सीधे उसी जगह गिरी जहां तीनों बैठे थे, जिससे वे उसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए।बताते चलें कि वज्रपात का असर गांव के दूसरे हिस्से में भी देखने को मिला। झरपों तिरंगी चौक पर स्थित भुवनेश्वर महतो के मकान की छत पर वज्रपात का आंशिक कण (अंश) गिर गया। आकाशीय बिजली का झटका इतना तेज था कि छत पर लगा करकट पूरी तरह से टुकड़ों में बंट गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ और वहां मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। एक ही दिन गांव में दो जगहों पर वज्रपात की घटना से पूरे झरपों गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों के सहयोग से झुलसे हुए तीनों लोगों को तुरंत अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टर उनकी जान बचाने में जुटे हैं। वहीं, तिरंगी चौक पर हुए नुकसान को देखने के लिए भी स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

» तिरंगी चौक पर भी गिरा आंशिक अंश, बाल-बाल बचे लोग

जल जमाव को लेकर महिलाओं ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी। तोरपा प्रखंड मुख्यालय के विजय नगर, सिरुमटोली जलजमाव से विजय नगर व सिरूम टोली व नगर भवन के पीछे के मुहल्लों में जलजमाव से त्रस्त महिलाओं ने रविवार को तोरपा के अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को आवेदन देकर जलजमाव से निजात दिलाने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि तोरपा नगर क्षेत्र के विजय नगर, सिरूम टोली रोड व नगर भवन के पीछे स्थित मोहल्लों में जलजमाव की गंभीर समस्या से स्थानीय लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। लगातार पानी जमा रहने से लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं क्षेत्र में महामारी फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। पानी से बदबू आने लगी है। स्थानीय लोगों के अनुसार विजय नगर जाने वाले मार्ग पर घुटने भर पानी जमा है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो गया है। दोपहिया व चारपहिया वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। महिलाओं ने बताया कि संत जोसेफ कॉलेज, सिरूम टोली व तपकारा रोड की ओर से बहकर आने वाला पानी पहले तोरपा मेन रोड स्थित पुल से निकल जाता था, लेकिन अब कुछ लोगों की ओर से पानी के प्राकृतिक बहाव को अवरुद्ध कर दिए जाने के कारण पानी मोहल्ले में जमा हो रहा है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि लंबे समय तक पानी जमा रहने से दुर्गंध व मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। लोगों के घरों में विषैले सांप तक घुस जा रहे हैं। जलजमाव के निराकरण कि मांग को लेकर मोहल्ले के लोगों ने शनिवार को भी बीडीओ, सीओ व अनुमंडल पदाधिकारी से मुलाकात की थी। एसडीओ के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा व अंचल अधिकारी ने जल जमाव वाले क्षेत्र का निरीक्षण भी किया था। हालांकि निरीक्षण के बाद भी पानी जी निकासी का कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके व महामारी की आशंका को टाला जा सके।

रोटरी क्लब गिरिडीह का 69वां पदस्थापना समारोह आयोजित, अमित कुमार गुप्ता ने अध्यक्ष पद संभाला

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। गिरिडीह रोटरी क्लब गिरिडीह का 69वां पदस्थापना समारोह शनिवार देर शाम को होटल संगम गार्डन में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ गणेश वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग थीं, जबकि असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन रवि चूड़ीवाला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में गिरिडीह नगर निगम की महापौर प्रमिला मेहरा एवं उपमहापौर सुमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन रोटेरियन संतोष अग्रवाल ने किया। अतिथियों का स्वागत रोटेरियन विजय सिंह ने स्वागत भाषण के माध्यम से किया, जबकि समारोह के अंत में रोटेरियन प्रकाश सहाय ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह के दौरान रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए रोटेरियन अमित कुमार गुप्ता ने रोटरी क्लब गिरिडीह के अध्यक्ष तथा रोटेरियन मनीष बर्नवाल ने सचिव पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन पियूष मुसद्दी ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए क्लब के सेवा कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में रोटेरियन अमित कुमार गुप्ता ने रोटरी वर्ष 2026-27 की भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि क्लब रोटरी के नए संदेश "Create Lasting Impact" को आत्मसात करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों तक सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाएगा। उन्होंने कहा कि रोटरी गिरिडीह अपने स्थायी सेवा प्रकल्पों—रोटरी नेत्र चिकित्सालय, डायलिसिस सेंटर, फिजियोथेरेपी सेंटर, सहेली सेंटर, एम्बुलेंस सेवा, शव वाहन सेवा एवं आई चेकअप वैन—को और अधिक सशक्त बनाएगा। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण एवं युवा विकास के क्षेत्र में नई परियोजनाएं प्रारंभ की जाएंगी। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनु नारंग ने अपने प्रेरक उद्बोधन में रोटरी इंटरनेशनल के उद्देश्यों, सेवा कार्यों एवं मानवीय मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि रोटरी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का वैश्विक अभियान है। उन्होंने सभी रोटेरियन्स से "Service Above Self" की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का आह्वान किया तथा रोटरी क्लब गिरिडीह द्वारा वर्षों से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। समारोह में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में रोटेरियन्स और उनके परिवारजन उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से राजेंद्र बगड़िया, प्रमोद अग्रवाल, गुणवंत सिंह मोंगिया, प्रदीप डालमिया, डॉ मो आजाद, डॉ विकास लाल, डॉ सज्जन डोकानिया, डॉ शशि भूषण चौधरी, डॉ.आर.आर. केडिया, डॉ विकास माथुर, राजेश जालान, राजन जैन, प्रदीप जैन, विकास बगड़िया, अभिषेक जैन, डॉ. तारक नाथ डे, देवेंद्र सिंह, मनीष तर्वे, आशीष तर्वे, शरद रूंगटा, शंभू जैन, संजय शर्मा, विकास बसईवाला सहित अनेक सम्मानित अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह सौहार्द, सम्मान एवं सेवा के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

रामरेखा धाम समिति की बैठक में पदाधिकारियों का विभागीय कार्य के लिए किया गया चयन

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। सीमडेगा जिला अन्तर्गत श्री श्री 1008, श्री रामरेखा धाम में शनिवार को दोपहर 1:00, बजे श्री रामरेखा धाम मुख्य संरक्षक, राजा, दुर्गविजय सिंह देव, संरक्षक, कौशलराज सिंह देव की उपस्थिति में उपाध्यक्ष ईश्वर साहु की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में रामरेखा धाम विकास समिति के समस्त पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। अगामी 29 जुलाई को ब्रह्मलीन परम पुज्य श्री श्री 1008, श्री जयराम प्रपन्नाचार्य महाराज की 19वीं पुण्यतिथि के शुभ अवसर पर, आषाढ़ शुक्ल पक्षः पुर्णिमा रामरेखा धाम एवं देवराहा बाबा आश्रम सिमडेगा में प्रातः 8:00, बजे से व्यास पुजन एवं गुरु पुजन हवन एवं भंडारा का कार्य क्रम सम्पन्न होंगे। मुख्य संरक्षक राजा साहब ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि हमारी रामरेखा धाम शदियों से सनातन हिन्दू धर्म का आस्था का केन्द्र रहा है। सरकार की निगाह अब रामरेखा धाम पर लगी है। सरकार चाहती है रामरेखा धाम पर्यटक स्थल बने, परन्तु हम सभी लोग इसका घोर विरोध करते हैं। श्री रामरेखा धाम का गरिमा को भंग होने नहीं देंगे, रामरेखा धाम धार्मिक स्थल है और रहेगा। वहीं श्री रामरेखा धाम विकास समिति के पदाधिकारीयों को विभागीय कार्य का बंटवारा भी किया गया।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग, रांची द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। गिरिडीह जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा की व्यापक एवं सुदृढ़ निगरानी व्यवस्था की गई थी। परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि पर जिला नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) से लगातार नजर रखी गई, ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देशानुसार जिला नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों से नियमित रूप से सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया। परीक्षा के प्रत्येक चरण की सतत मॉनिटरिंग की गई तथा किसी भी प्रकार की सूचना अथवा शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं कदाचारमुक्त संचालन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। इसके लिए जिला प्रशासन ने पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया। सभी केंद्राधीक्षकों, स्टेटिक एवं पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेटों, पुलिस पदाधिकारियों तथा नोडल अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं समन्वय के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि जिला नियंत्रण कक्ष के माध्यम से परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी, जिससे किसी भी अप्रत्याशित स्थिति का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक अभ्यर्थी को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में परीक्षा देने का अवसर उपलब्ध कराना था। सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के समन्वित प्रयास से परीक्षा का आयोजन पूरी पारदर्शिता, शुचिता एवं आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

जिला कारागार में विधिक जागरूकता सह मासिक जेल अदालत एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। अजीत कुमार सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), गुमला के निर्देशानुसार आज जिला कारागार, गुमला में विधिक जागरूकता सह मासिक जेल अदालत एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला के सचिव श्री राम कुमार लाल गुप्ता द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं के साथ किया गया। इस अवसर पर जेल में निरुद्ध विचाराधीन बंदियों से उनकी लंबित न्यायिक एवं विधिक समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गई तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता, अपील, जमानत, पैरोल, फर्लो एवं अन्य उपलब्ध कानूनी अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बंदियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मामलों पर आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा विचाराधीन बंदियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार परामर्श एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। सचिव, डीएलएसए ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का उद्देश्य प्रत्येक बंदी को समयबद्ध एवं प्रभावी निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने बंदियों से किसी भी विधिक सहायता की आवश्यकता होने पर निःसंकोच डीएलएसए एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल से संपर्क करने का आग्रह किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को न्याय तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराना, उनकी विधिक समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

हंटरगंज में साइबर ठगों का बढ़ता आतंक, 9 दिनों में दो महिलाओं के खातों से उड़े 15 हजार रुपये

नई सोच एक्सप्रेस

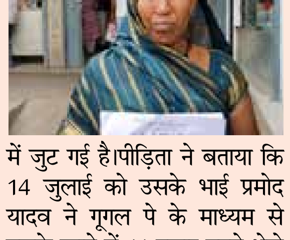

चतरा।हंटरगंज थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों का जाल तेजी से फैलता नजर आ रहा है। महज नौ दिनों के भीतर दो महिलाओं के बैंक खातों से कुल 15 हजार रुपये की रहस्यमयी निकासी ने बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि दोनों मामलों में पीड़िताओं के पास न कोई संदिग्ध कॉल आया, न ओटीपी मांगा गया और न ही किसी लिंक पर क्लिक कराया गया, इसके बावजूद उनके खातों से रकम गायब हो गई।ताजा मामला नावाडीह पंचायत के खूंटीकेवालकला गांव की रहने वाली आशा देवी का है। पीड़िता ने शनिवार को हंटरगंज थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।पीड़िता ने बताया कि 14 जुलाई को उसके भाई प्रमोद यादव ने गूगल पे के माध्यम से उसके खाते में 11 हजार रुपये भेजे थे। राशि निकालने के लिए जब वह बैंक ऑफ इंडिया, हंटरगंज शाखा पहुंची तो बैंककर्मियों ने बताया कि खाते में मात्र 1,880 रुपये ही शेष हैं। यह सुनते ही महिला के होश उड़ गए।बैंक जांच में पता चला कि उसी दिन किसी प्राइवेट बीसी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) संचालक के माध्यम से खाते से 10 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़िता का कहना है कि उसके पास न एटीएम कार्ड है, न किसी ने फोन कर ओटीपी मांगा और न ही उसने किसी लिंक पर क्लिक किया। इसके बावजूद खाते से रकम निकल जाना समझ से परे है।शिकायत के बाद बैंक ने सुरक्षा के मद्देनजर पीड़िता का खाता ब्लॉक कर दिया तथा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की सलाह दी। ज्ञात हो कि 9 जुलाई को भी हंटरगंज थाना क्षेत्र के कोसमाही गांव की एक महिला के खाते से साइबर ठगों ने 5 हजार रुपये निकाल लिए थे। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। **बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल**ः लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं से बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। बिना ओटीपी, बिना एटीएम और बिना मोबाइल अलर्ट के खातों से निकासी होना आम लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि साइबर अपराधी आधार आधारित भुगतान प्रणाली (AEPS) या बायोमेट्रिक क्लोनिंग जैसी तकनीकों का दुरुपयोग कर रहे हैं। हालांकि इस मामले में वास्तविक तरीका जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। **लोगों में बढ़ा डर, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग**ः लगातार हो रही साइबर ठगी की घटनाओं के बाद खासकर महिलाएं और बुजुर्ग बैंकिंग सेवाओं के उपयोग को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन, पुलिस और बैंक अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को गिरफ्तार तथा बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

श्याम स्टील ग्रुप की 10,000 करोड़ की 2 एमटीपीए एकीकृत इस्पात परियोजना का भूमि पूजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पश्चिम बंगाल के माननीय मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी ने श्याम स्टील ग्रुप के स्टील डिवीजन के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तावित 2 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) क्षमता वाले एकीकृत इस्पात संयंत्र का शिलान्यास किया। प्रस्तावित संयंत्र में डीआरआई (डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन) यूनिट, पेलेट एवं बेनिफिसिएशन संयंत्र, स्टील मेल्टिंग शॉप, टीएमटी बार एवं स्ट्रक्चरल स्टील के निर्माण हेतु हाई-स्पीड रोलिंग मिल सहित अत्याधुनिक उत्पादन सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। यह परियोजना देश की इस्पात विनिर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी तथा राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2017 के अंतर्गत वर्ष 2029-30 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगी। समूह के निदेशक श्री ललित बेरीवाला ने कहा, "श्याम स्टील ग्रुप का प्रस्तावित निवेश केवल एक वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं है, बल्कि यह 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित पश्चिम बंगाल' के राष्ट्रीय संकल्पों के अनुरूप एक दूरदर्शी पहल है। अपनी तकनीकी विशेषज्ञता, मजबूत वित्तीय क्षमता, व्यापक औद्योगिक अनुभव तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बल पर श्याम स्टील ग्रुप पश्चिम बंगाल के औद्योगिक पुनर्जागरण का एक विश्वसनीय भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीएआई वाराणसी शाखा की खेल प्रतियोगिता संपन्न,शतरंज,टेबल टेनिस व कैरम में विजेताओं का हुआ सम्मान

» खेलों से बढ़ेगा सौहार्द और नेतृत्व कौशल आईसीएआई वाराणसी शाखा की खेल प्रतियोगिता में 100 से अधिक सीए व विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

वाराणसी।दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा सदस्यों में खेलों के प्रति रुचि,स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शतरंज, टेबल टेनिस एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन आईसीएआई भवन,प्लॉट नम्बर 2बी,प्रेमचंद नगर कॉलोनी पांडेयपुर वाराणसी में किया जिसमे 100 से अधिक सीए एवं सीए छात्र छात्राओं ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया | कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं सीए सदस्यों के स्वागत भाषण द्वारा किया | शतरंज प्रतियोगिता में सीए सदस्यों प्रथम स्थान पर सीए अजीत कुमार पटेल एवं द्वितीय स्थान पर सीए सुकान्त राय रहें और टेबल टेनिस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीए मुहम्मद शकील एवं द्वितीय स्थान पर सीए सुकान्त राय को विजेता चुना गया | केरम प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सीए रंजीत कुमार पांडेय एवं द्वितीय स्थान पर सीए अमित कुमार विश्वकर्मा को विजेता चुना गया | कार्यक्रम का समापन शाखा सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ | कार्यक्रम में शाखा के उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी,शाखा कोषाध्यक्ष एवं सिकासा अध्यक्ष सीए नमन कपूर एवं सीए द्विजेन्द्र कुमार सिंह सीए मयूख दवे सीए मोहम्मद जैद सीए समृद्ध एवं सीए मलय विशंभर की भी उपस्तिथि रही ||

यादवों के लिए रामपथ और राजपूतों के लिए कृष्णपथ की अपील,आध्यात्मिक व्यवस्था पर डाक्टर सुनील कुमार ने उठाए सवाल

» समाज का हर वर्ग कलियुग में अपनी अपनी आध्यात्मिक व्यवस्था के अनुसार चले तो सामाजिक घर्षण रोका जा सके - डाक्टर सुनील कुमार

वाराणसी। एक आध्यात्मिक वक्तव्य जारी करते हुए वक्ता ने वर्तमान समय को "आदित्य युग" बताते हुए दावा किया कि कल्कि भगवान की आध्यात्मिक चेतना सक्रिय है और मानव चेतना के जागरण का कार्य चल रहा है | वक्तव्य में कहा गया कि सनातन समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग आध्यात्मिक मार्ग निर्धारित हैं तथा यादव एवं अन्य चंद्रवंशी क्षत्रियों के लिए "रामपथ" और सूर्यवंशी क्षत्रियों (राजपूतों) के लिए "कृष्णपथ" का अनुसरण करने की बात कही गई | वक्तव्य में आरोप लगाया गया कि वर्तमान धार्मिक व्यवस्था में मूल आध्यात्मिक सिद्धांतों से विचलन हुआ है और कुछ धार्मिक परंपराओं एवं व्यवस्थाओं की आलोचना भी की गई | साथ ही गुरु परंपरा, कृपाचार्य,द्रोणाचार्य तथा विभिन्न धार्मिक मान्यताओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किए गए | जारी वक्तव्य में दावा किया गया कि वर्तमान समय में त्रेता और द्वापर युग की व्यवस्थाओं को उलटकर प्रस्तुत किया जा रहा है जिससे सामाजिक असंतुलन उत्पन्न होने की आशंका है | इसके समर्थन में श्रीकृष्ण और भगवान राम से जुड़े विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख किया गया | वक्तव्य के अंत में आमजन से कई धार्मिक अपीलें भी की गईं जिनमें तुलसी के सेवन,वृंदावन यात्रा,वैजयंती माला के प्रयोग,भगवान शिव को विषैली वस्तुएं अर्पित न करने तथा ब्रह्मा,सरस्वती संबंधी मान्यताओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए ||

विश्व युवा कौशल दिवस 2026: भविष्य के लिए तैयार स्किलिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने की नई पहलें शुरू

पटना।विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय ने कौशल भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भारत के भविष्य के लिए तैयार स्किलिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने कहा, "भविष्य उनका है जो लगातार सीखते हैं, खुद को बदलते हैं और इनोवेट करते हैं।" उन्होंने युवाओं को भविष्य की नौकरियों और अवसरों के लिए तैयार करने तथा महिलाओं की गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर इंडियास्किल्स प्रतियोगिता 2026–27 की गाइडलाइंस जारी की गईं और वर्ल्डस्किल्स इंडिया चैंपियंस क्लब का शुभारंभ किया गया। साथ ही, ग्लोबल स्किल्स प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मंत्रालय ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए नई गाइडलाइंस, पीएमकेवीवाई के तहत मल्टी-स्किल्ड केयरगिवर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम, उत्तर-पूर्व में अप्रेंटिसशिप पायलट परियोजना, महिलाओं के लिए जेंडर मेनस्ट्रीमिंग समिति तथा लगभग 530 करोड़ के स्किल्स आउटकम्स फंड जैसी प्रमुख पहलों की भी घोषणा की। कार्यक्रम में कौशल भवन में स्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित शिल्पकृति "स्किल इंडिया, एम्पावर्ड इंडिया – ए कलेक्टिव ग्रोथ स्टोरी" के डिजाइन का अनावरण किया गया तथा उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित चौधरी अजीत सिंह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डिजाइन एंड फैशन टेक्नोलॉजी की महिला प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया।

नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्रवाल समाज के विद्यार्थियों का श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत ने किया सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र द्वारा नीट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुरुक्षेत्र जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले अग्रवाल समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों पनव अग्रवाल और रयान गुप्ता को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे अग्रवाल समाज और कुरुक्षेत्र जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से प्राप्त यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। पंचायत भविष्य में भी समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी बधाई दी गई और उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग की सराहना की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, सफल चिकित्सकीय जीवन तथा समाज सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डा. के.सी. अग्रवाल , डा.पी. के. अग्रवाल, डा. अजय अग्रवाल, डा. प्रेरणा अग्रवाल, डा. ऋषिपाल गुप्ता, डा. दीपाली गोयल, प्रधान विशाल सिंगला, एपीएस प्रधान नितिन गोयल, शालिन गोयल, महासचिव नवकेतन गोयल, कैशियर विशेष गर्ग, गौरव मित्तल, कुलवंत गर्ग, साया प्रधान नवीन बंसल सहित अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

» सम्मान कार्यक्रम में अनेक डाक्टर भी रहे मौजूद

गुरुकृपा से ही संभव है आनंदमय जीवन : सनातन संस्था

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सनातन संस्था ने गुरुकृपा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही जीवन को सही दिशा देने वाले होते हैं। संस्था द्वारा जारी लेख में बताया गया कि श्री दत्तगुरु की तरह प्रत्येक व्यक्ति और परिस्थिति में गुण देखने की दृष्टि विकसित करना ही आनंदमय जीवन का आधार है। लेख में कहा गया है कि गुरुकृपा से साधक के जीवन में अंतर्मुखता, सात्त्विकता और आत्मिक आनंद का विकास होता है। ईश्वर से एकरूप होने के लिए स्वभाव-दोष और अहं का निर्मूलन आवश्यक है, जो नियमित साधना और गुरुकृपा से संभव होता है। संस्था ने गुरुकृपायोग की अष्टांग साधना—नामजप, सत्संग, सत्सेवा, सत् के लिए त्याग, निःस्वार्थ प्रेम, स्वभाव-दोष निर्मूलन, अहं-निर्मूलन और भाववृद्धि—को आध्यात्मिक उन्नति का प्रभावी मार्ग बताया। इसके माध्यम से साधक में "सब कुछ ईश्वर की इच्छा से हो" का भाव दृढ़ होता है। लेख में युवाओं से आह्वान किया गया है कि वे वृद्धावस्था की प्रतीक्षा किए बिना युवावस्था से ही साधना आरंभ करें, क्योंकि मनुष्य जीवन का वास्तविक उद्देश्य ईश्वरप्राप्ति है। साथ ही कहा गया कि नियमित साधना व्यक्ति को जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर संस्था ने गुरुतत्त्व के चरणों में प्रार्थना करते हुए सभी से स्वभाव-दोष और अहं को दूर कर निरंतर साधना के माध्यम से आनंदमय एवं आदर्श जीवन की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

विश्व धर्म सेवा संघ द्वारा सुसवाही में वृक्षारोपण अभियान का किया गया शुभारंभ,एक लाख पौधे लगाने का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।विश्व धर्म सेवा संघ द्वारा सुसुवाही स्थित गणेशपुरी कॉलोनी और यूनियन बैंक के पास स्थित मनोरथपुरी कॉलोनी में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से 19 जुलाई रविवार को वृक्षारोपण अभियान का किया गया आयोजन | वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान 25 पौधों का रोपण किया गया तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया | कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व धर्म सेवा संघ के अध्यक्ष एवं संस्थापक सतीश कुमार माली ने किया | उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं,बल्कि उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करना भी है | संघ ने एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे जनसहभागिता के माध्यम से पूरा किया जाएगा | सतीश कुमार माली ने कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है यदि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ,हरित और सुरक्षित वातावरण मिल सकता है | इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक होने की अपील की है | विश्व धर्म सेवा संघ ने बताया कि समाज में सेवा,मानवता,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे | वृक्षारोपण कार्यक्रम में विनीत कुमार सिंह,दीपक श्रीवास्तव,अशोक पटेल, गणेश कुमार यादव,बबलू सैनी एवं कमल किशोर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे ||

» अध्यक्ष एवं संस्थापक सतीश कुमार माली के नेतृत्व में 25 पौधों का रोपण,पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता का संदेश

श्री अग्रसेन धाम कुंडली की नरेला इकाई का गठन, मनोज बंसल बने चेयरमैन

नई सोच एक्सप्रेस

कुंडली (हरियाणा)। श्री अग्रसेन धाम कुंडली के मंदिर निर्माण कार्य को गति देने और संगठन के विस्तार के उद्देश्य से नरेला विधानसभा इकाई का गठन किया गया। श्री अग्रसेन धाम मंदिर परिसर में आयोजित संकल्प सम्मेलन में 51 प्रतिष्ठित समाजसेवियों को नई टीम में शामिल करते हुए उन्हें विभिन्न दायित्व सौंपे गए। सर्वसम्मति से मनोज बंसल को नरेला विधानसभा का चेयरमैन, मोहित गुप्ता को प्रधान और भूपेश बंसल को महासचिव नियुक्त किया गया। वहीं अनुराधा गुप्ता को महिला मुख्य संयोजिका तथा शालिका अग्रवाल को सह संयोजिका बनाया गया। इस अवसर पर श्री अग्रसेन धाम के प्रधान राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि संस्था का विस्तार देशभर में विधानसभा स्तर तक किया जाएगा, जिसकी शुरुआत नरेला से की गई है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पदाधिकारियों, समाजसेवियों और बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुंबई क्राइम ब्रांच का बड़ा प्रहार: दहिसर चेक नाका पर 33 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जब्त, एक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।नेहाल हसन मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-12 ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात से मुंबई लाया जा रहा लाखों रुपये का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया है। पुलिस ने दहिसर चेक नाका पर छापेमारी कर माल लदे टेम्पो और चालक को अपनी गिरफ्त में ले लिया है।नमक की बोरियों के पीछे छिपाया था 'काला कारोबार'पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक आयशर टेम्पो में अवैध तरीके से गुटखा मुंबई लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम ने दहिसर चेक नाका पर जाल बिछाया। जब संदिग्ध टेम्पो की तलाशी ली गई, तो पुलिस भी हैरान रह गई। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए गुटखे की बोरियों को नमक की बोरियों के पीछे चतुराई से छिपा रखा था। तलाशी के दौरान टेम्पो से विभिन्न ब्रांडों के गुटखे की 42 बोरियां और 15 बॉक्स बरामद किए गए।चालक गिरफ्तार, मास्टरमाइंड की तलाश तेजइस मामले में पुलिस ने टेम्पो चालक दिलीप कुमार पाल (30) को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि यह खेप मुंबई के विभिन्न इलाकों में सप्लाई की जानी थी। क्राइम ब्रांच अब इस गिरोह के मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि यह माल शहर में किसे डिलीवर किया जाने वाला था।33 लाख रुपये की कुल संपत्ति जब्तपुलिस के अनुसार, जब्त किए गए प्रतिबंधित गुटखे की बाजार कीमत करीब 19 लाख रुपये है। वाहन (आयशर टेम्पो) सहित कुल जब्त संपत्ति का मूल्य लगभग 33 लाख रुपये आंका गया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाईयह सफल ऑपरेशन मुंबई पुलिस आयुक्त देवेंद्र भारती, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) अनिल कुंभारे, अपर पुलिस आयुक्त (उत्तर प्रादेशिक विभाग) शशि कुमार मीना और पुलिस उपायुक्त (जोन 12) महेश चिमटे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। क्राइम ब्रांच यूनिट-12 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप पाटिल और उनकी टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम देकर अवैध कारोबारियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। फिलहाल, मामले की गहन जांच जारी है।

बूथ सम्मेलन की तैयारियों को लेकर महानगर एवं जिला की विधानसभाओं के मंडल अध्यक्षों व महामंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।महानगर कार्यालय गुलाब बाग में आगामी 22 जुलाई को होने वाले बूथ सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने और संगठनात्मक तैयारियों को धार देने के लिए महानगर एवं जिला की विधानसभाओं के मंडल अध्यक्षों एवं महामंत्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई | बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक चुनाव की नींव हमारा बूथ कार्यकर्ता होता है | बूथ सम्मेलन के माध्यम से हमें संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को पूरी ऊर्जा के साथ तैयारियों में जुटने का आह्वान करते हुए कहा महानगर एवं जिला के विधानसभाओं के अंतर्गत आने वाले सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसंपर्क अभियान को तेज किया जाए | मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री अपने-अपने क्षेत्रों में प्रवास कर सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करें,ताकि यह आयोजन पूरी तरह सफल हो सके | सभी पदाधिकारियों ने बूथ सम्मेलन को सफल बनाने और संगठन के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करने का संकल्प लिया | बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल,राहुल सिंह,जगदीश त्रिपाठी,मधुकर चित्रांश,अभिषेक मिश्रा, अशोक जाटव,आलोक श्रीवास्तव, साधना वेदांती,प्रवीण सिंह गौतम,जेपी दुबे,सुरेंद्र पटेल,प्रीति सिंह,मनोज सोनकर,पीयूष भट्टाचार्य आदि रहे ||

बाबा काशी विश्वनाथ के सम्मान में हिंदू समाज का आक्रोश,मेदागिन चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।बाबा काशी विश्वनाथ के कथित अपमान के विरोध में सोमवार को मेदागिन चौराहे पर हिंदू संगठनों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जोरदार प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया | प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई |कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बाबा काशी विश्वनाथ करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक हैं उनके सम्मान से जुड़े किसी भी प्रकार के अपमानजनक कृत्य या टिप्पणी को हिंदू समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा | उन्होंने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं का सम्मान बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है | वक्ताओं ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि सनातन धर्म और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के सम्मान की रक्षा के लिए आयोजित किया गया है | उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो | प्रदर्शन के दौरान मौजूद लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी और बाबा काशी विश्वनाथ के सम्मान में एकजुट रहने का संकल्प लिया | कार्यक्रम के अंत में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा | कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्तागण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे ||

» दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग, श्रद्धालुओं ने कहा आस्था के अपमान को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

"फैशन आइकन हंट 2K26"सफल आयोजन हुआ

नई सोच एक्सप्रेस

दिल्ली मयूर विहार। हैंड्स फॉर हेल्प फाउंडेशन और एस.टी. कोचर के संयुक्त तत्वावधान में "फैशन आइकन हंट 2K26" का भव्य आयोजन गत दिनों मयूर विहार फेज-1 स्थित गर्ग सेलिब्रेशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम शाम 6 बजे से देर रात 12 बजे तक चला। कार्यक्रम का विषय था "Where Style Meets Stardom"। इस आयोजन का उद्देश्य उभरते मॉडलों को मंच प्रदान करना और फैशन की दुनिया में नए सितारों को पहचान दिलाना था। कार्यक्रम की आयोजक अमृता शर्मा रहीं। शाम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों ने रैंप पर अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। स्टाइल, एटीट्यूड और आत्मविश्वास के आधार पर निर्णायक मंडल ने विजेताओं का चयन किया। कार्यक्रम में फैशन, एलिगेंस और ग्लैमर का संगम देखने को मिला। हैंड्स फॉर हेल्प फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। आयोजकों ने सभी सहयोगियों, प्रायोजकों और मीडिया का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कद्दूवर्गीय सब्जियों में समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन

इस वर्ग की सब्जियों में लगने वाले प्रमुख कीट व रोग तथा उनका प्रबंधन निम्न प्रकार से है।

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख कीट:

लाल भृंग

यह चमकीले लाल रंग का कीट पौधे की पत्तियों को विशेषकर प्रारम्भिक अवस्था में खाकर छलनी जैसा बना देता है। ग्रसित पत्तियाँ फट जाती हैं तथा पौधों की बढ़वार रूक जाती है।

नियंत्रण:

इस कीट द्वारा होने वाले नुकसान से बचने हेतु फसल की बुवाई नवम्बर में करें। खरपतवारों को नष्ट कर खेत को स्वच्छ रखें। मैलाथियान 5 प्रतिशत दवा 20-25 किग्रा प्रति हेक्टर भूमि में मिलायें। इसके लिए कार्बोरिल 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव प्रभावी रहता है।

कटवर्म

यह कीट नन्हें या उगने वाले पौधों के बीज पत्रों तथा पौधों के शीर्ष को काट देते हैं जिससे खेत में पौधों की संख्या कम हो जाती है।

नियंत्रण:

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई कर कीट की निष्क्रिय अवस्थाओं को नष्ट कर दें। इसके नियंत्रण के लिए बीजों की बुवाई के समय या पौध रोपाई के समय कार्बोफ्यूरॉन 3 जी 25 किग्रा. प्रति हेक्टेयर के हिसाब से भूमि में मिलायें।

ब्लीस्टर बीटल

यह आकर्षक चमकीले रंग तथा बड़े आकार का भृंग है। इसके पंखों पर तीन काले व तीन पीले रंग की पट्टियाँ होती हैं। यह पुष्पीय कलियों व फूलों को खाकर नष्ट कर देते हैं।

नियंत्रण:

खेत में इनकी संख्या कम होने पर इन्हें हाथ से पकड़कर नष्ट कर देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर 0.2 प्रतिशत कार्बोरिल का छिड़काव करें।

लीफमाइनर

यह पत्तियों के ऊपरी भाग पर टेढे-मेढ़े भूरे रंग की सुरंग बना देते हैं।

नियंत्रण

इसके नियंत्रण हेतु नीम के बीजों का सत 5 प्रतिशत या ट्रायोफॉस 0.5 प्रतिशत का तीन सप्ताह के अंतराल पर छिड़काव करें।

फलमक्खी

यह कद्दूवर्गीय सब्जी फसलों में फल पर आक्रमण करने वाला कीट है। इसके मैगट छोटे फलों में अधिक नुकसान करते हैं। इसके मैगट पर सीधा नियंत्रण संभव नहीं है परन्तु वयस्क नर मक्खियों की संख्या पर नियंत्रण करने इनके प्रकोप को कम किया जा सकता है।

नियंत्रण:

इसके नियंत्रण हेतु रात के समय खेत में प्रकाश पाश लगायें तथा नर वयस्कों को फेरोमेन ट्रेप लगाकर नियंत्रित करें। थायोडॉन को 6 मिली प्रति लीटर 4-5 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। कीट की निगरानी हेतु फसल में गंध पाश 2 प्रति एकड़ जमीन आवश्यकता अनुसार लगायें।

चैंपा

ये छोटे आकार के काले एवं गहरे हरे रंग के कीट होते हैं। ये कोमल पत्तियों व पुष्पकलिकाओं का रस चूसते हैं। यह कीट वायरस जनित बीमारियों के वाहक का कार्य करता है।

नियंत्रण:

इसके नियंत्रण हेतु डाइमिथिएट या फॉस्फोमिडॉन 0.5 प्रतिशत के घोल का 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।

लाल मकड़ी

यह कीट भूरा, हल्का लाल रंग का होता है। जो पत्तियों की निचली सतह पर उत्तकों को खाकर जालीनुमा बना देता है। पर्णहरित के अभाव में प्रकाश संश्लेषण कम होता है। फलस्वरूप उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

नियंत्रण:

लाल मकड़ी के नियंत्रण हेतु डाइकोफॉल 18.5 ईसी. 2.5 मिली दवा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

जड़ गांठ सूत्रकृमि

यह पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचाता है। प्रभावित पौधा कमजोर होकर पीला पड़ जाता है तथा पौधे का विकास अवरूद्ध होकर फलन नहीं हो पाता है।

नियंत्रण:

लम्बे समय तक फसल चक्र अपनायें। मई-जून माह में खेत की गहरी जुताई कर खुला छोड़ दें। नेमागॉन अथवा कार्बोफ्यूरॉन 3जी 25 किग्रा प्रति हेक्टर बुवाई पूर्व भूमि में मिला दें।

फ्यूजेरियम उखटा

यह रोग एक मृदा जनित फफूंद फ्यूजेरियम स्पीसीज से होता है। इससे प्रभावित पौधा मुरझाकर सूख जाता है। पौधे की जड़ें व भीतरी भाग भूरा हो जाता है तथा पौधे की वृद्धि रूक जाती है। स्पष्ट लक्षण फूल आने व फल बनने की अवस्था में दिखाई देते हैं।

रोकथाम:

- रोगरोधी किस्मों की बुवाई करें।
- भूमि सौर्यीकरण करने पर भी बीमारी को कम कर सकते हैं।
- बुवाई से पूर्व बीज के बाविस्टीन (1-2 किग्रा) से उपचारित करें तथा बीमारी आने के बाद ड्रेंचिंग भी करें।

श्यामवर्ण (एन्थ्रेक्नोज)

यह रोग एक प्रकार की फफूंद कोलेटोट्राईकम लेजीनेरम से होता है। यह रोग तरबूजा, कद्दू में अधिक होता है जबकि पेठा में भी यह रोग अधिक होता है। यह रोग गर्म व आर्द्र मौसम में अधिक फैलता है तथा पौधे की किसी भी वृद्धि अवस्था में आ सकता है। पुरानी पत्तियों पर छोटे जलयुक्त या पीले धब्बे बनते है। ये धब्बे कोणीय अथवा गोलाकार हो सकते है बाद में ये आपस में मिल जाते है तथा सूख जाते है। पत्ती का यह सूखा भाग झड़ जाता है। खीरा, खरबूजा, लौकी की पत्तियों पर कोणीय या खुरदरे गोल धब्बे दिखाई देते हैं जो पत्ती के बड़े भाग या पूरी पत्ती को झुलसा देते हैं।

रोकथाम:

- कद्दूवर्गीय जंगली पौधों को इक्ट्ठा कर नष्ट कर दें।
- बीज को थाइरम या बाविस्टिन 2 ग्राम प्रतिकिग्रा बीज से उपचारित करके बोयें।
- मैंकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से सात दिन के अंतराल पर दो बार छिड़कें।

चूर्णिल आसिता:

इस रोग में पत्ती की ऊपरी सतह पर सफेद या धुधंले धूसर रंग के छोटे-छोटे धब्बे बनते है। जो बाद में पूरी पत्ती पर फैल जाते हैं। पत्तियों व फलों का आकार छोटा व विकृत हो जाता है व पौधों की पत्तियां असमय गिर जाती हैं।

रोकथाम:

- रोगग्रसित पादप अवशेषों को नष्ट कर दें।
- रोग की प्रारम्भिक अवस्था में कैराथेन 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पत्ती झुलसा:

सर्वप्रथम पत्ती पर हल्के भूरे रंग के धब्बे दिखाई देते हैं जो बाद में गहरे रंग के व आकार में बड़े हो जोते हैं। पत्तियों पर धब्बे केन्द्रीयकृत गोलाकार में बनते हैं। जिससे पत्तियाँ झुलसी हुई दिखाई देती हैं।

रोकथाम:

- स्वस्थ बीज प्रयोग करें।
- फसल चक्र अपनायें।
- फसल पर इंडोफिल एम-45, 2-3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 10-15 दिन के अंतराल में छिड़काव करें।

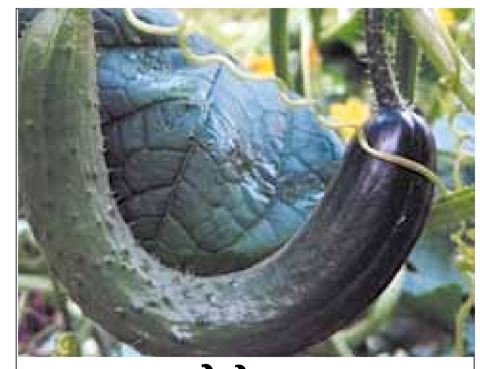

कुकुम्बर मोजेक

पौधे छोटे रह जाते हैं। तथा ग्रसित पौधों की नयी पत्तियाँ छोटी आकार की तथा पीले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। पत्तियाँ सिकुड़कर मुड़ जाती हैं। तथा पीले रंग का मोजेक क्रम दिखाई देता है। जिन्हें क्लारोटिक पेचेंज कहते हैं। कुछ फूल गुच्छे में दिखाई देते हैं। फल छोटे व विकृत हो जाते हैं या फलन बिल्कुल नहीं होता है।

रोकथाम:

- उपचारित बीज ही बुवाई हेतु प्रयोग करें।
- रोगग्रस्त पौधों व जंगली खरपतवारों को उखाड़कर जला दें।
- इमिडाक्लोप्रिड (3-5 मि.ली./15 लीटर पानी) दवा का एक सप्ताह के अंतराल पर खड़ी फसल पर दो बार छिड़काव करें जिससे वाहक नष्ट हो जायें।

मृदुरोमिल आसिता

इस रोग में पत्ती की ऊपरी सतह पर हल्के कोणीय धब्बे दिखाई देते है तथा पत्ती की निचली सतह पर मृदुरोमिल फफूंद बैंगनी रंग की दिखाई देती है। फल आकार में छोटे हो जाते हैं तथा रोगी पौधे के पीले धब्बे जल्द ही लाल भूरे रंग के हो जाते हैं।

रोकथाम:

- रोग रोधी किस्मों की बुवाई करें।
- फसल पकने के बाद फसल अवशेषों को जला दें।
- खड़ी फसल पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिशत की दर से छिड़काव करें।

कलिका उत्तकक्षय:

पत्तियों की शिराओं पर नेक्रोसिस धारियां बन जाती हैं। पर्व छोटे रह जाते हैं। उत्तकक्षय हो जाने से कलिका सूख जाती है। धीरे-धीरे कलिका वाली पूरी शाखा सूखने लगती है। पत्तियाँ सिकुड़कर पीली पड़ जाती है।

रोकथाम:

- रोगग्रस्त पादपों को उखाड़कर जला दें।
- स्वस्थ बीजों को बोयें।
- इमिडाक्लाप्रिड 3-5 मिली. प्रति 15 लीटर पानी की दर से दो बार छिड़काव करें।
- खेत के चारों ओर बाजरा की फसल उगायें इससे रोग कम आता है।

आया ग्रीष्मकालीन मक्का का समय

“उन्नत किस्मों के प्रयोग एवं उच्च बुवाई सिंचाई विधि में बदलाव करके मक्के का अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। मक्का का उत्पादन भारत में वर्षभर तीन मौसम (खरीफ, रबी, एवं ग्रीष्म) में लिया जाता है। इसका 80 प्रतिशत क्षेत्रफल खरीफ में रहता है परंतु इसे अन्य मौसमों में भी उचित तकनीकों का उपयोग करके सफलतापूर्वक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। जिन किसानों के खेत दिसंबर-जनवरी माह में खाली रहते हैं वह मक्के के रोपे भी नर्सरी उगाकर तैयार कर सकते हैं।”

सामान्यतः मक्के की एक हेक्टेयर नर्सरी तैयार करने के लिए 700 वर्ग मीटर एरिया जरुरी है। नर्सरी 30-40 दिन की होने पर खेत में रोपाई की जा सकती है। मक्के के लिए महीन (मृतिका) दोमट और

काली मृदाएं उपयुक्त होती हैं। ऐसी मृदाएं जिनका की कार्बनिक पदार्थ उच्च हो और पी.एच. मान 5.5 से 7.0 तक हो मक्के के अच्छे उत्पादन के लिए श्रेष्ठ रहता है। ग्रीष्मकालीन मक्के या सामान्य मक्के की बीज दर, बीज के आकार, पौधे के प्रकार, मौसम और बोने के तरीके पर निर्भर करता है- सामान्यतः जो नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

उर्वरकों का प्रबंधन सामान्यतः मृदा के पोषण तत्व स्तर और फसल प्रणाली पर निर्भर करता है। सामान्यतः बुवाई से 10-15 दिन पूर्व 8-10 टन गोबर खाद (एफ वाय. एम.) दे देना चाहिए। मक्के को 150 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 70-80 कि.ग्रा. फास्फोरस और 50-60 कि.ग्रा. पोटाश, 25 कि.ग्रा. जिंक प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता संपूर्ण वृद्धि काल तक रहती है। बुवाई के समय नाइट्रोजन की 20 प्रतिशत मात्रा, पूर्ण फास्फोरस और पूर्ण पोटाश एवं जिंक की मात्रा दे देनी चाहिए, नाइट्रोजन को पाँच विभिन्न भागों में मात्रा में अलग-अलग समय पर दें। ऐसा करने का उद्देश्य उसकी उपयोग क्षमता को बढ़ाना है।

सामान्यतः नी हाई अवस्था बुवाई के 35-36 दिन बाद आती है एवं टॉसेल से सिलकिंग (पुष्पन) अवस्था 45-60 दिन के बीच आती है। इन अवस्थाओं पर सिंचाई देना अति महत्वपूर्ण है, गर्मियों में सूर्यप्रकाश भी दूसरे दिनों की तुलना में अधिक होता है, इस कारण वाष्पोत्सर्जन की क्रिया भी अधिक होती है, इस कारण फसल जल की माँग पूर्ति करना एक चुनौती है। इस समस्या से हम ड्रिप सिंचाई (टपक विधि) और मल्च का प्रयोग करके निजात पा सकते हैं। मक्के में हम ड्रिप विधि के माध्यम से सीधे फसल की वाष्पीकरण माँग के आधार पर सीधे पौधे के जड़ क्षेत्र में पानी दे सकते हैं और मृदा में नमी का न्यूनतम स्तर तक प्रबंध कर सकते हैं।

मक्के के लिए हम 2 लीटर प्रति घंटे स्त्राव वाली इन लाईन ड्रिप का प्रयोग करेंगे एवं 2 कतारों के बीच में एक लेटरल बिछाएंगे एवं फसल की जल माँग के आधार पर जल प्रबंधन करेंगे। सामान्यतः 45-60 सेंटीमीटर जल माँग पूर्ति के लिए 1 घंटे से 90 मिनट हर दूसरे दिन जल प्रबंधन पर्याप्त है। ड्रिप सिंचाई के माध्यम से हम 60-70 प्रतिशत तक जल की बचत कर सकते हैं और 20-25 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन ले सकते है। ड्रिप के साथ मल्च का प्रयोग ग्रीष्मकालीन अधिक वाष्पोत्सर्जन होने से बचायेगा और साथ में खरपतवार प्रबंधन में भी सहायता करेगा। मक्के में ड्रिप सिंचाई विधि और मल्च का प्रयोग करने के लिए हमें रेज्ड बेड तकनीक का प्रयोग करना चाहिए। इन सब तकनीकों का सफलतापूर्वक प्रयोग कर हम अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

जल प्रबंधन

ग्रीष्मकाल में उन जगहों पर जहाँ पर्याप्त जल नहीं हैं, वहाँ पर मक्के में पर्याप्त मात्रा में पानी देना अपने आप में एक चुनौती हैं। क्योंकि मक्के को संपूर्ण जीवनकाल में 40-60 से.मी. जल की आवश्यकता होती है। मक्के के ऊपर किए गए शोध में ऐसा पाया गया है, कि यदि मक्के की फसल को नी-हाई अवस्था एवं टॉसेल से लेकर सिंलकिंग अवस्था (पुष्पन) में सिंचाई न दी जाए तो 30-40 प्रतिशत तक उत्पादन में हानि हो सकती हैं।

मक्के को निम्नलिखित अवस्थाओं पर जल देना अतिआवश्यक है:-

अवस्था/चरण	सिंचाई दिन
अंकुरण, स्थापन एवं	प्रथम सिंचाई 12वें दिन
वानस्पतिक अवस्था	द्वितीय सिंचाई 25वें दिन
(1-39 दिन तक)	तृतीय सिंचाई 36वें दिन
पुष्पन अवस्था	प्रथम सिंचाई 48वें दिन
(40-65 दिन तक)	द्वितीय सिंचाई 60वें दिन
परिपक्व अवस्था	प्रथम सिंचाई 72वें दिन
(66-95 दिन तक)	

नाइट्रोजन का छिडकाव/उपयोग कुछ इस प्रकार करें:-

फसल अवस्था	नाइट्रोजन दर (त्न)
बुवाई के समय (आधार)	20
4 पत्ती अवस्था	25
8 पत्ती अवस्था	30
टॉसेल (नर पुष्पन)	20
बीज भरते समय	5
कुल	100(त्न)

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी का पहला सिंगल इरुमुडी कट्टू रिलीज़

मास महाराजा रवि तेजा की बहुप्रतीक्षित भावुक पारिवारिक ड्रामा फिल्म इरुमुडी, जिसका निर्देशन शिव निर्वाणा ने किया है और निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है, ने अपने पहले सिंगल इरुमुडी कट्टू की रिलीज के साथ ही अपने संगीत प्रचार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। अय्यप्पा भक्तों के साथ इसके गहरे जुड़ाव, फिल्म की पहली झलक को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और संगीत निर्देशक जीवी प्रकाश कुमार के उत्कृष्ट संगीत के कारण इस गाने का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। इरुमुडी कट्टू एक आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी भक्ति गीत है जो तुरंत ही मन पर अमिट छाप छोड़ता है। जीवी प्रकाश कुमार ने एक शक्तिशाली और आध्यात्मिक रूप से आवेशित रचना प्रस्तुत की है जो भगवान अय्यप्पा से जुड़ी आस्था, अनुशासन और भक्ति को खूबसूरती से दर्शाती है। पारंपरिक सार को समाहित करते हुए, यह गीत शुरू से अंत तक रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव प्रदान करता है। गीत को और भी गहराई प्रदान करते हुए, निर्देशक शिव निर्वाणा ने कल्याण चक्रवर्ती के साथ मिलकर इसके बोल लिखे हैं। उनके शब्द मंडल दीक्षा लेने के बाद अय्यप्पा भक्त की पवित्र यात्रा का जीवंत चित्रण करते हैं, जिसमें इरुमुडी धारण करने और सबरीमाला की तीर्थयात्रा करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। नायक के दृष्टिकोण से, गीत आध्यात्मिक परिवर्तन, अनुशासन और अय्यप्पा माला धारण करने तथा पवित्र दीक्षा पूर्ण करने के पीछे के सच्चे अर्थ की अनुभूति को दर्शाते हैं। अनंतू की सशक्त आवाज़ भक्ति की तीव्रता को और भी बढ़ाती है, हर पंक्ति में ईमानदारी और आध्यात्मिक उत्साह भर देती है। रवि तेजा ने अपने सबसे प्रामाणिक और भावपूर्ण प्रदर्शनों में से एक दिया है, जिसमें उन्होंने पवित्र माला धारण करते हुए अय्यप्पा भक्त की भक्ति, ऊर्जा और दृढ़ विश्वास को पूरी तरह से साकार किया है। उनकी समर्पित उपस्थिति दृश्यों को गीत जितना ही प्रभावशाली बनाती है। कोरियोग्राफर बाबा भास्कर ने पारंपरिक नृत्यों के साथ इस अनुभव को और भी बेहतर बनाया है, जो गीत की भक्तिमय लय और भावनात्मक तीव्रता को बखूबी पूरक करते हैं। इस गीत में प्रिया भवानी शंकर और बेबी नक्षत्रा की मार्मिक झलकियाँ भी दिखाई देती हैं, जो फिल्म में रवि तेजा की पत्नी और बेटी की भूमिका निभा रही हैं, जिससे आध्यात्मिक यात्रा में भावनात्मक गर्माहट का संचार होता है। कुल मिलाकर, इरुमुडी कट्टू एक भावपूर्ण भक्तिमय अनुभव है जो तुरंत एक आध्यात्मिक जुड़ाव पैदा करता है, और इरुमुडी द्वारा पेश की जाने वाली भावपूर्ण यात्रा की नींव रखता है।

साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा और स्वासिका महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आते हैं। मिथ्री मूवी मेकर्स के भव्य समर्थन और नवीन येरनेनी एवं वाई. रवि शंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तकनीकी प्रतिभा का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। विष्णु शर्मा छायांकन का जिम्मा संभालते हैं, साही सुरेश प्रोडक्शन डिजाइनर हैं, प्रवीण पुडी संपादन का काम देखते हैं, वहीं जीवी प्रकाश कुमार ने अपने संगीत के जरिए फिल्म की सबसे बड़ी खूबियों में से एक को जन्म दिया है। इरुमुडी 21 अगस्त को भव्य विश्वव्यापी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

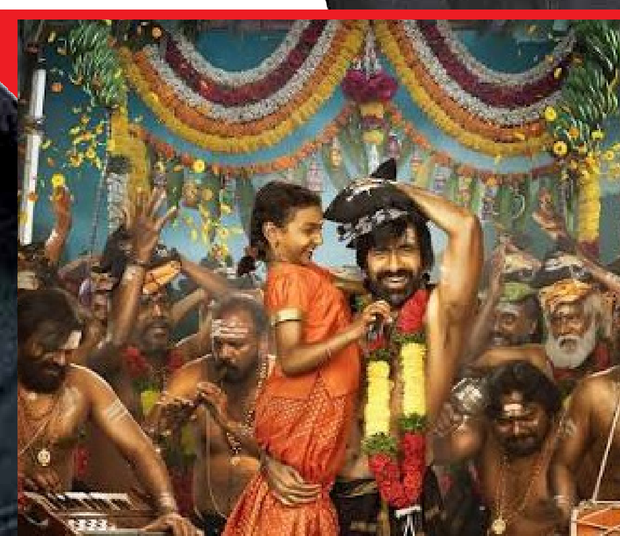

धमाल 4 का धमाकेदार प्रदर्शन 7वें दिन भी रहा जारी, अब 100 करोड़ी बनने को तैयार

अल्फा और वेलकम टू द जंगल का बुरा हाल

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 7 दिन पूरे कर चुकी है। वीकेंड पर धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद, ये कारोबारी दिनों में भी ताबड़तोड़ कारोबार कर रही है और निर्माताओं की झोली को भरने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। फिल्म भारत में अपनी कमाई से 100 करोड़ के क्लब में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं विश्व स्तर पर इसने 132 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई कर दिखाई है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के 7वें दिन 6 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया है। इससे पहले, फिल्म ने 6वें दिन 6.75 करोड़, 5वें दिन 9.50 करोड़ और चौथे दिन 8.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस तरह धमाल 4 ने अब तक कुल 96 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया और ये 100 करोड़ी बनने से बस एक कदम दूर है। फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे कलाकार भी मौजूद हैं। आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म अल्फा दूसरे ही सप्ताह में सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इसने 14वें दिन भी 60 लाख रुपये कमाए और बॉक्स ऑफिस पर अब तक कुल 56.40 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर पाई है। बॉबी देओल और अनिल कपूर जैसे कलाकार होने के बावजूद फिल्म दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब रही। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल ने 21वें दिन महज 59 लाख कमाए। इसका कुल 131.85 करोड़ रुपये हुआ है।

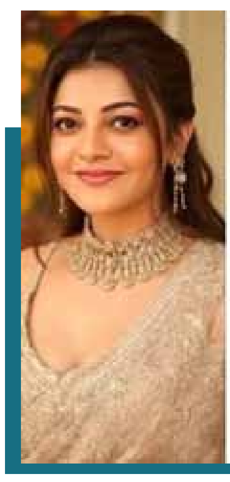

द इंडिया स्टोरी का ट्रेलर आज होगा जारी, 24 जुलाई, 2026 को आएगी काजल अग्रवाल-श्रेयस तलपड़े की फिल्म?

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म द इंडिया स्टोरी काफी समय से चर्चा में हैं। पिछले महीने निर्माताओं ने इसका टीजर और पोस्टर जारी किए थे, जिसने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले विषय को जनता के सामने लाने का संकेत दिया था। अब फिल्म के ट्रेलर को लेकर बड़ा अपडेट आया है, जिसका इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे थे। जी स्टूडियोज और रूद्धत्र प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन चेट्टन डीके ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता 18 जुलाई को द इंडिया स्टोरी का ट्रेलर रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ट्रेलर दर्शकों को उस संवेदनशील कहानी की एक झलक दिखाएगा, जिसने पोस्टर और प्रचार अभियान के जरिए पहले से काफी चर्चा बटोर ली है। यह सामाजिक रूप से प्रासंगिक कोर्टरूम ड्रामा पर आधारित है। फिल्म में काजल वकील के किरदार में हैं, जबकि श्रेयस एक लाचार पिता के रूप में बेटी के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहा है। कीटनाशकों से खेती के भयावह मुद्दे और समाज पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डालने और जनता को जागरूक करने के लिए काजल और श्रेयस द इंडिया स्टोरी के जरिए दर्शकों के सामने आ रहे हैं। ये कहानी खाद्य सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और जवाबदेही के मुद्दों पर चर्चा शुरू करने का लक्ष्य रखती है, जिसे सागर बी. शिंदे ने लिखा और निर्मित किया है। फिल्म 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

धमाल 4 के आगे लेनिन का भी वर्ल्डवाइड बजा डंका, अखिल अक्किनेनी के करियर का बना इतना बड़ा रिकॉर्ड

अखिल अक्किनेनी की लेटेस्ट तेलुगु रिलीज, लेनिन को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसकी पहले वीक की परफॉर्मेंस काफी शानदार है. इस फिल्म से अखिल ने तीन साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है. गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट साल 2023 में आई थी और ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी. फिर फिल्म रिलीज होने के कुछ ही टाइम बाद, एक्टर को चोट भी लग गई थी, जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा. इसलिए, अभिनेता को अपनी अगली फ़िल्म लाने में 3 साल लग गए. लंबे ब्रेक के बावजूद अखिल ने बड़े पर्जे पर धमाकेदार कमबैक किया है. इस फिल्म से उन्होंने वर्ल्डवाइड एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. अखिल अक्किनेनी की लेटेस्ट तेलुगु रिलीज, लेनिन को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसकी पहले वीक की परफॉर्मेंस काफी शानदार है. इस फिल्म से अखिल ने तीन साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है. गौरतलब है कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट साल 2023 में आई थी और ये बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी. फिर फिल्म रिलीज होने के कुछ ही टाइम बाद, एक्टर को चोट भी लग गई थी, जिससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा. इसलिए, अभिनेता को अपनी अगली फ़िल्म लाने में 3 साल लग गए. लंबे ब्रेक के बावजूद अखिल ने बड़े पर्जे पर धमाकेदार कमबैक किया है. इस फिल्म से उन्होंने वर्ल्डवाइड एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. तेलुगु कमर्शियल ड्रामा लेनिन ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा कर लिया है. पहले वीक के एंड तक, फ़िल्म ने दुनिया भर में 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. अखिल अक्किनेनी के 11 साल के करियर में यह पहली बार है जब उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है. इसलिए, यह उनकी सबसे तेजी से 50 करोड़ कमाने वाली फिल्म भी बन गई है. मुरली किशोर अब्बुरु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अखिल अक्किनेनी के साथ भाग्यश्री बोर्से मुख्य भूमिका में हैं. यह अभिनेत्री की अब तक की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म है .ये फ़िल्म रायलसीमा के बैकग्राउंड पर बेस्ड है और एक दमदार मुख्य किरदार की कहानी है, जो परिवार और राजनीति के कड़े टकरावों के बीच अपनी अलग पहचान बनाता है. फिल्म में महाभारत और रामायण का काफी प्रभाव देखने को मिलता है.

दूरी से बढ़ती हैं प्यार की अहमियत लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भी: शहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा, जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज् आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है। फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है, जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता। बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं। इश्कनामा भारत के साथ-साथ कनाडा और ब्रिटेन में 24 जुलाई को रिलीज होगी।

क्या डैंड्रफ ही खुजलीदार स्कैल्प की वजह है?

स्कैल्प यानी खोपड़ी में खुजली का मतलब हमेशा डैंड्रफ नहीं होता। कई बार इसके पीछे अलग-अलग कारण होते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि खुजली के पीछे किन-किन कारणों का हाथ हो सकता है और उनसे कैसे छुटकारा पाया जा सकता है। इससे आप सही कारण जानकर बेहतर तरीके से इलाज कर पाएंगे और समस्या से राहत मिल सकेगी। अगर आपके बाल बहुत ज्यादा सूखे हैं, तो इससे खोपड़ी में खुजली हो सकती है। बालों में नमी की कमी होने पर सिर की त्वचा भी सूख जाती है, जिससे खुजली होने लगती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए हफ्ते में दो बार तेल मालिश करें। इसके अलावा नमी देने वाले शैंपू का इस्तेमाल करें और कंडीशनर भी लगाएं ताकि बालों को नमी मिल सके और सिर की त्वचा स्वस्थ रहे। कभी-कभी नए हेयर केयर प्रोडक्ट्स या किसी खाने की चीज से एलर्जी होने पर भी खोपड़ी में खुजली हो सकती है। अगर आपने हाल ही में कोई नया शैंपू या कंडीशनर इस्तेमाल किया हो या फिर किसी नई चीज का सेवन किया हो तो यह समस्या हो सकती है। इसके लिए सबसे पहले यह पता लगाएं कि आपको किस चीज से एलर्जी है और उसे अपने जीवनशैली से दूर रखें। गर्मियों में तेज धूप भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकती है। धूप की वजह से सिर की त्वचा जल सकती है या फिर उसमें जलन हो सकती है, जिससे खुजली होने लगती है। इसके लिए अपने सिर को धूप से बचाने के लिए टोपी पहनें या फिर स्कार्फ बांधें। इसके अलावा सुबह या शाम के समय बाहर निकलें जब धूप कम तेज हो। इससे आपकी खोपड़ी सुरक्षित रहेगी और खुजली की समस्या भी कम होगी। तनाव भी खोपड़ी की खुजली का एक अहम कारण हो सकता है। जब हम तनाव में रहते हैं तो हमारे शरीर का पूरा संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए ध्यान, योग या फिर गहरी सांस लेने वाले व्यायाम करें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या में थोड़ी शांति और आराम शामिल करें ताकि आपका मन शांत रहे और तनाव कम हो सके। कुछ त्वचा संबंधी रोग जैसे सोरियासिस या एक्जिमा भी खोपड़ी की खुजली का कारण बन सकते हैं। इन रोगों में त्वचा पर खुजली, सूजन और लालिमा होती है, जिससे सिर की त्वचा भी प्रभावित होती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए डॉक्टर से संपर्क करें और उचित इलाज करवाएं। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि खुजलीदार खोपड़ी हमेशा डैंड्रफ ही नहीं होती बल्कि इसके कई अन्य कारण भी हो सकते हैं।

श्रीमुरली के नए अवतार ने बढ़ाई दर्शकों की उत्सुकता

कन्नड फिल्म एक्शन फिल्म 'पराक' का टीज़र रिलीज हो गया जो सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है। फिल्म 'बघीरा' के बाद यह लोकप्रिय अभिनेता श्रीमुरली की अगली बड़ी परियोजना है। भव्य प्रस्तुति, हाई-वोल्टेज एक्शन और अभिनेता के बदले हुए लुक ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी, जिससे देशभर के दर्शकों तक श्रीमुरली का नया अंदाज पहुंचेगा। श्रीमुरली दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के उन अभिनेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और दमदार अभिनय के दम पर अलग पहचान बनाई है। फिल्म 'उग्रम' ने उन्हें कन्नड़ सिनेमा के प्रमुख एक्शन स्टार के रूप में स्थापित किया था। इसके बाद 'मुफ्ती', 'भराटे' और 'बघीरा' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। अब 'पराक' में वह एक बार फिर नए अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। टीज़र में श्रीमुरली बेहद दमदार और रफ लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनकी फिटनेस, प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस और हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस टीज़र की सबसे बड़ी खासियत माने जा रहे हैं। दर्शकों ने सोशल मीडिया पर उनके शारीरिक बदलाव और एक्शन स्टाइल की जमकर तारीफ की है। फिल्म के दृश्य बड़े पैमाने पर तैयार किए गए हैं, जो इसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव का अहसास कराते हैं। फिल्म के निर्देशक हलेश कोगुंडी का कहना है कि बचपन से ही उन्हें एक्शन फिल्मों का गहरा शौक रहा है। उन्होंने बताया कि 'मैड मैक्स' जैसी फिल्मों से प्रेरित होकर उन्होंने फिल्म निर्माण की दिशा चुनी। उनके अनुसार, एक्शन केवल मारधाड़ या दृश्य प्रभाव तक सीमित नहीं होता, बल्कि कहानी और पात्रों की भावनात्मक यात्रा को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम भी है।

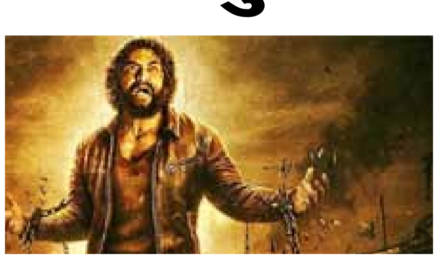

पी.वी. सिंधु ने रचा इतिहास, अकाने यामागुची को हराकर जीता जापान ओपन 2026 का खिताब

एजेंसी, टोक्यो

भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर जापान ओपन 2026 महिला एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

फाइनल मुकाबले में सिंधु ने आक्रामक स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी यामागुची को 21-17, 21-17 से मात्र 50 मिनट में पराजित किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 खिताब भी जीत लिया। 31 वर्षीय सिंधु के लिए यह सिंगापुर ओपन सुपर 500 (2022) के बाद पहला बड़ा खिताब है। पिछले दो वर्षों में चोटों के कारण उन्हें कई कठिन दौर से गुजरना पड़ा था और वह अपनी लय व निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। जापान ओपन का यह खिताब उनके शानदार वापसी का प्रमाण है।

इस जीत के साथ सिंधु ने तीन बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची के खिलाफ अपने आमने-सामने के रिकॉर्ड को 16-14 कर लिया। इससे पहले उन्होंने यामागुची को 2022 थाईलैंड ओपन में पूर्ण मुकाबले में हराया था। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मध्यांतर तक यामागुची दो अंकों की बढ़त पर थीं, लेकिन इसके बाद सिंधु ने अपने खेल का स्तर ऊंचा किया और लगातार दबाव बनाया। 17-15 के स्कोर पर दोनों खिलाड़ियों के बीच 38 शॉट की शानदार रैली हुई, जिसमें यामागुची ने बेहतरीन रक्षण किया। हालांकि 17-17 की बराबरी के बाद सिंधु ने लगातार चार अंक जीतकर पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 8-3 तथा फिर 14-7 की मजबूत बढ़त बना ली।

यामागुची ने अंतिम चरण में वापसी करते हुए स्कोर 19-17 तक पहुंचाया, लेकिन सिंधु ने संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर मैच तथा खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ पी.वी. सिंधु ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह विश्व बैडमिंटन की सबसे बड़ी खिलाड़ियों में शामिल हैं और आने वाले बड़े टूर्नामेंटों के लिए भी उन्होंने अपने मजबूत इरादों का संकेत दे दिया है।

एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप में भारत की नजर खिताब पर

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के इरादे से मैदान में उतरेंगी। ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाला यह टूर्नामेंट उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी होगा। इस प्रतियोगिता में एशिया की उभरती हुई सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी और महाद्वीपीय खिताब के साथ विश्व कप का टिकट हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगी। सरदार सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम हाल ही में अंडर-18 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रही है। भारत ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। पूर्व भारतीय कप्तान रानी की कोचिंग में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम भी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेगी। यह टीम अंडर-18 महिला एशिया कप 2026 में कांस्य पदक जीत चुकी है। महिला टीम को एलीट पूल में चीन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 जुलाई को करेगा। महिला टीम पहले कजाकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि पुरुष

टीम शाम को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। इसके बाद पुरुष टीम 21 जुलाई को ओमान और पाकिस्तान का सामना करेगी तथा 23 और 24 जुलाई को इन्हीं टीमों के खिलाफ वापसी मुकाबले खेलेगी। महिला टीम 21 जुलाई को चीन और उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी, जबकि 23 जुलाई को दोबारा कजाकिस्तान और 24 जुलाई को चीन तथा उज्बेकिस्तान के खिलाफ वापसी मैच खेलेगी। वर्गीकरण मुकाबले 25 जुलाई को होंगे। टूर्नामेंट में एलीट पूल के मुकाबले डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे। लीग चरण की शीर्ष दो टीमें सीधे स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचेंगी, जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई करेगी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच सरदार सिंह ने कहा, "अंडर-18 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर खिलाड़ियों ने यह अवसर हासिल किया है।

हम कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहते थेः एम्बाप्पे

एजेंसी, मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में इंग्लैंड से 6-4 की हार के बाद फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा कि टीम अपने विदाई ले रहे मुख्य कोच डिडिएर डेशां को जीत के साथ विदाई देना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पहले हाफ में पूरी तरह बिखर गई थी, लेकिन दूसरे हाफ में खिलाड़ियों ने फिर विश्व स्तरीय प्रदर्शन किया। मियामी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले

हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लान राइस, एजरी कॉन्सा और बुकायो साका (दो गोल) ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विश्व कप इतिहास में यह पहला अवसर था जब फ्रांस ने किसी एक हाफ में चार गोल खाए। मैच के बाद एम्बाप्पे ने कहा, "मैच के दो बिल्कुल अलग-अलग हिस्से थे। पहले हाफ को देखकर मैं समझ सकता हूं कि कुछ लोगों को लगा होगा कि हमने खुद को हास्यास्पद बना लिया और फ्रांस की जर्सी का सम्मान नहीं किया। लेकिन मैं कहूंगा कि हम इंसान हैं, हालांकि इस स्तर पर हमें ऐसी गलती की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। हम पूरी तरह हिल गए थे और इंग्लैंड ने हमें झकझोर कर रख दिया।" उन्होंने आगे कहा, "दूसरे हाफ में हम फिर वही शीर्ष स्तर के खिलाड़ी बन गए, मानसिक रूप से मजबूत और पूरी तरह तैयार। दुर्भाग्य से हम मैच नहीं जीत सके और इसका सबसे ज्यादा दुख हमारे कोच डिडिएर डेशां के लिए है। हम उनके लिए कुछ खास करना चाहते थे। पहले हाफ को देखकर ऐसा लगा जैसे हमने उन्हें निराश किया, लेकिन हम कभी भी उन्हें ऐसा महसूस नहीं कराना चाहते थे। हालांकि मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक मैच डिडिएर डेशां की महान विरासत को कभी धूमिल नहीं करेगा।" चार गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया।

नरेन-होल्डर की घातक गेंदबाजी से एलए नाइट राइडर्स ने पहली बार जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

एजेंसी, ओकलैंड

सुनील नरेन और जेसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी के दम पर लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (एलए नाइट राइडर्स) ने इतिहास रचते हुए पहली बार मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का खिताब अपने नाम कर लिया। ओकलैंड कोलिजियम में स्थानीय समयानुसार शनिवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल में एलए नाइट राइडर्स ने गत चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ एमआई न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन फ्रीडम के तीन साल के

दबदबे का भी अंत हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलए नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। टीम के लिए आंद्रे फ्लेचर ने 27 गेंदों में 47 रन, कॉलिन मुनरो ने 29 गेंदों में 40 रन और मैथ्यू ट्रॉम्प ने 21 गेंदों में 39 रनों की तेज पारी खेली। वॉशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन विकेट, जबकि रचिन रविंद्र और निखिल चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। 165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर टीम को दबाव में बनाए रखा। नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि होल्डर ने तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, ओबस पीनार ने निचले क्रम में 24 गेंदों पर 53 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर मुकाबले को आखिरी गेंदों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अकेले दम पर वॉशिंगटन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन उनकी शानदार पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

बिजनेस

भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसका छठा हिस्सा होगा: सीतारमण

एजेंसी, मदुरै

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जल्द ही वैश्विक विकास में इसकी हिस्सेदारी एक-छठे हिस्से से ज्यादा होगी। उन्होंने युवाओं और उद्यमियों से जोखिम उठाने और इस योगदान को वैश्विक विस्तार के एक-चौथाई तक ले जाने का आह्वान किया। सीतारमण ने तिमलनाडु के मदुरै में आयोजित यंग इंडियंस फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस (वाईआईएफआई) समिट 2026 के विशेष पूर्ण अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा, "भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में हमारा योगदान लगभग 1/6वां हिस्सा होगा।"

सीतारमण ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। उन्होंने उद्यमियों से जोखिम उठाने और मौकों का फ़ायदा उठाने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने कहा, "दुनिया में सबसे युवा वर्कफोर्स हमारे पास है। इनमें उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) से मान्यता प्राप्त 2.4 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स ने मिलकर 23 लाख से ज़्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा की है।" उन्होंने कहा, "हमारे पास 2,100 से ज्यादा वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं, जो मेट्रो शहरों से आगे बढ़ चुके हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक इंटरनेशनल बेंचमार्क बन गया है। यूपीआई हर महीने 20 अरब से ज्यादा लेन-देन की प्रक्रिया कर रहा है। साथ ही महत्वाकांक्षी और उद्यमी भारतीयों के लिए नए मौके बन रहे हैं, जो रुकावटें कभी टैलेंट और मौकों के बीच थीं, वे धीरे-धीरे कम हो रही हैं।

एपीडा ने जम्मू-कश्मीर से पहली बार सिंगापुर को प्रीमियम चेरी और आलूबुखारे का किया निर्यात

एजेंसी, नई दिल्ली

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा जिलों से पहली बार प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम (आलूबुखारा) की खेप सिंगापुर निर्यात कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पहल से क्षेत्र के बागवानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच मिलेगी और उनकी आय में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह उपलब्धि जम्मू-कश्मीर के बागवानी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे पहले कश्मीर से ताजी चेरी और प्लम का सफल निर्यात संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी और दुबई के बाजारों में किया जा चुका है। अब सिंगापुर जैसे नए और उच्च मूल्य वाले बाजार तक पहुंच बनने से कश्मीर के प्रीमियम शीतोष्ण फलों की वैश्विक पहचान और मजबूत

होगी। मंत्रालय के अनुसार, एपीडा ने मेसर्स ओसुम फूड सॉल्यूशंस एलएलपी तथा मेसर्स फ्रूट मास्टर एग्रो फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड, पुलवामा के सहयोग से 16 जुलाई को सिंगापुर के लिए पहली निर्यात खेप को रवाना किया। इस अवसर पर फ्लैग-ऑफ समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें निर्यातकों और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियां उच्च गुणवत्ता वाले चेरी, प्लम, सेब और अन्य शीतोष्ण फलों के उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ने से स्थानीय किसानों और बागवानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा पांच फीसदी बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल-जून) की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित कर दिए हैं। बैंक का एकल आधार (स्टैंडअलोन) पर शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) सालाना आधार पर लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 19,059.72 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 18,155.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

चडीएफसी बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि पहली तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय घटकर 92,184 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 99,200 करोड़ रुपये थी। बैंक के अनुसार, एकीकृत (कंसोलिडेटेड) आधार पर पहली तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़कर 19,245 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही बैंक की ब्याज आय (इंटरेस्ट अर्न्ड) बढ़कर 79,363 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 77,470 करोड़ रुपये थी। बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय (नेट इंटरेस्ट इनकम-एनआईआई) सात प्रतिशत बढ़कर 33,530 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 31,440 करोड़ रुपये थी।

आईडीबीआई बैंक को अप्रैल-जून तिमाही में 2115 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक को पहली तिमाही में 2,115 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जो सलाना आधार पर पांच फीसदी अधिक है। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में 2,007 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

आईडीबीआई बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8,573 करोड़ रुपये हो गई है, जो वित्त 2025-26 की समान तिमाही में 8,458 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 7,541 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7,021 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 10 फीसदी बढ़कर 3,486 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त

वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 3,166 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बैंक का परिचालन लाभ घटकर 2,168 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 2,354 करोड़ रुपये था। आईडीबीआई बैंक ने कहा कि बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) भी घटकर इस दौरान 3.61 फीसदी रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 3.68 फीसदी था। बैंक ने कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात घटकर सकल ऋण के 2.3 फीसदी पर आ गया है, जो एक साल पहले 2.93 फीसदी था। इसी तरह पहली तिमाही में बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनएनपीए) यानी फंसा कर्ज भी घटकर 0.16 फीसदी रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 0.21 फीसदी था। आईडीबीआई बैंक की कुल जमा राशि भी 30 जून, 2026 तक 10 फीसदी बढ़कर 3,25,757 करोड़ रुपये हो गई, जो 30 जून, 2025 को कुल 2,96,782 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध कर्ज राशि 30 जून, 2026 को 22 फीसदी बढ़कर 2,58,968 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,11,907 करोड़ रुपये थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।